6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष तृतीया 07:25 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

रविवार, 23 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 294, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ शीतकालीन सत्र के लिए 10 विधेयक सूचीबद्ध, उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी शामिल- 12

■ श्रम संहिता से मजबूत होगा देश का निर्यात तंत्र - 12

■ अमेरिका की अड़चन के बावजूद जारी किया गया जी-20 घोषणा पत्र - 13

■ गुवाहाटी टेस्ट में कुलदीप यादव ने कराई भारत की वापसी - 14

शुभकामना संदेश

दैनिक **अमृत विचार** के छह वर्ष पूर्ण होना केवल एक औपचारिक पड़ाव नहीं, बल्कि निरंतर उत्कृष्टता, मेहनत और जनविश्वास की एक उल्लेखनीय यात्रा है। इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई।

कम समय में आपने जिस निष्ठा और संतुलन के साथ पत्रकारिता के अपने कर्तव्य को निभाया है, वह प्रशंसनीय है। समाचारों की सत्यता, विचारों की सार्थकता और जन सरोकारों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता ने आपको पाठकों का भरोसेमंद मंच बनाया है। आज बरेली, लखनऊ, कानपुर, मुरादाबाद, हल्द्वानी और अयोध्या में प्रकाशित होकर आप एक व्यापक पाठक वर्ग के लिए विश्वसनीय सूचना का स्रोत बने हैं।

लोकतंत्र में मीडिया केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देने वाली महत्वपूर्ण शक्ति है। जनहित के मुद्दों को तथ्यपरक और रचनात्मक ढंग से उठाने में आपकी भूमिका सराहनीय रही है। सुशासन, पारदर्शिता और विकास के मुद्दों पर आपकी दृष्टि ने संवाद की गुणवत्ता को मजबूत किया है।

मुझे विश्वास है कि इसी भावना के साथ आगामी समय में भी आप सकारात्मक और निर्भीक पत्रकारिता के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका और सशक्त करते रहेंगे।

अमृत विचार के सम्पूर्ण परिवार को भविष्य के लिए . शुभकामनाएँ। सतत प्रगति करें और नई ऊंचाइयों को स्पर्श करें।

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

घुसपैठियों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

जिलाधिकारियों को सीएम योगी के निर्देश- जिले में बनाएं निरुद्ध केंद्र

● कहा- कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च स्थान पर रखें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में सरकार घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि घुसपैठियों की पहचान कर उन पर त्वरित और सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने घुसपैठियों को हिरासत में रखने के लिए सभी जिलों में अस्थाई निरुद्ध केंद्र भी बनाने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को जारी निर्देश में कहा है कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और राज्य में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिले का प्रशासन अपने क्षेत्र में मौजूद घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करें और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू करें। अवैध घुसपैठियों को हिरासत में लेने और निरुद्ध करने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में अस्थाई निरुद्ध केंद्र बनाने के भी निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में संगम क्षेत्र का निरीक्षण किया।

विदेशी नागरिकता वाले अवैध प्रवासियों को इन निरुद्ध केंद्रों में ही रखा जाएगा और सुनिश्चित किया जाएगा कि आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वे वहीं रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिटेंशन सेंटरों में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा।

माघ मेले में 15 करोड़ श्रद्धालु करेंगे स्नान : योगी

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां कहा कि प्रयागराज में तीन जनवरी से प्रारंभ हो रहे माघ मेले का दायरा 2024 के मेले की तुलना में बढ़ाया गया है और इस बार मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने मेला प्राधिकरण के सभागार में समीक्षा बैठक के बाद कहा, प्रदेश के सभी विभागों को आयोजन से जोड़ा गया है। लोक निर्माण विभाग संपर्क मार्गों के साथ सात अस्थाई पुल का निर्माण करेगा। जल निगम 242 किमी लंबी पेयजल पाइप लाइन और 85 किमी की सीवर लाइन बिछाएगा ताकि एक बूंद भी दूषित जल गंगा या यमुना में ना जाने पाए। 20-20 बिस्तरों के दो अस्पताल बनाए जा रहे हैं, 12 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी बनाए जाएंगे। क्षेत्र में 17 थाने, 42 पुलिस चौकियां, 20 दमकल गाड़ियां, सात अग्निशमन चौकियां और 20 अग्निशमन निगरानी टावर, एक जल पुलिस थाना, एक जल पुलिस नियंत्रण कक्ष और चार जल पुलिस उप नियंत्रण कक्ष होंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश

- सभी जिलों में प्रशासन करेगा अवैध घुसपैठियों की पहचान और सत्यापन।
- प्रशासन, पुलिस व खुफिया विभाग को संयुक्त अभियान चलाने का निर्देश।
- प्रत्येक जिले में अस्थाई डिटेंशन सेंटर (निरुद्ध केंद्र) स्थापित किए जाएंगे।
- सभी डिटेंशन सेंटरों में अनिवार्य रूप से होंगी सुरक्षा व बुनियादी सुविधाएं।
- फर्जी दस्तावेज और नेटवर्क चलाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई का निर्देश।

इस साल भी नहीं बढ़ेंगी बिजली दरें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के साढ़े तीन करोड़ बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। राज्य में इस वर्ष भी बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। यह लगातार छठा वर्ष है जब उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला गया है। नियामक आयोग के अनुसार अभी वर्तमान दरें ही यथावत रहेगी।

● नियामक आयोग ने खारिज किया प्रस्ताव, यथावत रहेंगी वर्तमान दरें

यूपी पावर कॉरपोरेशन ने इस बार बिजली की नई दरें बढ़ाने का प्रस्ताव नियामक आयोग के सामने रखा था। यूपी विद्युत नियामक आयोग ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया। आयोग के इस निर्णय के बाद उपभोक्ताओं को राहत मिली है। नियामक आयोग ने बहुमंजिला इमारतों और टाउनशिप से जुड़े मामलों के समाधान के लिए एक अलग कंसल्टेशन पेपर भी जारी किया है, ताकि इनसे संबंधित जटिलताओं का ठोस समाधान निकाला जा सके।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, ये विरासत भी न हो जाए गुमनाम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करे दुनिया

मोदी ने जोहानिसबर्ग में जी- 20 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार का शनिवार को आह्वान करने के साथ मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल तथा एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल बनाने का प्रस्ताव रखा। मोदी ने जी-20 नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र में कहा कि जी-20 ने लंबे समय से वैश्विक वित्त और विकास को आकार दिया है, लेकिन प्रचलित मॉडलों ने बड़ी आबादी को संसाधनों से वंचित किया है और प्रकृति के अति-दोहन को बढ़ावा दिया है और ये चुनौतियां अफ्रीका में तीव्रता से महसूस की जा रही हैं।

मोदी ने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को भी प्रस्तुत किया और इसे भारत के सभ्यतागत मूल्यों का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि यह विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाने का मार्ग दिखाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने पर ध्यान केंद्रित करना अधिक उपयुक्त है, क्योंकि यह महाद्वीप प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन का शिकार रहा है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार, जी-20-अफ्रीका कौशल विकास पहल, जी-20 वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम और मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने पर जी-20 पहल समेत चार अग्रणी नई पहलों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोहानिसबर्ग में अपनी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी समेत कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की।

आइए मिलकर भयावह नशा आतंक गठजोड़ को करें कमजोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, विशेषकर फेंटानिल जैसे अत्यंत खतरनाक पदार्थों के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए भारत ने मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा, आइए मिलकर इस भयावह नशा आतंक गठजोड़ को कमजोर करें। मोदी ने कहा, इस पहल से तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने, अवैध वित्तीय प्रवाह को रोकने और आतंकवाद के लिए प्रमुख वित्तपोषण स्रोत को कमजोर करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, स्वास्थ्य आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करते समय जब हम मिलकर काम करते हैं, तो हम और भी मजबूत होते हैं। हमारा प्रयास साथी जी20 देशों से प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम तैयार करना होना चाहिए, जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत तैनाती के लिए तैयार रहें।

मोदी ने 'समावेशी और सतत आर्थिक विकास, जिसमें कोई पीछे न छूटे' विषय पर आयोजित सत्र में कहा, अब हमारे लिए अपने विकास मानदंडों पर पुनर्विचार करने और समावेशी एवं सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने का सही समय है। भारत के सभ्यतागत मूल्य, विशेष रूप से 'एकात्म मानववाद' का सिद्धांत, आगे बढ़ने का मार्ग प्रदान करता है। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि विश्वभर में अनेक समुदाय पर्यावरण-संतुलित, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध तथा सामाजिक रूप से एकजुट जीवनशैली को संरक्षित रखते हैं।

इससे पहले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले शासनाध्यक्षों ने शनिवार को अमेरिका की अड़चन के बावजूद एक घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग मामलों के मंत्री रोनाल्ड लामोला ने सरकारी प्रसारक 'एसएबीसी' के साथ बातचीत में इस घोषणापत्र को बहुपक्षवाद की पुष्टि करार दिया।

पारंपरिक ज्ञान भंडार के निर्माण का प्रस्ताव

प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 के अंतर्गत एक वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार के निर्माण का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के दृष्टिकोण के साथ जी20-अफ्रीका कौशल विकास का भी प्रस्ताव रखा, जिसे सभी जी20 भागीदारों द्वारा समर्थित और वित्तपोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा सामूहिक लक्ष्य अगले दशक के भीतर अफ्रीका में 10 लाख प्रमाणित प्रशिक्षक तैयार करना होना चाहिए।

रामाफोसा ने नमस्ते कहकर किया स्वागत

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने शिखर सम्मेलन स्थल पर मोदी का 'नमस्ते' कहकर स्वागत किया। मोदी को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस जैसे वैश्विक नेताओं के साथ अनौपचारिक रूप से बातचीत करते देखा गया।

राजधानी में खुलेंगे 14 पॉली क्लीनिक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● हर पॉली क्लीनिक पर दो-दो विशेषज्ञ तैनात होंगे

अमृत विचार : लोगों को उनके घर के नजदीक बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग जिले में अब पॉली क्लीनिक खुलवाएगा। शुरुआत में 14 क्लीनिक खोलने का मसौदा तैयार किया गया है। एनएचएम से बजट भी स्वीकृत हो गया है। इन विशेष क्लीनिक में एमबीबीएस की बजाय विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे। क्लीनिक शुरू किए जाने को लेकर भवन का चयन विभाग के जरिये शुरू कर दिया गया है।

अफसरों का कहना है अगले साल जनवरी तक सभी पॉली क्लीनिक शुरू होने की उम्मीद हैं। अभी जिले में मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर 108 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) का संचालन हो रहा है। इन केंद्रों पर एमबीबीएस डॉक्टर तैनात हैं। हर पॉली क्लीनिक पर दो-दो विशेषज्ञ तैनात होंगे। इसमें ईएनटी, बाल रोग विशेषज्ञ, गाइनकोलॉजिस्ट, एमडी मेडिसिन, कैंसर विशेषज्ञ समेत अन्य विधा के विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे। इन क्लीनिक में तैनात होने वाले विशेषज्ञों को हर दिन पांच हजार रुपये के हिसाब से भुगतान होगा। प्रति क्लीनिक की स्थापना के लिए करीब दस लाख रुपये का बजट भी स्वीकृत किया गया है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है सरकारी भवनों में यह क्लीनिक खुलेंगी। इसके लिए भवन का चयन किया जा रहा है।

बरात से लौटते समय डीसीएम-बुलेट की टक्कर, तीन की मौत

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार : थौरा गांव के समीप शुक्रवार देर रात सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां मातम में बदल गईं। वैवाहिक समारोह से लौट रहे तीन युवक बुलेट से घर की ओर आ रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीनों युवकों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक शेरा लाल कोरी के घर की बरात हारीपुर गई थी। बरात से लौटते वक्त महाराजपुर निवासी उत्कर्ष सिंह (32), बजरंग सिंह (25) और बृजेश सिंह उर्फ अंशु सिंह (30) रात में बुलेट से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे अमेठी थौरा गांव की सीमा में पहुंचे, सामने से आ रही डीसीएम ने उनकी बुलेट से भिड़ंत हो गई। भीषण टक्कर में उत्कर्ष और बजरंग की मौके पर ही मौत हो गई जबकि घायल अंशु को संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी भी मृत्यु हो गई।

इस संबंध में एएसपी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हुई है। तीनों का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वीरेंद्र बहादुर सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ब्रीफ न्यूज

ब्राजील: पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार

साओ पाउलो। ब्राजील की संघीय पुलिस ने शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को गिरफ्तार कर लिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब तख्तापलट की कोशिश के लिए उनकी 27 साल की जेल की सजा अगले सप्ताह शुरू होने वाली थी। बोल्सोनारो (70) के सहयोगी ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति को राजधानी ब्रासीलिया में पुलिस फोर्स मुख्यालय ले जाया गया। फोर्स ने एक बयान में कहा कि उसने ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई की। बोल्सोनारो 2019 से 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे थे।

दिल्ली में आईएसआई से जुड़े हथियार तस्कर किए गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह नेटवर्क पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आने वाले विदेशी हथियारों की आपूर्ति दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब में संगठिक आपराधिक गिरोहों को करता था। इन शामिल तुर्किये निर्मित पीएक्स-5.7 मॉडल का इस्तेमाल सिर्फ स्पेशल फोर्स करती हैं। हथियारों की तस्करी विशेष ड्रोन के जरिए की जा रही थी जो रडार से बचने में सक्षम थे। सीमा पार स्थित तस्कर हथियारों की खेप रात के समय पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पूर्व-निर्धारित स्थानों पर गिराते थे जिसे उठाकर सुरक्षित ठिकानों तक ले जाया जाता था।

तेलंगाना:37 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद। तेलंगाना के डीजीपी बी शिवधर रेड्डी के समक्ष शनिवार को 37 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से तीन शीर्ष स्तर के माओवादी थे। रेड्डी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में तीन राज्य समिति के सदस्य कोय्यदा सांबैया (49) उर्फ आजाद, अप्पासी नारायण उर्फ रमेश (70), और मुचाकी सोमादा हैं। सांबैया और नारायण तेलंगाना समिति से संबंधित हैं, जबकि सोमादा माओवादियों की दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति का हिस्सा था।

वायु प्रदूषण: दिल्ली के निजी दफ्तरों में रहेंगे 50% कर्मचारी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण के काबू से बाहर होते हालात के बीच दिल्ली सरकार ने निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने के निर्देश जारी किए है। बाकी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। सरकार ने शनिवार को यह निर्णय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना के नियमों को और कड़ा करने के बाद लिया। राज्य सरकारें सरकारी कार्यालयों में भी फैसला लागू कर सकती हैं।

ग्रैप के तहत चार चरणों के प्रावधान हैं। प्रदूषण स्तर बढ़ने के साथ क्रमशः चरण-1, 2, 3 और 4 लागू होते हैं। आयोग 11 नवंबर से दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप का तीसरा चरण लागू किया है। आयोग ने शुक्रवार को नियमों में जो बदलाव किए हैं, उसके तहत स्टेज-4 के कुछ प्रावधान अब स्टेज-3 का हिस्सा बन गए हैं। इसके तहत एनसीआर और राष्ट्रीय राजधानी प्रशासन के अधीनस्थ सरकारों को सरकारी, स्थानीय निकायों के और निजी कार्यालयों के 50 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने पर फैसला करना होता है। इसमें दिल्ली के साथ गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर शामिल हैं।

ऐतिहासिक होंगे पल | रामनगरी में मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी, संघ प्रमुख भागवत, राज्यपाल, मुख्यमंत्री समेत 7500 मेहमान बनेंगे गवाह

वेद मंत्रों के साथ शिखर पर स्थापित होगा केसरिया ध्वज

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: रामनगरी में 25 नवंबर का दिन सुनहरा इतिहास बनने जा रहा है। राम मंदिर के शिखर पर 25 नवंबर को अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ केसरिया ध्वज स्थापित किया जाएगा। ध्वज-दंड पर ध्वज चढ़ते ही 10 सेकेंड तक शंखनाद की ध्वनि गूंजेगी। जिसके बाद पूरे परिसर में आसमान से फूलों की वर्षा होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित करीब 7500 खास मेहमान इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनेंगे। राम मंदिर के शिखर पर ध्वज स्थापना के

लिए शनिवार को एक बार फिर ध्वज आरोहण का अंतिम ट्रायल किया गया। राम मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में विशेष सजावट के साथ सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई हैं। पूरा आयोजन वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न होगा। राम मंदिर ट्रस्ट व्यवस्था प्रमुख गोपाल जी राव ने इसे रामलला के महाप्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रमों की शृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि यह क्षण न केवल मंदिर निर्माण यात्रा का मील का पत्थर होगा, बल्कि दुनिया भर के राम भक्तों के लिए भावनात्मक और आध्यात्मिक उर्जा का केंद्र भी बनेगा। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने कहा कि ध्वजारोहण कार्यक्रम की तैयारियां बहुत अच्छी चल रही है। ध्वज चढ़ाने का ट्रायल सफल हो गया है।

द्वितीय दिवस पूजन में श्रीराम सहस्त्रनामार्चन

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में होने वाले ऐतिहासिक ध्वाजारोहण कार्यक्रम के लिए शनिवार को दूसरे दिन विधि विधान से पूजन किया गया। एक हजार तुलसी पत्र से भगवान श्रीराम का सहस्त्र नामार्चन हुआ। आचार्यों द्वारा पहले दिन की भांति ही गणपति पूजन, पंचांग पूजन, षोडष मातृका पूजन के बाद मंडप प्रवेश पूजन कराया गया। इसके बाद योगिनी पूजन, क्षेत्रपाल पूजन, वास्तु पूजन, नवग्रह पूजन, और प्रधान मंडल के रूप में रामभद्र मंडल व अन्य मंडलों का आह्वान पूजन हुआ। यजमान ट्रस्ट के डॉ. अनिल मिश्र व अन्य यजमानों ने पूजन किया। मुख्य आचार्य चंद्रभान शर्मा, उपाचार्य रविंद्र पैठणे, यज्ञ के ब्रह्मा व आचार्य पंकज शर्मा ने पूजन कराया। पूजन व्यवस्था प्रमुख आचार्य इंद्रदेव मिश्र व आचार्य पंकज कौशिक की देखरेख में अनुष्ठान हुए।

विश्वस्तरीय होगी यूपी की चिकित्सा व्यवस्था

स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरी, लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने, हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और सुदूर क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए योगी सरकार 8.5 वर्षों से मिशन मोड में काम कर रही है। 'स्वास्थ्य सबका अधिकार' नारा नहीं, बल्कि डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में 9 करोड़ से भी अधिक लोगों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपये का चिकित्सा सुविधा दिया गया है, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर स्थित लोग पैसे के अभाव में इलाज से वंचित न रहें। 'एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज' के संकल्प के तहत प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों का विस्तार किया गया है। हर जिले में डायलिसिस, सी.टी. स्कैन की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ हेल्थ एटीएम स्थापित किये गये हैं। इसी क्रम में प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क, बल्क ड्रग पार्क व मेडटेक पार्क मूर्त रूप ले रहे हैं। प्रदेश अपनी सुदृढ़ रणनीतियों, नीतिगत पहल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से एक नवीन युग की ओर तेजी से अग्रसर है। यह परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार की दूरदर्शिता, मजबूत प्रतिबद्धता तथ जनहितैषी दृष्टिकोण का सशक्त प्रतिफल है। सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश आज बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने में अग्रणी राज्य बन चुका है।

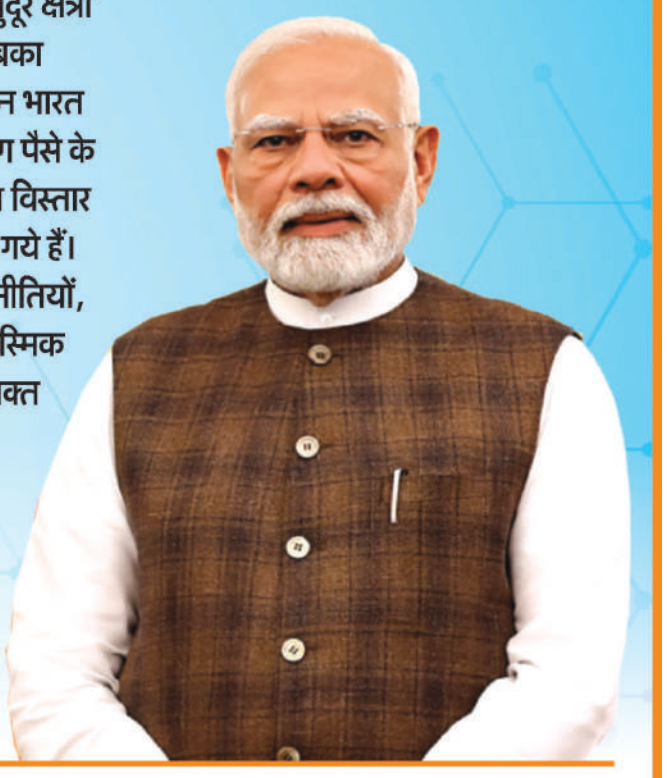

विकसित उत्तर प्रदेश समर्थ उत्तर प्रदेश 2047

प्रदेश के विकास के लिए अपने विचार और संकल्प साझा करने के लिए अभी क्यूआर कोड स्कैन करें या इस वेबसाइट पर विजिट करें।

http://samarthuttarpradesh.up.gov.in

वर्ष 2047 तक स्वास्थ्य के क्षेत्र में रणनीतिक लक्ष्य

- सार्वभौमिक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता
- स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण
- फार्मा और मेडटेक हब का विकास
- स्वास्थ्य कार्यबल का समग्र विकास
- स्वास्थ्य में एआई और जीनोमिक्स का प्रयोग
- डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों का क्रियान्वयन

8.5 सालों में बेहतर होती स्वास्थ्य सुविधाएं

हर गरीब परिवार को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क सुरक्षा कवच मिला। अब तक 56.30 लाख लाभार्थियों को मिला उपचार लाभ

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत देश में सर्वाधिक 5.21 करोड़ लाभार्थियों के कार्ड बनाये गये, अब तक लगभग 9 करोड़ से अधिक लाभार्थी आच्छादित

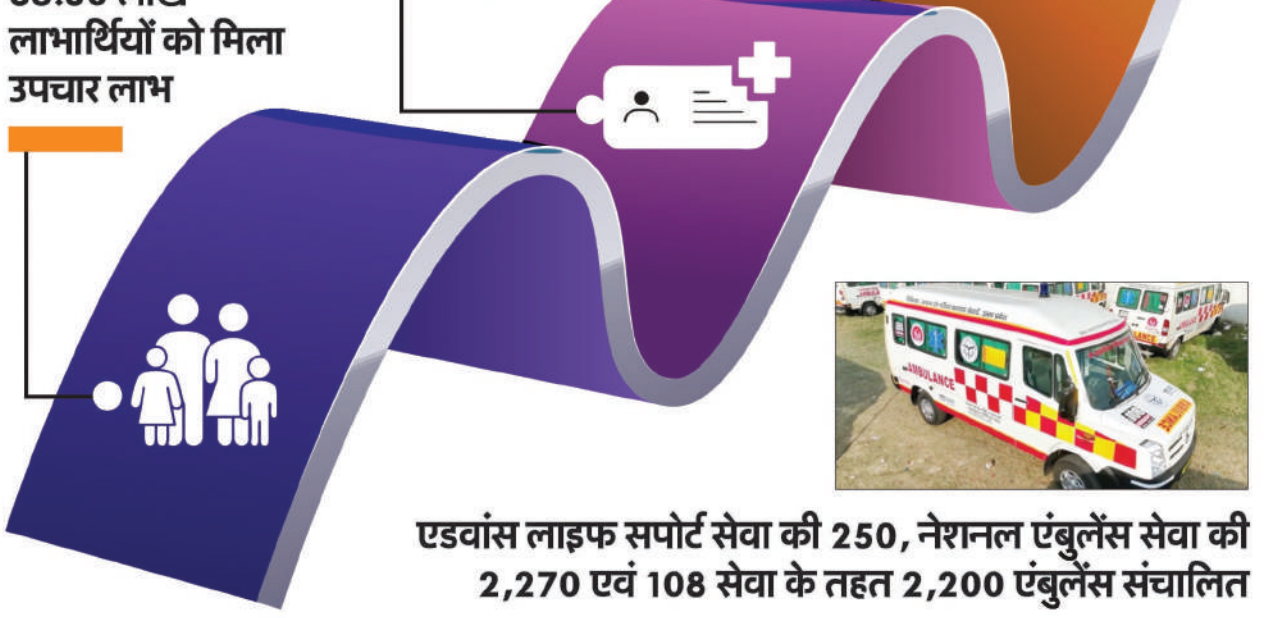

एडवांस लाइफ सपोर्ट सेवा की 250, नेशनल एंबुलेंस सेवा की 2,270 एवं 108 सेवा के तहत 2,200 एंबुलेंस संचालित

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते कदम

- 'एक जिला एक मेडिकल कॉलेज' नीति के अंतर्गत प्रदेश में 80 मेडिकल कॉलेज संचालित
- गोरखपुर में योग एवं नैचुरोपैथी में उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देने हेतु महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना
- गोरखपुर और रायबरेली में एम्स का संचालन
- अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय की स्थापना
- वाराणसी में राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना
- लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय संचालित

- प्रदेश में वर्तमान में 2,110 आयुर्वेदिक, 254 यूनानी एवं 1,585 होम्योपैथिक चिकित्सालयों के साथ ही 8 आयुर्वेदिक कॉलेज एवं उनसे संबद्ध चिकित्सालय, 2 यूनानी कॉलेज एवं उनसे संबद्ध चिकित्सालय तथा 9 होम्योपैथिक कॉलेज एवं उनसे संबद्ध हुई चिकित्सालय संचालित
- एमडी, एमएस और डिप्लोमा सीटों की संख्या 900 से बढ़ाकर 1,871 हुई, निजी क्षेत्रों में कुल 2,100 पीजी सीटें हैं उपलब्ध
- सरकारी क्षेत्रों में 5,250 एम.बी.बी.एस. सीट, निजी क्षेत्र में 6,550 एम.बी.बी.एस. सीट तथा पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेजों में एम.बी.बी.एस. की 350 सीटें उपलब्ध
- नर्सिंग में 7,000 सीट्स और पारामेडिकल क्षेत्र में 2,000 सीटों की वृद्धि
- प्रदेश में कुल 31 नर्सिंग महाविद्यालयों की स्थापना की गई

प्रदेश के सभी पीएचसी में हेल्थ एटीएम की स्थापना | प्रदेश में 5,000 नये स्वास्थ्य उप केंद्रों की स्थापना | राज्य में 13.18 करोड़ आभा हेल्थ अकाउंट के निर्माण के साथ उत्तर प्रदेश देश में है प्रथम स्थान पर

- आयुष्मान भारत योजना प्रदेश के अंतर्गत प्रदेश में 5,834 अस्पताल (जिसमें 2,949 सरकारी और 2,885 निजी अस्पताल शामिल) सूचीबद्ध
- राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा योजना लागू
- राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 6.81 लाख क्षय रोगी पंजीकृत, निक्षय पोषण योजना अंतर्गत इन रोगियों के इलाज के साथ 500 रुपये प्रतिमाह का हो रहा भुगतान
- प्रदेश के दूरदराज के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा टेली कंसल्टेशन की व्यवस्था, अब तक 3.64 करोड़ मरीज लाभान्वित
- प्रदेश के 75 जनपदों में जिला चिकित्सालयों में डायलिसिस की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध
- मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में अब तक 13.50 करोड़ मरीजों का उपचार
- निःशुल्क डायग्नोस्टिक सेवा के अंतर्गत प्रदेश के 74 जनपदों में सी.टी. स्कैन सेवा उपलब्ध

ADVERTORIAL

याद किए गए पं. राजमंगल

पूर्व केंद्रीय मंत्री की 32वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता कुशीनगर

श्रद्धांजलि अर्पित करते पुत्र पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय उर्फ गुड्डू पाण्डेय, भाजपा जिला अध्यक्ष दुर्गेश राय, विधायक पीएम पाठक। अमृत विचार

अमृत विचार: पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री पं. राजमंगल पाण्डेय की 32वीं पुण्य तिथि पर लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जनप्रतिनिधियों ने स्व. पांडेय के व्यक्तित्व व कृतित्व को अनुकरणीय बताया व जनता की भलाई के लिए उनके दिखाए रास्तों पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।

शनिवार को सपहा स्थित मिलेनियम इंटरनेशनल स्कूल परिसर में स्व.पांडेय के पुत्र पूर्व सांसद राजेश पांडेय की अगुआई में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि स्व. पांडेय का व्यक्तित्व विराट था। वह वचन के धनी थे, जो कहा वह किया। राजनीति में रहते हुए उन्होंने जीवन पर्यंत शुचिता, मर्यादा व मूल्यों का पालन किया। उनके दिखाए रास्तों पर चलना सच्ची श्रद्धांजलि होगी। स्थानीय विधायक पीएन पाठक ने कहा कि स्व.पांडेय ने हजारों की संख्या में लोगों को रोजगार देने का कार्य किया। मूल देवरिया जनपद में शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संसाधनों की स्थापना में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। फाजिलनगर के विधायक सुरेन्द्र कुशवाहा, हाटा के विधायक मोहन वर्मा ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत, 2 घायल

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद-धनघटा मार्ग स्थित गोपियापुर गांव के पास रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। जबकि, दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से एक को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पाकरघाट कटया, थाना सिकरीगंज (गोरखपुर) निवासी राजनाथ (40) अपनी बाइक से धनघटा चौराहे से खलीलाबाद की ओर जा रहे थे। तभी गोपियापुर के पास प्रजापतिपुर से आ रहे दोनों युवकों की बाइक से उनकी बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। राजनाथ को सीएचसी मलौली में मृत घोषित कर दिया गया। दूसरी बाइक पर सवार गणेश (20) तथा अनूप (18) निवासी ग्राम सोपरा, थाना हरपुर बुदहट (गोरखपुर) घायल हो गए।

एसआईआर अभियान में लाएं तेजी : डीएम

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान 2025 के अंतर्गत तहसील इटवा एवं तहसील डुमरियागंज के मतदाता पुनरीक्षण कार्य का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान–2026 के अन्तर्गत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा को बांटे गये गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) एवं जमां किये गये प्रपत्र के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि लेखपाल द्वारा अपने क्षेत्र के बीएलओ से समन्वय स्थापित करते हुये सभी मतदाताओं को घर घर जाकर गणना प्रपत्र प्राप्त करा दें तथा मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र भरने के बाद उसको बीएलओ, रोजगार सेवक, ग्राम प्रधानों के माध्यम से प्राप्त कर लें। गणना प्रपत्र की फीडिंग में प्रगति लायें। जो लेखपाल अच्छा कार्य कर रहे हैं उनको फील्ड में भेजकर कार्य में प्रगति लायें। जिन बीएलओ की प्रगति कम है उनके सहयोग में किसी कर्मचारी को लगाकर कार्य में प्रगति लायें।

CHANDIGARH UNIVERSITY
Discover. Learn. Empower.
ONE YEAR MAKES NEWS.
THREE YEARS MAKE HISTORY.
India's No. 1 Private University for Three Consecutive Years
QS UNIVERSITY RANKINGS 2026 ASIA
ASIA RANK #109
Cementing its illustrious legacy of academic excellence and cutting-edge research, Chandigarh University has proudly retained its prestigious distinction as India's No. 1 Private University for the third consecutive year in the coveted QS Asia University Rankings 2026. This momentous accomplishment reflects our sustained excellence across key ranking parameters such as Academic Reputation, Employer Reputation, and International Research Network, while also reaffirming our steadfast commitment to students' success.
PLACEMENT HIGHLIGHTS 2024-25
1100+ Companies Visited for Recruitment
9000+ Placement Offers
₹1.7 CRORE Highest Package (International)
₹54.75 LAKH Highest Package (National)
REGISTER FOR cucet COMMON ENTRANCE TEST https://cucet.cuchd.in
Chandigarh University Common Entrance Test (CUCET) is a national-level, merit-based scholarship-cum-entrance exam that is mandatory for admission to Engineering, MBA, Pharmacy, MCA, LLM, and Integrated Law programs at Chandigarh University. CUCET, offering scholarships worth ₹250 crore, also presents a significant opportunity for students across all programs to secure up to a 100% scholarship for their higher education.
SCHOLARSHIPS WORTH ₹250 CRORE
Scan QR Code to Avail Scholarship
CAMPUS: NH-05, Chandigarh-Ludhiana Highway, Gharuan, Mohali, Punjab
+91 99159-99224, 1800 1212 88800 | Website: www.cuchd.in
LUCKNOW CAMPUS: Lucknow-Kanpur Highway-27, Unnao, Uttar Pradesh | www.culko.in | 96460-01222

SKD Academy
Annual Fest 2025
23 & 24 November, 2025
CHIEF GUESTS
• Mr. J.P.S. Rathore : State Minister (Independent) Cooperative (U.P.)
• Mrs. Pratibha Shukla: State Minister, Women's Welfare, Child Development & Nutrition (U.P.)
• Dr. Rajeshwar Singh : MLA, Sarojini Nagar, Lucknow
• Mr. Rameshwar Singh : Member, UP RERA Appellate Tribunal
• Mrs. Sapna Upadhyay : Director, Ishwar Child Welfare Foundation, Lucknow
• Gouri Sawariya : Councillor, Rajajipuram, Lucknow
SKD ACADEMY
www.skdacademia.org
/SKDAcademylucknow
/SKD Academy
/skdacademia
7054123888
7054440888
for details

कार्यालय नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद–सिद्धार्थनगर
स्वच्छ कपिलवस्तु | सुन्दर कपिलवस्तु | स्वस्थ कपिलवस्तु
Toll Free 1533
अमृत विचार की 6वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर नगर पंचायत कपिलवस्तु के सम्मानित नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
नगर वासियों से विनम्र अपील की जाती है–
- खुले में शौच कदापि न करें। शौचालय का प्रयोग करें।
- डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में अपना सहयोग अवश्य करें एवं सूखा कूड़ा व गीला कूड़ा अलग करके कचरा संग्राहक को सौपें।
- नगर पंचायत द्वारा चलाई जा रही ''गाय के लिए रोटी'' वाहन में फलों, सब्जियों के छिलके, सूखा खाना एवं अन्य पदार्थ अवश्य दान करें।
- नगर में एकल प्रयोग वाली पॉलीथीन का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित है। इसका प्रयोग ना करें। पर्यावरण को प्लास्टिक के प्रदूषण से मुक्त बनायें।
- कूड़ा–करकट आदि नालियों, सड़कों, खुले स्थानों में न फेंके, सफाई में सहयोग करें।
- पौधा लगायें, पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग करें।
- सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमणन करें।
- जल ही जीवन है इसकी बचत करें और भूगर्भ जलस्तर को बनाये रखने में अपना सहयोग करें।
- गृहकर व सेल्फ असेसमेन्ट हेतु हाउसहोल्ड सर्वे में सहयोग प्रदान करें।
- जन्म और मृत्यु की सूचना 21 दिनों के भीतर कार्यालय में दर्ज करायें।
- पथ प्रकाश बिन्दुओं को क्षति ना पहुंचायें।
- कूड़ेदान का प्रयोग करें।
- किसी भी समस्या के लिए टोल फ्री नं0 1533 पर कॉल करें।
- यह नगर आपका है इसे स्वच्छ एवं सुन्दर बनाये रखने में सहयोग करें।
श्रीमती आरती देवी
अध्यक्ष – नगर पंचायत कपिलवस्तु
जनपद – सिद्धार्थनगर
नवीन कुमार सिंह
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कपिलवस्तु
जनपद – सिद्धार्थनगर।
पत्रांक: 399/न0पं0कपि0/2025–26
दिनांक: 20.11.2025

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 23 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अज्ञात बुजुर्ग का मिला शव

अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम सभा ससपन मजरे अन्निपुर गांव के निकट बुजुर्ग (60) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। बुजुर्ग के शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इंस्पेक्टर रहीमाबाद अरुण कुमार त्रिगुनायक ने बताया कि बुजुर्ग दोनों पैरों से विकलांग है। मृतक के शरीर पर सफेद रंग की जैकेट थी। ग्रामीणों के मुताबिक बुजुर्ग पिछले कई दिनों से आसपास के गांवों में मांगकर खाता था।

युवती ने निगला कीटनाशक, रेफर

नवाबगंज। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मुंडेरा गांव निवासी सूरज की 18 वर्षीय बेटी अंजली शनिवार दोपहर घर में अकेली थी। मां मीना व अन्य परिजन खेत गए थे। तभी अंजली ने घर में रखा कीटनाशक निगल लिया।

गैंगस्टरों की 1.70 करोड़ की संपत्ति कुर्क

मड़ियांव, बीबीडी और गुडंबा पुलिस ने की कार्रवाई, प्लॉट, मकान व कारों को लिया गया कब्जे में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अपराध से अर्जित काली कमाई के खिलाफ लखनऊ कमिश्नरेट ने बड़ी कार्रवाई की है। मड़ियांव, बीबीडी और गुडंबा पुलिस ने ठगी व हत्यारोपी तीन गैंगस्टर की अपराध की रकम से खरीदी गयी करीब 1.70 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क कर दिया है। कुर्क की गई संपत्ति में प्लॉट, मकान व कारें शामिल हैं।

इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया कि मूल रूप से उन्नाव निवासी शिवेंद्र सिंह चौहान जानकी विहार कॉलोनी जानकीपुरम के खिलाफ अलीगंज पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज की थी। आरोपी ने प्लॉट के नाम पर कई लोगों से ठगी की थी। गैंगेस्टर एक्ट की विवेचना इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने की। आरोपी के खिलाफ अलीगंज व बीकेटी में करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं। जांच में पता चला कि आरोपी शिवेंद्र ने अपराध की कमाई से बीकेटी में एक प्लॉट लिया था। जिसकी कीमत 57,41,615 रुपये हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध की कोर्ट ने संपत्ति कुर्क करने का प्रारंभिक आदेश दिया था। अंतिम आदेश मिलने के बाद मड़ियांव पुलिस संपत्ति को कुर्क कर शासन के अधीन कर ली गई है। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी फिलहाल जमानत पर बाहर है।

वहीं, इंस्पेक्टर बीबीडी राम सिंह ने बताया कि चिनहट इंस्पेक्टर ने बाराबंकी निवासी कुलदीप सिंह हालपता राधापुरम कॉलोनी कंचनपुर मटियारी और उसके गिरोह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज की थी। आरोपी के खिलाफ हत्या, धोखाधड़ी समेत चार मामले चिनहट, बाराबंकी व अयोध्या में दर्ज हैं। गैंगस्टर एक्ट की विवेचना इंस्पेक्टर बीबीडी द्वारा की जा रही थी। जांच में सामने आया कि आरोपी कुलदीप ने अपराध की काली कमाई से मकान व कारें खरीदी थी। मामले में न्यायालय संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध ने गैंगस्टर एक्ट के तहत संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया था। अंतिम आदेश जारी होने के बाद बीबीडी पुलिस ने मकान व कारें कुर्क कर दी हैं।

उधर, इंदिरानगर थाने में दर्ज गैंगेस्टर एक्ट के आरोपी विशाल यादव उर्फ धर्म सिंह यादव निवासी जरहरा की अपराध की रकम से खरीदी गयी करीब 14 लाख की फॉरच्यूनर कार को गुडंबा पुलिस ने कुर्क कर दिया है। गैंगेस्टर एक्ट की विवेचना गुडंबा इंस्पेक्टर प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा की जा रही थी। आरोपी के खिलाफ करीब आठ मामले दर्ज हैं।

महिला ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, शुक्लागंज : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के देवारा कलां में शुक्रवार रात एक मानसिक रूप से परेशान महिला ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। देवारा कलां निवासी राजेश द्विवेदी की पत्नी कंचन द्विवेदी (45) पिछले एक वर्ष से मानसिक बीमारी से जूझ रही थीं और उनका इलाज चल रहा था। पति राजेश ने बताया कि शुक्रवार शाम उनकी पालतू गाय ने बछड़े को जन्म दिया था, जिस कारण वह वहीं लेट गए थे। इसी दौरान पत्नी कंचन ने उनसे पान मसाला मांगा, जिस पर उन्होंने बताया कि वह कमरे में रखा है। इसके बाद कंचन कमरे में चली गईं और कुछ ही देर में दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली।

दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव पर ट्रैफिक डायवर्जन आज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गोमतीनगर विस्तार स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन होना है। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि सुबह आठ बजे से डायवर्जन किया गया है।

इधर से न जाएं

- दयाल पैराडाइज चौराहा से जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नंबर-2 की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।
- जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नंबर-4 से जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नंबर-5/6 की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।
- पिपराघाट गोल चक्कर तिराहा से जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नंबर-6/5 की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।
- ताज अण्डरपास से जनेश्वर मिश्र पार्क की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।

इधर से जाएं

- वाहन सीएमएस विशालखण्ड तिराहा, अम्बेडकर उद्यान चौराहा या ग्वारी चौराहा होते हुए जाएंगे।
- वाहन नीरज चौक चौराहा, अम्बेडकर उद्यान चौराहा होकर जाएंगे।
- वाहन जी-20 तिराहा शहीद पथ या दिलकुशा होते हुए जाएंगे।
- वाहन अम्बेडकर उद्यान चौराहा या सामाजिक प्रतीक स्थल चौराहा, 1090 चौराहा या समतामूलक चौराहा होकर जाएंगे।

ब्रेन हेमरेज से बीएलओ की मौत

दबाव बनाकर एसआईआर का काम कराने का आरोप

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के सरांवा गांव निवासी बीएलओ विजय कुमार वर्मा (50) की ब्रेन हेमरेज के चलते शुक्रवार रात को मौत हो गई। पत्नी ने वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक दबाव बनाकर एसआईआर का काम करने का आरोप लगाया है।

पत्नी संगीता ने बताया कि पति विजय कुमार वर्मा गांव में ही प्राथमिक विद्यालय में शिक्षामित्र थे। वर्तमान समय में बीएलओ का भी कार्य कर रहे थे। 15 नवंबर शाम को एसआईआर के कार्य के दौरान घर में अचानक गिर पड़े थे। परिजन ने उन्हें चरक हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। डॉक्टर ने ब्रेन हेमरेज होना बताया था। करीब एक सप्ताह इलाज के बाद शुक्रवार रात उनकी मौत हो गई।

पत्नी का आरोप है कि

बीएलओ विजय कुमार वर्मा।

- **परिजन ने चुनाव आयोग व जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता व जांच की मांग की**

एसआईआर कार्य के लिए पति पर अत्यधिक दबाव था। पूरा दिन मोबाइल पर कार्य किया करते थे। इस कारण रात में सो नहीं पाते थे। मानसिक दबाव के कारण ब्रेन हेमरेज हुआ है। परिवार में एक बेटा हर्षित है। परिजन ने चुनाव आयोग और जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता के साथ मामले की जांच की मांग की है।

शिक्षामित्र संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के महामंत्री विजय गुप्ता (शिक्षामित्र) विजय गुप्ता ने बताया कि बीएलओ पर एसआईआर फॉर्म प्रतिदिन 200 भरने का उच्चाधिकारियों द्वारा मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। सच्चाई है कि पूरे दिन में मुश्किल से 20- 25 फार्म भर पाते हैं, क्योंकि धान की कटाई के कारण ग्रामीण घर पर नहीं मिल पाते हैं। उन्होंने कहा कि संसाधन काफी कम हैं। इस कारण बीएलओ पर काफी दबाव है। संघ ने बेटे हर्षित को सरकारी नौकरी व बीएलओ पर मानसिक दबाव न बनाए जाने व बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए जाने के लिए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है।

अस्पताल से बाइकें चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता, निगोहां

अमृत विचार : पलक झपकते ही बलरामपुर अस्पताल से बाइकें चोरी करने वाले दो वाहन चोरों को शनिवार को निगोहां पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की दो बाइकें बरामद की हैं।

एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने बताया कि एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी टीम के साथ गौतमखेड़ा बांक नाले के पास चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान दो बाइकों पर सवार दो युवकों को रोकने का इशारा किया गया तो वे मोड़कर भागने लगे। पुलिस ने घेरकर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि बाइकें चोरी की हैं। आरोपियों ने अपना नाम जीतू निवासी लालताखेड़ा और रईस निवासी लिसाड़ी मेरठ हालपता नाका बताया। आरोपियों ने कबूला कि

पुलिस गिरफ्त में चोर और बरामद बाइकें।

- **चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद की गईं**

शादी समारोह में कैटरिंग का काम करते हैं। मौका मिलते ही बाइकें चोरी कर औने-पौने दामों में बेच देते थे। आरोपियों ने बताया कि एक बाइक 12 नवंबर और दूसरी गाड़ी 8 सितंबर को बलरामपुर अस्पताल से चोरी की थी। एसओ ने बताया कि आरोपी जीतू के खिलाफ पूर्व में दो मामले दर्ज हैं।

पति से विवाद के बाद महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : महिंगवा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में शुक्रवार रात शराब पीने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। बात बढ़ने पर पत्नी ने देर रात जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

पहाड़पुर निवासी विकास शर्मा ऑटो चालक है। शुक्रवार रात करीब आठ बजे वह शराब के नशे में घर पहुंचा। नशे में देखकर पत्नी सोनम शर्मा (25) ने विरोध किया तो दोनों के बीच विवाद हो गया। तनाव बढ़ने पर विकास घर के बाहर चला गया। देर रात वह लौटा और खाना खाकर पत्नी तथा पांच वर्षीय बेटी दृष्टि के साथ कमरे में सो गया।

शनिवार सुबह जब सोनम नहीं उठी तो पति ने जगाने का प्रयास किया, लेकिन वह अचेत थी। इसके बाद विकास ने पिता बाबूलाल शर्मा को सूचना दी। आनन-फानन में सोनम को सौ शैया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बाबूलाल शर्मा ने बताया कि विकास ने छह वर्ष पहले सोनम से प्रेम विवाह किया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक सोनम

- **महिंगवा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव की घटना**

पत्नी के मायके जाने से क्षुब्ध पति ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

- **अमृत विचार, लखनऊ :** नगराम के वजगिहा गांव में पत्नी के मायके जाने से क्षुब्ध होकर पति ने शुक्रवार रात फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वजगिहा गांव निवासी रघु परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा अजय उर्फ मजनू (28) पत्नी नीलू, छह वर्षीय बेटे अंश और तीन वर्षीय बेटे आर्यन के साथ अलग रहता था। चचेरे भाई रामजीत के अनुसार शुक्रवार शाम अजय और नीलू के बीच कहासुनी हुई थी। बात बढ़ने पर नीलू बेटे को लेकर मायके चली गयी। रात में बेटे अंश के सो जाने के बाद अजय ने साड़ी का फंदा लगाकर जान दे दी। देर रात अंश की नींद खुली तो उसने पिता को लटका हुआ देखा और चिल्लाने लगा। शोर सुनकर पड़ोसी और रिश्तेदार पहुंचे। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

बिजली के पोल से टकराकर पलटा ट्रक, कई खंभे टूटे

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार : बंथरा के खटोला स्थित शिव शक्ति ढाबा के पास बनी-मोहनलालगंज रोड पर शनिवार सुबह ट्रक अनियंत्रित होकर सीधे बिजली के पोल से टकराकर पलट गया।

दुर्घटना की चपेट में आने से 33 हजार वोल्ट की मुख्य लाइन में गंभीर फॉल्ट आ गया, जबकि कई खंभे टूटकर क्षतिग्रस्त हो गए।

- **करीब छह घंटे तक कई गांव की बिजली सप्लाई रही बाधित**

ट्रक पलटने के कारण कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात भी बाधित रहा। जबकि अचानक बिजली आपूर्ति रुक जाने से बनी पावर हाउस से संचालित पहाड़पुर, बनी, खसरवार सराय शहजादी, कटी बगिया, बेती सहित आसपास के कई गांवों की सप्लाई करीब छह घंटे तक पूरी तरह बाधित रही।

इससे ग्रामीणों और उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षति का आकलन करते हुए तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कराया। विभाग ने स्थिति सामान्य करने के लिए नादरगंज पावर हाउस से वैकल्पिक आपूर्ति शुरू की।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी सिद्धार्थनगर

अमृत विचार की 6वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टिक्षीणता नियंत्रण कार्यक्रम

National Programme for Control of Blindness

1. जिला संयुक्त चिकित्सालय सिद्धार्थनगर में प्रत्येक दिन मोतियाबिन्द का निःशुल्क आपरेशन किया जाता है।
2. 08 से 19 वर्ष के स्कूली बच्चो को निःशुल्क चश्मा का वितरण किया जाता है।
3. बुजुर्गो को निःशुल्क चश्मा का वितरण किया जाता है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी सिद्धार्थनगर

सत्यमेव जयते

NATIONAL PROGRAMME FOR CONTROL OF BLINDNESS
Directorate General of Health Services,
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India,
Nirman Bhawan, New Delhi-110 108
Website: www.mohfw.nic.in/npcb.nic.in

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION

पत्रांक: मु0चि0अ0/विज्ञापन/2025-26/5396 दिनांक: 21.11.2025

अमृत विचार की 6वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

THUKRAL DIAGNOSTIC CENTRE PVT. LTD.

ठुकराल डाइग्नोस्टिक सेन्टर प्रा0 लि0

M-1/10, Sec-B, Kapoorthala, Aliganj, Near Novelty (Aliganj) Cinema, Infront of Indian Oil Building, Lucknow-226024.

एम 1/10, सेक्टर बी, इण्डियन ऑयल बिल्डिंग के ठीक सामने, निकट नावेल्टी (अलीगंज) सिनेमा, कपूरथला, अलीगंज, लखनऊ-226024

☎ : 0522-4035286, Mobile: 9451710675, 7887091155

For Home Sample Collection: 7887091166, 7887091144, 7887091177

Latest in class WHOLE BODY CT SCAN [Multi-Slice, Ultra-Fast, Low Radiation dose (ASIR)] with some other Latest Features like-Organ dose modulation, Clarity panel detecters, Z-resolution, 3D mA Modulation etc.

CT FACILITIES

• CT Head • CT Thorax • CT Abdomen • CT Angiography

OTHER FACILITIES

(2) ULTRASONOGRAPHY
A) ROUTINE - Whole, Upper, Lower, Pelvis, KUB, OBS TIFFA, TVS, FOLL. Study, HRSG (Breast, Thyroid, Orbit, Scrotum, Musculo- Skeletal, etc)
B) COLOR-DOPPLER -OBS, Carotid, TVCD, Breast, Scrotal.
* Obs (TIFFA) with Prior appointment only.
(3) PATHOLOGY LAB - With ELISA, Auto Analyzer
(4) DIGITAL X-RAY (High Resolution) Machine - with Latest CR, System for Routine X-Ray & Radiological Procedures
(5) E.C.G., Echocardiography, Endoscopy, Colonoscopy.

FULLY COMPUTERISED PATHOLOGY

TIMINGS:- WEEKDAYS: 08:00 AM TO 09:00 PM
SUNDAY: 08:00 AM TO 02:30 PM

FOR SONOGRAPHY MORNING : 09:30 AM TO 02:30 PM
EVENING: 06:00 PM TO 08:30 PM

SUNDAY EVENING CLOSED

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 23 नवंबर 2025 www.amritvichar.com

नवाबी विरासत की झलक देखने एक दिन नवाब मसूद की हवेली पहुंचे। दुर्लभ सामान सहेजने के शौकीन नवाब अपने परंपरागत लिबास में थे। सिर पर टोपी और नवाबों सरीखा पहनावा। मुस्कराते हुए आगे बढ़े और हाथों से आदाब का इशारा किया। बैठने का संकेत हुआ तो कुर्सी संभाल ली। पूछा, चाय पिएंगे। हां कहते ही इशारा किया और चंद मिनटों में चाय के साथ बिस्कुट नवाबी मेज पर लग गई। चाय की चुस्कियां लेते हुए बात आगे बढ़ी और जमा की गई विरासत की ऐतिहासिक चीजों पर जाकर टिक गईं। उन्होंने लंबी सांस खींची और संजोई पुरखों की विरासत के पन्ने एक-एक कर खोलते चले गए।

-दिव्यभान श्रीवास्तव, लखनऊ

दुर्लभ सामान सहेजने के शौकीन नवाब मसूद

ये विरासत भी न हो जाए गुमनाम

नवाबी काल के पुराने सिक्के निकाले, तो हुक्का, पानदान, घड़ी और कुरान की आयतें भी प्लेटों पर उकेरी दिखी। जेहन पर जोर डालते हुए अपने पुरखों की विरासत का जिक्र करते हुए मानो वे पुराने दौर में खो से गए। उन्होंने कई फिल्मों का भी जिक्र किया। कहा ऐसे ही नहीं है पहचान हमारी। नवाब मसूद से अमृत विचार ने जब विरासत को लेकर उन्हें कुरेदा तो कई पुराने पन्ने स्वतः ही खुलते चले गए।

हमीं से की गई लखनऊ में यूथ फेस्टिवल की शुरुआत

नजाकत और नफासत के शहर लखनऊ में बनीं कई मशहूर फिल्मों में निर्माताओं ने नवाब मसूद को अभिनय का मौका दिया और इसके जरिए, उन्होंने अपने लखनवी अंदाज की छाप छोड़ी। वर्तमान में शिया पीजी कॉलेज में कॉमर्स के प्रोफेसर व कॉल्विन तालुकदार्स कॉलेज में पढ़े-लिखे नवाब मसूद अब्दुल्लाह कहते हैं कि उमराव जान, खुदा हाफिज, निशांची, लालबत्ती, हमारे-12, मिर्जापुर-2, गुलाबो-सिताबो, गदर, गदर-2, इश्क के परिंदे, मैडम चीफ मिनिस्टर, इश्कजादे समेत कई फिल्मों में अभिनय किया। नवाब मसूद अब्दुल्लाह लखनऊ के एक रईस और नवाबी खानदान के वंशज हैं, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। वह 'अल-मसूद क्रिएशन सोसाइटी' चलाते हैं, जो लखनवी चिकनकारी को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं और न्यूयॉर्क जैसे विदेशों में भी प्रदर्शनियां लगा चुके हैं। उन्हें लखनऊ के पारंपरिक बोर्ड गेम 'पचीसी' खेलते हुए और दीपावली व होली की परंपराओं का पालन करते हुए भी देखा गया है। नवाब मसूद की बेगम जहां फैशन डिजाइनर हैं, वहीं उनकी तीनों संताने- दो बेटियां व बेटा मुंबई में है। बेटा फिल्म डायरेक्टर व नाटककार है। नवाब मसूद ने बेगम हजरत, जाने आलम, मटिया बुर्ज जैसे कई नाटकों में रोल प्ले किया है। वो बताते हैं कि 1983 में लखनऊ महोत्सव में कला, संस्कृति और पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए यूथ फेस्टिवल की शुरुआत हमीं से की गईं, तब से आज भी वो प्रक्रिया जारी है।

अंगूठी पर अकीक व कुरान की आयतें : प्रोफेसर नवाब मसूद ने दो-तीन अंगूठी पहनतें हैं, जिनमें अकीक, सीरिया, अमन कुरान की आयतें हैं। वह अंगूठी हमेशा उनको अल्लाह की याद दिलाती हैं और गलत कार्यों के रहमों-करम से बचाती है। फिरोजा व रूबी की अंगूठी तो खुद डिजाइन की हुई, उनके पास मौजूद है।

अवध की पहचान सदियों पुराने सिक्के

प्राचीन सिक्के 100-150 साल पहले (यानी 19 वीं सदी के मध्य में), लखनऊ के नवाब सोने, चांदी और तांबे के सिक्के इस्तेमाल करते थे, जिन्हें मुख्य रूप से अशरफी, रुपया और फलस कहा जाता था। अवध स्टेट नवाब गाजी-उद दिन हैदर, नासिर, मुहम्मद अली शाह, अजमद अली शाह, वाजिद अली शाह के दौर के नवाब मसूद के पास विरासत में मिले सदियों पुराने सिक्के हैं, जो कभी अवध की पहचान थे। ये सिक्के अपने आप में एक आयात है, जिनकी कीमत आज के जमाने में आंक पाना मुश्किल है। तांबे के क्वाइन भी हैं, जिन पर भी आयतें हैं।

नवाबों की लाइफ स्टाइल

कभी शानो-शौकत से जिंदगी जीने वाले मशहूर नवाबों की लाइफ स्टाइल भी अब बदलते दौर के साथ बदल गई है, लेकिन अपने पुरखों की विरासत को आज भी न सिर्फ सुनहरी यादों के तौर पर संजोए रखा है, बल्कि उससे उनका व्यवसाय भी चलता है। नवाब मसूद ने अपनी हवेली में एक ऐसा कमरा बनवा रखा है, जिसमें उन्होंने अपने नवाबों के वक्त में इस्तेमाल किए गए बेहद दुर्लभ सामानों को सहेज के रखा हुआ है। इन सामानों को देखने के लिए न सिर्फ हिंदुस्तान की सरजमीं से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इनके सामानों पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बन चुकी है। नवाब कहते है कि मून वॉक फिल्म की शूटिंग के समय दाढ़ी रख ली, तब से ये मेरा पैशन बन गया, अब थियेटर और फिल्म निर्माता हमें इस लुक में पसंद करते हैं।

दुर्लभ सामान सहेजने के शौकीन

मौजूद नवाब मसूद के पिता दुर्लभ सामान सहेजने के शौकीन थे। देश-विदेश के लोग उन्हें देखने आया करते थे और नवाब बेहद चाव से उन्हें अपने सामान दिखाते और उनके बारे में रोचक जानकारियां देते। वह कई बार बताते थे कि बेशकीमती और ऐतिहासिक सामान एकत्रित करने और उनके व्यापार का शौक उन्हें पिता से विरासत में मिला था। नवाब के पास नवाबों के वक्त के दुर्लभ सामान होने की वजह से गदर, मिर्जापुर 2, खुदा हाफिज, इश्कजादे सहित कई बॉलीवुड फिल्मों में उनके सामानों का इस्तेमाल किया जा चुका है। उनकी हवेली में शूटिंग होना आम बात है। इंग्लैंड, फ्रांस, ईरानी, फ्रेंच, जर्मन, चाइनीज का दुर्लभ सामान मौजूद है। वहीं नवाबों का पीतल, चांदी और तांबे का बना हुआ पान दान, हुक्का, घर के सभी तरह के बर्तनों में खत्तारी आर्ट, हॉलैंड की प्लेटें, आयत लिखी हुई अलग प्रकार की मिट्टी की प्लेटों के अलावा पुराने जमाने का टेलीफोन, घड़ी, ग्रामोफोन, 80 साल पुराना रेडियो और नवाबों के वक्त के कई दुर्लभ सामान मौजूद हैं, जो आज भी आकर्षण का केंद्र है। एंटीक सामानों का यह खजाना आज के जमाने के लोगों को लखनऊ की तहजीब को खूब लुभाता है।

सभी फोटो- शुभंकर चक्रवर्ती।

प्रोस्टेट पुरुषों के शरीर में एक छोटी, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण ग्रंथि है, जो वीर्य द्रव के निर्माण और पुरुष प्रजनन तंत्र के सुचारु संचालन में मुख्य भूमिका निभाती है। यह ग्रंथि मूत्राशय के नीचे और मूत्रमार्ग के चारों ओर स्थित होती है, इसलिए इसका थोड़ा-सा भी बढ़ना सीधे मूत्र प्रवाह को प्रभावित कर देता है। 45-50 वर्ष के बाद पुरुषों में प्रोस्टेट ग्रंथि का आकार धीरे-धीरे बढ़ना शुरू होता है, जिसे चिकित्सकीय भाषा में Benign Prostatic Hyperplasia (BPH) कहते हैं। आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता तनाव, असंतुलित आहार, देर रात तक जागना, कब्ज और शारीरिक गतिविधि का अभाव इस समस्या को और बढ़ाते हैं। आयुर्वेद में प्रोस्टेट की समस्या को वात विकृति, अपान वायु की रुकावट, अग्नि मंद होना तथा मूत्रवह स्रोत में अवरोध के रूप में देखा जाता है। इस कारण आयुर्वेदिक उपचार केवल लक्षणों को नियंत्रित नहीं करते, बल्कि शरीर के पूरे तंत्र को संतुलित करके रोग में स्थायी सुधार लाते हैं।

विशेष 'बस्ति' प्रक्रिया

बस्ति प्रक्रिया (Medicated Enema Therapy) आयुर्वेद की चिकित्सा का महत्वपूर्ण भाग है। यह शरीर से बढ़ा हुआ वात संतुलित करती है, जिससे प्रोस्टेट के बढ़ने की प्रक्रिया रुकती है और सूजन कम होने लगती है। पंचकर्म, विशेषकर बस्ति-चिकित्सा को प्रोस्टेट रोग में असाधारण लाभकारी माना गया है। वात-दोष के कारण होने वाला यह रोग बस्ति के माध्यम से अत्यंत प्रभावी तरीके से सुधरता है। निरूह बस्ति (काढ़ा आधारित बस्ति) रुकावट हटाकर मूत्रमार्ग को खोलता है और अपान वायु को संतुलित करता है। अनुवासन बस्ति (तैल बस्ति) सूजन को कम करती है, प्रोस्टेट क्षेत्र के ऊतकों को पोषण देती है और दर्द तथा भारीपन को हटाती है। यष्टिमधु क्षीर बस्ति पेशाब की जलन, गर्मी, बार-बार पेशाब और मूत्रमार्ग की सूजन में अत्यधिक आराम देती है। इसके साथ अभ्यंग, स्वेदन और मर्म-चिकित्सा प्रोस्टेट क्षेत्र और पीठ के निचले हिस्से में रक्त संचार बढ़ाकर रोग की प्रगति को रोकती हैं। तनाव और चिंता भी प्रोस्टेट की समस्या को बढ़ाते हैं, इसलिए आयुर्वेद में शिरोधारा, नस्य तथा मनोवैज्ञानिक संतुलनकारी थेरेपी भी उपयोगी मानी जाती हैं।

आहार-विहार (डाइट-लाइफस्टाइल)

आहार-विहार (डाइट & लाइफस्टाइल) प्रोस्टेट रोग में उपचार का आधारस्तंभ है। आयुर्वेद के अनुसार पेशाब की रुकावट और सूजन बढ़ाने वाले पदार्थ-दही, खट्टा, तला हुआ भोजन, लाल मिर्च, ठंडा पानी, शराब और धूम्रपान-रोग को बढ़ाने वाले हैं। वहीं हल्का, सुपाच्य, गर्म और वात-संतुलनकारी भोजन रोग को कम करता है। मूंग दाल, लौकी, टिंडा, गाजर, चुकंदर, सौंफ, हल्दी, अदरक, तुलसी, शतावरी और अश्वगंधा अत्यंत उपयोगी माने जाते हैं। कब्ज को बिल्कुल नहीं होने देना चाहिए, क्योंकि कब्ज बढ़ने से अपान वायु रुकती है और प्रोस्टेट पर दबाव बढ़ता है। आवश्यकतानुसार पानी, रोजाना 30-40 मिनट वॉक, भुजंगासन, मंडूकासन, पवनमुक्तासन, ताड़ासन और गहरी सांस लेने के अभ्यास प्रोस्टेट की समस्याओं में वैज्ञानिक रूप से लाभप्रद पाए गए हैं।

डॉ. मानसी
बीएएमएस, एमएस (जनरल सर्जरी) कंसल्टेंट एवं असिस्टेंट प्रोफेसर शल्यतंत्र विभाग, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली

बढ़े हुए प्रोस्टेट का सफल उपचार है आयुर्वेद में

क्यों बढ़ता है प्रोस्टेट

उम्र बढ़ने के साथ हार्मोनल बदलाव और लाइफस्टाइल कारणों से प्रोस्टेट ग्रंथि धीरे-धीरे बड़ी होने लगती है। इससे मूत्रनली पर दबाव पड़ता है और पेशाब संबंधी दिक्कतें शुरू होती हैं। प्रोस्टेट बढ़ने के लक्षण शुरुआत में हल्के होते हैं-जैसे रुक-रुककर पेशाब आना, धार कमजोर होना, पेट के निचले हिस्से में भारीपन, रात में कई बार उठकर पेशाब करना, पेशाब करने में समय लगना या ब्लैडर पूरी तरह खाली न होना। बहुत से पुरुष इन संकेतों को उम्र का सामान्य हिस्सा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन जब यह समस्या आगे बढ़ती है, तब तीव्र जलन, दर्द, संक्रमण, खून आना और कभी-कभी मूत्र मार्ग पूरी तरह बंद हो जाना (Acute Retention) जैसी गंभीर स्थितियां भी पैदा हो जाती हैं। आयुर्वेद का मानना है कि प्रारंभिक अवस्था में रोग को पकड़ लिया जाए, तो बस्ति-चिकित्सा, औषधि और दिनचर्या परिवर्तन से आराम संभव है। इसलिए समय पर जांच और उपचार अत्यंत आवश्यक है।

कैसे किया जाता है आयुर्वेद में प्रोस्टेट बढ़ने का इलाज

आयुर्वेद में इस समस्या को मूत्राष्ठिला नाम से जाना गया है। कुछ प्रकार का मूत्राघात (पेशाब रुक जाना) भी प्रोस्टेट के बढ़ने से होता है। आयुर्वेद में प्रोस्टेट रोग के लिए अनेक प्रभावी औषधियां बताई गई हैं, जो वात, पित्त और कफ के संतुलन के साथ-साथ मूत्रवह स्रोत की कार्यक्षमता बढ़ाती हैं। गोक्षुर मूत्रकृच्छ (dysuria) एवं वात हर द्रव्यों में श्रेष्ठ है अर्थात पेशाब की जलन को कम करता है तथा मूत्र प्रवृत्ति से जुड़ी नाड़ियों को मजबूती प्रदान करता है। इससे प्रोस्टेट का दबाव कम होता है और मूत्र प्रवाह बढ़ता है। वरुण की छाल मूत्रमार्ग की सूजन, अवरोध और प्रोस्टेट के बढ़े आकार को नियंत्रित करती है। पुनर्नवा शरीर के अतिरिक्त जल-दोष को कम करती है, जिससे सूजन, भारीपन और रात में बार-बार पेशाब आने की समस्या में लाभ मिलता है। यष्टिमधु, चंदन और शीतल औषधियां जलन, गर्मी, संक्रमण और दर्द को शांत करती हैं। वहीं गोक्षुरादि गुग्गुलु, कांचनार गुग्गुलु, शिलाजीत योग जैसे योग सूजननाशक, रक्त-संचारवर्धक तथा ऊतकों को सामान्य करने वाले होते हैं। इन सभी औषधियों का चुनाव रोगी की प्रकृति, दोष, उम्र, लक्षण और रोग की अवस्था के अनुसार किया जाता है, इसलिए अनुभवी चिकित्सक की देखरेख में उपचार करना उचित होता है।

Rohilkhand Ayurvedic Medical College & Hospital, Bareilly में प्रोस्टेट रोग का उपचार आधुनिक परीक्षणों और आयुर्वेदिक सिद्धांतों दोनों के आधार पर किया जाता है। यहां PSA Test, Urine Analysis जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनसे रोग की सही स्थिति का पता लगाया जाता है। वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सक प्रत्येक रोगी की प्रकृति, दोष, भोजन आदतों और जीवनशैली का विश्लेषण करके एक व्यक्तिगत उपचार योजना बनाते हैं। अस्पताल में विशेष Basti Therapy Unit उपलब्ध है, जहां प्रोस्टेट के रोगियों के लिए सुरक्षित और ढंग से पंचकर्म उपचार किए जाते हैं।

यदि किसी पुरुष को पेशाब बिल्कुल रुक जाना, पेशाब में खून आना, तेज दर्द, तेज बुखार, पेशाब में बदबू या संक्रमण के लक्षण या ब्लैडर का पूरी तरह खाली न होना जैसी स्थितियां दिखाई दें, तो यह गंभीर संकेत हैं और तुरंत चिकित्सा सहायता आवश्यक है। समय पर शुरू किया गया आयुर्वेदिक उपचार रोग को जड़ से सुधार सकता है, लक्षणों को नियंत्रित कर सकता है और बिना गंभीर साइड-इफेक्ट के रोगी को एक स्वस्थ और बेहतर जीवन प्रदान कर सकता है।

मरीज की कहानी: 52 वर्षीय पुरुष को मिला पूरा आराम

- समस्या : ग्रेड-1 प्रोस्टेट वृद्धि
- स्थान : रोहिलखंड आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बरेली
- यह मरीज पिछले कई महीनों से बार-बार पेशाब लगना, पेशाब पूरी तरह न होना और रुक-रुक कर पेशाब आने की समस्या से परेशान था।
- उन्होंने कई प्रकार की एलोपैथिक दवाएं लीं, लेकिन उन्हें खास लाभ नहीं मिला।
- फिर वे अपना इलाज करवाने रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल हॉस्पिटल, बरेली आए।
- यहां उनका 3 महीने तक इलाज चला, जिसमें उन्हें 4 साइकल विशेष बस्ति प्रक्रिया दी गई तथा आयुर्वेदिक औषधियां दी गईं।

इलाज का परिणाम

- उनके पेशाब संबंधी लक्षण लगभग पूरी तरह खत्म हो गए।
- रात में बार-बार उठना बंद हो गया।
- पेट तथा पेशाब में रुकावट की समस्या समाप्त हो गई।
- इलाज से पहले और बाद की अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में अब प्रोस्टेट बिल्कुल सामान्य पाया गया-कोई प्रोस्टेट वृद्धि नहीं।

बातचीत

"मेरी जिंदगी की गुणवत्ता पहले जैसी हो गई है। मुझे यहां बहुत अच्छा और असरदार इलाज मिला। मैं आयुर्वेद का बेहद आभारी हूं।"

अनुशासन ही है फिटनेस का आधार

आजकल जिसे भी देखिए, वजन कम करने को लेकर तनावग्रस्त दिखाई देता है। ऐसा लगता है मानो बढ़ता हुआ वजन ही जीवन की सबसे बड़ी चुनौती बन गया हो। यह सच है कि मोटापा आज देश में एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रहा है। कभी हमारे समाज में लोग स्वाभाविक रूप से संतुलित और सक्रिय रहते थे, क्योंकि उनका खान-पान प्राकृतिक था और जीवनशैली मेहनत एवं अनुशासन से भरी होती थी, लेकिन जैसे-जैसे भाग-दौड़ कम हुई, शारीरिक परिश्रम घटा और आधुनिक सुविधाएं बढ़ीं, वैसे-वैसे मोटापा और उससे जुड़ी बीमारियां तेजी से लोगों को अपनी चपेट में लेने लगीं। कहा भी जाता है-"मोटापा अकेला नहीं आता, यह अपने साथ कई बीमारियों को लाता है।" उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, बढ़ता कोलेस्ट्रॉल, जोड़ों का दर्द, हृदय रोग-ये सभी मोटापे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने लगते हैं और धीरे-धीरे व्यक्ति स्वयं को कमजोर, बीमार और निराश अनुभव करने लगता है।

वजन बढ़ना समस्या है, पर तनाव उससे बड़ी समस्या

- जब व्यक्ति मोटापे को लेकर तनाव लेने लगता है, तभी स्थिति और अधिक जटिल हो जाती है। तनाव स्वयं एक मानसिक एवं शारीरिक विकार है, जो शरीर में ऐसे हार्मोन पैदा करता है, जो वजन घटाने की प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं। ऐसे में यदि आपका वजन बढ़ गया है या आप मोटापे की श्रेणी में आ गए हैं, तो सबसे पहले तनाव से मुक्त होना आवश्यक है।
- वजन घटाना असंभव कार्य नहीं है, बशर्ते कि इसे समझदारी, योजनाबद्धता और आत्म-अनुशासन के साथ किया जाए। यह भी देखने में आता है कि लोग वजन तो कम कर लेते हैं, लेकिन उसे बनाए नहीं रख पाते। दोबारा वजन बढ़ता है, तो कई लोग हार मान लेते हैं और सोचते हैं कि "हमसे नहीं होगा" या "मोटापा तो लौटकर फिर आ ही जाता है।"
- वास्तविकता यह है कि वजन कम करना पहला चरण है और उसे बनाए रखना दूसरा तथा अधिक महत्वपूर्ण चरण। यदि दूसरा चरण निभाने में चूक हो जाए, तो सारी मेहनत बेकार हो जाती है। वजन को स्थिर रखने के लिए आत्म-अनुशासन का होना अनिवार्य है।

इंदु सिंह
लेखिका

सेल्फ-कंट्रोलिंग खुद को संभालने की कला

- सेल्फ कंट्रोलिंग या आत्म-अनुशासन जीवन का वह गुण है, जो व्यक्ति को हर परिस्थिति में सही निर्णय लेने की क्षमता देता है। यह सिखाता है कि कब क्या खाना है, कितना खाना है और किन चीजों से दूरी बनानी है।

वजन घटाने के दौरान अधिकतर लोग तब हारते हैं, जब सामने उनका मनपसंद भोजन आ जाता है। चाहे वे कितनी भी डाइटिंग की योजना बना लें, लेकिन स्वादिष्ट खाने की चाहत के आगे संकल्प टूट जाता है।

वजन घटाना नहीं, स्वास्थ्य पाना लक्ष्य होना चाहिए

यह याद रखना जरूरी है कि वजन घटाना केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन पाने के लिए होना चाहिए। यदि आप सेल्फ-कंट्रोलिंग और अनुशासन के साथ धीरे-धीरे अपने जीवन में बदलाव लाते हैं, तो न केवल मोटापा घटेगा, बल्कि आप कई बीमारियों से भी बच सकेंगे।

जीवन में वही सफल होता है, जो अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण करना जानता है। अत: यदि आप वजन कम करना चाहते हैं, तो कठिन डाइटिंग, कठोर व्यायाम या तनाव से नहीं, बल्कि आत्म-अनुशासन, नियमितता और सकारात्मक सोच से शुरुआत करें। याद रखें, वजन घटाना एक यात्रा है, मंजिल नहीं।

आत्म-अनुशासन मुख्य आधार

यदि आपने अपने भीतर आत्म-अनुशासन का संस्कार विकसित कर लिया, तो न केवल आप वजन को नियंत्रित कर सकते हैं, बल्कि जीवन की अनेक चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। आत्म-अनुशासन कहता है-"जिस चीज़ से नुकसान हो, उससे दूरी ही भलाई है।"

मोटापा घटाने में आत्म-अनुशासन के तीन मुख्य आधार

खानपान पर संयम

- वजन घटाने का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यही है।
- मात्रा में नियंत्रित भोजन
- समय पर भोजन
- तला हुआ, मीठा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से परहेज
- अधिक पानी और प्राकृतिक पेय
- फाइबर, फल, सलाद और मौसमी सब्जियों का समावेश
- यदि व्यक्ति केवल अपने खाने पर नियंत्रण करना सीख ले, तो वजन घटाना बहुत आसान हो जाता है।

नियमित व्यायाम और योग

- केवल डाइट से नहीं, बल्कि दिन में कम से कम 30-45 मिनट व्यायाम, तेज चलना, प्राणायाम और योगासन आवश्यक हैं।
- योग मन और शरीर को संतुलित करता है, भूख को नियंत्रित करता है और तनाव कम करता है।
- सूर्य नमस्कार, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, त्रिकोणासन और पवनमुक्तासन वजन घटाने में अत्यंत उपयोगी हैं।

सकारात्मक सोच और मानसिक संतुलन

- यदि आप मानसिक रूप से मजबूत हैं, तो सफलता निश्चित है। तनाव, नकारात्मकता और हताशा वजन घटाने में सबसे बड़े अवरोध हैं।
- अपने मन से बात करें, स्वयं को प्रेरित करें और अपने लक्ष्य को धीमी गति से परंतु निरंतर प्राप्त करें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह यदि किसी चीज को समर्पित भाव से करते हैं तो उसमें निश्चित रूप से मनचाही सफलता मिल सकती है। ऐसे में आपको हर चीज को पूरी लगन के साथ करने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप कोई बड़ा निर्णय लेना चाहते हैं तो एक बार अपने शुभचिंतकों से भी सलाह लेना न भूलें।

वृष
यह सप्ताह शुभता लेकर आया है। आपके सोचे हुए सभी कार्य समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होते हुए नजर आएंगे। जिससे आपका मन प्रसन्नचित रहेगा और आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा और सकारात्मक भाव नजर आएगा।

मिथुन
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। यदि बीते कुछ समय से आपका कोई काम अटका हुआ था और तमाम कोशिशों के बाद भी अब तक नहीं पूरा हो पाया है तो बड़ी सरलता के साथ पूरा हो जाएगा। आपके लिए गए निर्णय और कामकाज की तारीफ न सिर्फ घर में, बल्कि कार्यक्षेत्र में भी होगी।

कर्क
इस सप्ताह किस्मत दरवाजे खटखटा सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी-रोजगार के लिए भटक रहे थे तो आपका कोई शुभचिंतक या प्रभावी व्यक्ति इस दिशा में आपका सबसे बड़ा मददगार बन सकता है। आपके आलस्य अथवा अभिमान के चलते हाथ आया अवसर निकल भी सकता है।

सिंह
इस सप्ताह आपको अपनी लाइफ तेजी से आगे बढ़ती हुई तो कभी अटक-अटक कर चलती हुई नजर आएगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को कारोबार में बड़े उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में धन की दिक्कत और खराब सेहत आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती है।

कन्या
इस सप्ताह अपने कार्य को बहुत सूझबूझ के साथ समय पर बेहतर तरीके से करने की जरूरत रहेगी अन्यथा आपको अपेक्षित परिणाम या फिर कहें लाभ या सफलता में कमी देखने को मिल सकती है। आपको अपनी कार्य योजना बनाकर और समयबद्ध तरीके से करने की आवश्यकता है।

तुला
इस सप्ताह आप यदि अपने समय, ऊर्जा और धन आदि का प्रबंधन करके चलते हैं तो आप जीवन में आने वाली तमाम तरह की परेशानियों से खुद को बचा सकते हैं। पारिवारिक विवाद आपकी चिंता का कारण बनेगा। घर के किसी प्रिय व्यक्ति के साथ किसी बात को लेकर वाद-विवाद हो सकता है।

वृश्चिक
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस पूरे सप्ताह आप स्वजनों के साथ मौज-मस्ती करते हुए नजर आएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। सीनियर और जूनियर दोनों आप पर मेहरबान रहेंगे। आपके द्वारा किये गये प्रयास सफल होंगे और आपको कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनु
इस सप्ताह आपको लंबे समय बाद वो अवसर प्राप्त हो सकता है, जिसके लिए आप बेकरार बैठे हुए थे। आपके संगी-साथी आपके लिए काफी मददगार साबित होंगे। सप्ताह की शुरुआत में रोजी-रोजगार के सिलसिले में की गई यात्रा अत्यंत ही सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। बेरोजगार लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।

मकर
इस सप्ताह आपके करियर-कारोबार में शुभता बनी रहेगी और आप मनचाही सफलता और लाभ प्राप्त करेंगे। आपके भीतर अपने करियर-कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाने की लालसाएं जागेंगी और आप इस दिशा में बेहतर प्रयास भी करते नजर आएंगे। आपके सपनों को साकार करने में आपके इष्टमित्र भी काफी मददगार साबित होंगे।

कुंभ
यह सप्ताह राहत भरा रहने वाला है। आप अपने इष्टमित्रों की मदद से अपनी तमाम मुश्किलों को दूर करके अपने अधूरे कार्य को पूरा करने में कामयाब हो जाएंगे। जो कारोबार बीते कुछ समय से रेंग-रेंग कर चल रहा था उसमें अचानक से गति आ जाएगी और बाजार में आप दोबारा से अपनी साख बनाने में कामयाब हो जाएंगे।

मीन
इस सप्ताह आपका अधिकांश समय स्वजनों और इष्टमित्रों के साथ हंसी-खुशी बीतेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको किसी धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। इस दौरान आपका प्रभावी लोगों के साथ संपर्क बढ़ेगा। आपका मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 35

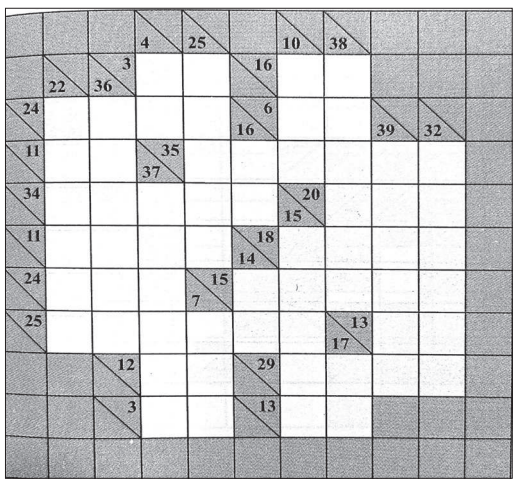

काकुरो 34 का हल

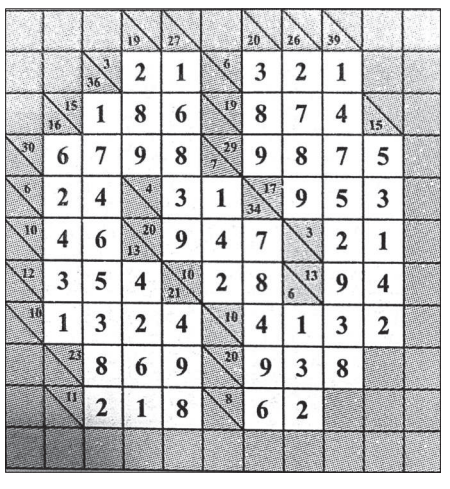

कहानी

मां के आंचल की आखिरी सिलाई

कंचनपुर गांव के बाहर एक झोपड़ी से उस रात धुआं उठ रहा था। लोग दौड़ पड़े, किसी ने कहा, "अरे, ये तो सरला देवी का घर है!" भीतर से दोनों बेटे रामनारायण और श्यामनारायण भागते हुए निकले, चेहरों पर डर था और भीतर कोई ऐसी सच्चाई जल रही थी, जिसे दोनों भाई बुझा नहीं पा रहे थे। झोपड़ी की आग में सरला देवी की पुरानी चारपाई जल चुकी थी। मगर उसी राख में कुछ अधजला पड़ा था और वह था एक फटा हुआ आंचल। जिस पर अधूरी सिलाई की सुई अभी भी अटकी पड़ी थी। लोग पूछते रहे- "मां कहां है?" दोनों भाइयों ने बस एक-दूसरे को देखा। श्याम की आंखें भीगी थीं, पर रामनारायण की निगाहें कहीं और टिक गई थीं।

यहीं से शुरू होती है वो कहानी, जहां ममता, धोखा और पछतावा एक ही आंगन में रहते हैं और जहां एक मां अपने ही आंचल से अपने बच्चों के पाप ढकने की कोशिश करती है। कहा जाता है कि रिश्ते जब टूटते हैं, तो घर नहीं, आत्माएं जलती हैं। पर कोई मां हो, तो वो अपनी राख से भी अपने परिवार को जोड़ देती है।

तीन महीने पहले की बात है। सरला देवी अपने छोटे से आंगन में तुलसी को जल चढ़ा रही थीं। गांव की सुबह धूप से नहीं, उनके भजन से शुरू होती थी। रामनारायण बड़ा बेटा, गांव का सबसे व्यावहारिक आदमी माना जाता था। उसकी पत्नी सुशीला, तेजतर्रार, पर मन में थोड़ा दंभ। छोटा बेटा श्यामनारायण सीधा, मेहनती और मां का लाडला, उसकी पत्नी गौरी, सादगी की मूरत। दोनों बेटे एक ही घर में रहते थे, पर दिलों में दरार थी। एक दिन सुशीला बोली, "अम्मा, आप ये सब पुराना तरीका छोड़िए। श्याम को आप खेत दे चुकीं, अब घर भी उसी के नाम कर दीजिए न, वैसे भी आप उसी के साथ ज्यादा रहती हैं।" मां ने मुस्कराकर कहा, "बिटिया, घर दीवारों से नहीं, दिलों से चलता है। अगर दिल बांट दिए जाएं, तो दीवारें भी चुभती हैं।" श्याम ने धीरे से कहा, "भइया को जो सही लगे, वही करें अम्मा। हमें तो बस आपका आशीर्वाद चाहिए।" रामनारायण ने तिक्त स्वर में कहा, "आशीर्वाद से पेट नहीं भरता, श्याम! अब जमाना बदल गया है।" मां की आंखों में नमी तैर गई। उन्होंने पुराने आंचल की सिलाई उठाई और बुदबुदाईं, "कभी-कभी कपड़ा नहीं, रिश्ते सिलने पड़ते हैं।"

सुशीला के मन में आग जल रही थी कि "श्याम की फसल लहलहा रही है और हमारे हिस्से में बस कर्ज? रामू! जब तक अम्मा जिंदा हैं, वो कभी सब बराबर नहीं करेंगी।" सुशीला ने कहा। रामनारायण ने चुप रहकर एक कागज निकाला, "शायद बराबरी ऐसे ही करनी होगी।" वो कागज था जमीन का हकनामा। सुशीला ने फुसफुसाया, "बस अम्मा से दस्तखत करवाइए। बोलिए कि सरकार की योजना है।" उस दिन मां की आंखों में कमजोरी थी, रामनारायण ने झूठी मुस्कान के साथ कागज अम्मा की तरफ बढ़ाया और बोला- "अम्मा! यह वृद्धा पेंशन योजना के लिए आवेदन पत्र है, इस पर बस आपका हस्ताक्षर चाहिए।" मां ने कांपते हाथों से दस्तखत कर दिए। उन्हें क्या पता था, उस स्याही में उनका विश्वास जल रहा है। कुछ दिनों बाद श्याम ने तहसील से सूचना लाकर अम्मा को देते हुए बोला "अम्मा, ये क्या हुआ? खेत हमारे नहीं रहे.. सब भइया के नाम हो गए।" सरला देवी का चेहरा सफेद पड़ गया, अचंभित स्वर में बोलीं...."क्या....? मैंने तो...." श्याम की आवाज फट गई, "अम्मा! आपने जो दस्तखत किए थे, वो कागज नहीं, फरेब था!" मां की आंखों से आंसू झरने लगे। इतना बड़ा विश्वासघात! "मेरे ही बेटे ने...? रामू ने...?" श्याम बोला, "अम्मा! मैं उसे दोष नहीं दूंगा। शायद उसे लगता है आप मुझसे ज्यादा प्रेम करती हैं।" मां ने बस इतना कहा, "जब बेटा मां पर शक करने लगे, तब ममता बूढ़ी हो जाती है।"

विजय कुमार पाठक
गोरखपुर

उस रात गांव में सन्नाटा था। रामनारायण के दरवाजे पर किसी ने धीरे से दस्तक दी। वो बाहर निकला और देखा, सामने उसकी मां खड़ी थीं। मां बोली-"रामू" आवाज कांप रही थी, "मेरे पास तेरे लिए कुछ है।" वो अंदर आईं और अपनी झोली से एक पुराना लिफाफा निकालते हुए बोलीं- "ये तेरे पिता की वसीयत है, जिसमें लिखा है कि तुम दोनों को बराबर का हिस्सा मिलेगा। मैंने इसे सालों छिपाकर रखा ताकि तुम दोनों मेहनत से जी सको।"

रामनारायण अवाक रह गया, बोला-"तो फिर आपने पहले क्यों नहीं बताया?" मां बोलीं, "क्योंकि मैं देखना चाहती थी, तुम हक से घर बनाओगे या छल से।" रामनारायण के हाथ कांपने लगे। रुआंसे स्वर में बोला, "अम्मा, मुझसे गलती हो गई।" सरला देवी ने धीरे से कहा, "गलती नहीं रामू, गुनाह हुआ है, लेकिन अगर तू उसे मान ले, तो मैं तुझे अब भी आशीर्वाद दूंगी।" रामनारायण रो पड़ा, "अम्मा, मैं सब लौटाऊंगा, वादा करता हूं।" मां ने सिर पर हाथ रख दिया, "बस इतना कर दे बेटा, इस आग को घर तक मत आने देना।" लेकिन अगले दिन घर में आग लग गई। लोगों को लगा दीया गिरा होगा, पर सच्चाई कुछ और थी। रामनारायण की पत्नी सुशीला ने गलती से लालटेन गिरा दी थी जब वो 'वह कागज' जलाने गई थी, ताकि रामू की "गलती" कभी दुनिया के सामने न आए। घर राख हो गया। मां को बाहर निकालने की कोशिश की गई, लेकिन वो धुएं में गुम हो गईं। आग बुझी तो सब जल चुका था। बचा था तो सिर्फ वो "अधूरी सिलाई वाला आंचल"। श्याम ने आंचल उठाया और टूटती आवाज में कहा, "अम्मा अब नहीं हैं, पर ये आंचल अब भी उनका याद लिए है।" रामनारायण ने सिर झुका लिया। बोला- "श्याम, मैं अपराधी हूं मेरे ही कारण मां चली गईं।" श्याम ने भाई के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा, "नहीं भइया, मां ने खुद को नहीं खोया, वो बस अपने आंचल से हमारी गलतियां ढककर चली गईं।"

कुछ महीने बाद दोनों भाइयों ने मिलकर मां का घर फिर से बनाया। हर ईंट पर मां की याद लिखी गई। दीवार पर वही अधूरी सिलाई वाला आंचल टंगा। रामनारायण ने कहा, "श्याम, मैं चाहता हूं कि मां की तरह हम भी इस आंचल को पूरा करें।" श्याम मुस्कराया, "चलो भइया, मां की आखिरी सिलाई पूरी कर दें।" दोनों भाइयों ने एक-एक टांका लगाया। हर टांका जैसे मां की आत्मा को शांति दे रहा था। गीता ने पूछा, "चाचा, ये आप क्या कर रहे हैं?" श्याम ने कहा, "बिटिया, जब मां चली गईं, तो उनका आंचल अधूरा था। अब हम दोनों उसे जोड़ रहे हैं, ताकि ये घर कभी फिर न टूटे।" रामनारायण ने धीरे से कहा, "अब न खेत मेरे हैं, न तेरे अब सब मां के हैं।" गांव के लोग जब उस नए घर के सामने से गुजरते तो दीवार पर टंगे आंचल को देख ठिठक जाते और कहते, "यह वही घर है, जो राख हो गया था?" श्याम मुस्कराकर कहता, "हां, पर अब ये राख नहीं, मां की गोद है, जिसने हमें फिर से जन्म दिया।" हर सुबह वे दोनों भाई मां की तस्वीर के सामने दिया जलाते। रामनारायण की आंखें नम होतीं "अम्मा, अब कोई दीवार नहीं है, अब तुम्हारा आंचल पूरा हो गया है।" और उस दिन सच में आसमान में हल्की धूप फैली, जैसे किसी मां ने ऊपर से अपने आंचल से दोनों बेटों को ढक लिया हो।

कविता/गीत

लहू पुकार रहा

हाथ में पाकिस्तान का झंडा हो
मुंह में उसकी बोली हो
उससे वार्ता की जरूरत नहीं
उसके सीने पर गोली हो
जो देश का अन्न खाए और
देश का गद्दार हो
भेजो उनको सीधे जन्नत चाहे
अपना यार हो
खून न जाया जाने देना अपने
देश के लालों का
ढूंढ-ढूंढ कर मारो उनको
चिंता न करो बवालों का
शहीद हुए, जो लाल हमारे
उनका लहू पुकार रहा
बढ़ चलो अब वीर सपूतों देश
यह हुंकार रहा
आतंकिस्तान का नाम मिटाओ
बदला लो हर जान का
पाकिस्तान में घुसकर मारो
डर हो हिंदुस्तान का
वीर सपूतों ने खून से लिखा है
संदेश समय की छाती पर
प्राणों से प्यारा तिरंगा लहरा दो
पाकिस्तान की छाती पर।

वंदना सिंह
कानपुर

जिन हाथों को मरहम लगाना था

दस नवंबर की वह काली
शाम, लालकिले मेट्रो का
मुकाम,
एक सफेदपोश दहशतगर्द
ने, चलती आई-ट्रेन गाड़ी में,
लालबत्ती के पास भयानक,
विस्फोट को दिया अंजाम।
दहल उठा आसमान, हिल गई
पूरी धरती,
हर तरफ आग के शोले,
चीत्कार चीख पुकार।
आसमान को छूती, आग की
चिंगारियां,
धू-धू करती लपटें लोगों के
चीथड़े उड़ जाएं,
कानों के परदे फट जाएं, ऐसा
रोर महाविस्फोट।
सब तरफ खून के छीटें, कटे
पिटे छितरे हाथ पांव,
नृशंसता भी कांप गईं, यह
वीभत्स दृश्य देख कर।
मातम छा गया पूरे क्षेत्र में,
लोगों के होश उड़ गए,
आनन फानन घायलों को ले
दौड़े, एलएनजेपी इमरजेंसी
कक्ष,
शोक में डूब गया सम्पूर्ण देश।
जिन हाथों को लगाना था
मरहम, वे ही बन गए कातिल
बेरहम,
जिन आंखों में करूणा ममता,
दया-दृष्टि दिखनी चाहिए थी,
उनमें क्रूरता ध्वंस निर्ममता,
हैवानियत झलक रही थी,
वहां इंसानियत की आस कैसे,
सद्भावना सहिष्णुता विश्वास
कैसे?

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

मानवता को जुकाम

नए नियम की परिभाषा में
नियम नहीं हैं, सिर्फ नाम हैं।

बातचीत की बात नहीं है
केंद्र बिंदु में अंतर्मन है,
और शुद्धता की श्रेणी में
झोंक रहा तन
और जलन है,

अबकी विस्फोटक सामग्री
की पैकिंग में रोकथाम है।

कामकाज की सभी
गुठलियों
में अंकुरण
नहीं होता है,
और काम के संबोधन में
असंतुष्टि का
ही श्रोता है,

कर्ता कर्म क्रिया से पहले
गया लगाया
भी विराम है।

भटक रही अनहोनी पर भी
नहीं नियंत्रण
की निगाह है,
असंतुलन का हाथ पकड़ने
आती केवल
आत्मदाह है,

बदल रहे मौसम के कारण
मानवता को
भी जुकाम है।

विवेक कुमार
नवगीतकार, शाहजहांपुर

लघुकथा

लिबास

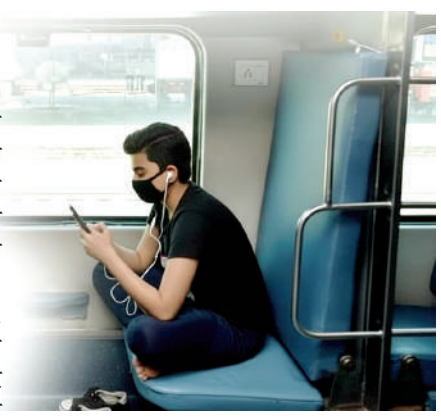

खिड़की से पर्दा खिसका कर कोच के बाहर झांकता है। कोई आधी रात के थोड़ा बाद का छोटा स्टेशन है। लगभग अंधेर और सुनसान। वह देर रात की चैट का आखिरी मैसेज रिप्लाई कर के लेटा है लेकिन डेटा ऑफ नहीं किया है। उम्मीद है उधर से अभी जवाब आएगा। कोई स्माइली, इमोजी, फूल, दिल या एक डेढ़ शब्द लिखकर डॉट.. डॉट.. डॉट। उसने वाट्सएप पर 'उसके' लिए चिड़िया चहचहाने की रिंग टोन सेट की थी। पर, इधर 'उसके' कम बॉस के मैसेज ज्यादा आ रहे हैं। वह चिड़चिड़ा होने लगा है। बॉस चिड़िया नहीं होता।

वह सुबह रिंगटोन बदलने की सोच रहा है। अभी-अभी लगी नौकरी बदलना ठीक नहीं। ट्रेन में पहली बार एसी कोच में है। ऊपर से अकेला भी। इस एकांत में वह सिर्फ 'उसकी' स्मृतियों में जीना चाहता है। उसके फ़ोटो उसके मैसेज उसके वीडियो। यहां ताकाझांकी/टोकाटाकी वाला कोई नहीं-उसे लगता है। साइड लोवर बर्थ पर बिस्तर लगाकर किसी फोटो को देखते अचानक वह जोर से हंस पड़ता है।

'पहली बार एसी में बैठे हो क्या बे!'-कोई कर्कश आवाज सहसा उसके कानों को चीर जाती है। वह सतर होकर बैठ जाता है। इधर उधर देखता है। आवाज किसी परदे के पीछे से आई है। वह आवाज की दिशा तलाशने लगता है। आवाज़ की दिशा में चारों ओर खर्राटों और नींद में फंसी सांसों का शोर है। 'इन्हें तो कोई नहीं रोक-टोक रहा'-वह सोचता है। एसी में धुआंधार खर्राटे लिए जा सकते हैं, हंसा नहीं-उसका एसीगत ज्ञान बढ़ता है। बॉस की बीबी का कल हैप्पी बड्डे है। कल ही बॉस की रजधानी में मीटिंग है। बॉस बीबी की अनुमति का अनुचर है। ऐसा उसके पिछले बॉस ने पिछले दिनों ही उसे बताया है। वह बॉस के रिज़र्व टिकट पर मीटिंग और ट्रेन में प्रतिस्थानी है। उसे बॉस के प्रोटोकॉलीन आदेश का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करना है। हालांकि उसे बॉस निहायत बकबास लगता है। बीबी का दब्बू। कुछ देर खर्राटों के शोर में उलझा वह फिर से फोन में खो जाता है। उसे फिर से जोर की हंसी आने को होती है। वह इधर-उधर देखकर हंस देता है। हालांकि उसे लगता है कि वह उतना खुलकर नहीं हंस पाया जितना कि हंसना चाहता था या कि उसे हंसना चाहिए था। वह फ़ोन को चार्जिंग पॉइंट पर लगाता है। चार्जिंग पॉइंट खराब है। वह व्यवस्था को कोसने लगता है। बॉस अक्सर ऐसा करता है। उसे लगता है अब उसमें बॉस जन्म ने लगा है। फोन में चिड़िया चहचहाती है। वह फड़फड़ाकर मैसेज देखता है। शुक्र है आज वह खुद ही खुद का बॉस है। तुरत रिप्लाई करता है-'फीलिंग लव्ड इन एसी-टू।' अभी रिंग टोन नही बदलनी है-वह खुद को कंफम करता है। उसे अदरक की चाय की तलब हो आती है। यह कोच कुछ ज्यादा ही औपचारिक है- वह सोचता है। थूकने तक को बाहर जाना पड़ता है। बाहर से चाय वाले की आवाज़ नहीं आ रही। आते-जाते स्टेशन का पता नही चल रहा। और खर्राटे! बाप रे! -उसे खुदबुदी होने लगती है। यह एसी तो ऐसी तैसी है। अचानक उसे चाय वाले की आवाज़ सुनाई देती है।' अदरक की चाय है क्या बाबू'- वह लपककर पूछता है। 'जी नहीं, डिप टी है'-जवाब आता है। इस कोच में तो साला चाय तक नकली-वह मन ही मन बुदबुदाता है। पर वह खुद भी आज असली कहां है-सहसा उसे याद आता है। वह आज नकली बॉस है। उसे एकाएक कोच नकली लोगों से ठुंसा-भरा सा लगने लगता है। अचानक रेल रुकती है। वह पर्दा खिसका कर देखता है। स्टेशन का नाम नज़र नहीं आता। कुछ दूरी पर बैठे व्यक्ति से पूछता है। वह अनसुना कर देता है। उस आदमी की गर्दन खास तरह से तनी है। तनी गर्दन वालों से सवाल नहीं किए जाते-उसे एक और नसीहत मिलती है। वह झोला उठाकर कोच से बाहर निकल आता है। बाहर काफी चहल पहल है। वह तेज कदमों से अदरक वाली चाय तलाशता है। वह जल्द से जल्द सामान्य जीवन में जाना चाहता है।

डॉ. अवनीश यादव
प्रान्तीय शिक्षा सेवा
संवर्ग, उ0प्र0

अचानक मोबाइल में चिड़िया चहचहाती है। 'उसका' मेसेज है- अपने कोच से ताज़ा सेल्फ़ी भेजो। वह तेज़ी से घूमता है। एसी कोच की ओर दौड़ता है। सिग्नल हो चुका है। ट्रेन धीरे-धीरे रेंगने लगी है। वह हांफते-हूंफते अपने कोच में चढ़ता है। वाशबेसिन में चेहरा देखता है। पसीना पोंछ कर बालों में पानी मारता है। अपनी सीट पर आकर चेहरे को अफसराना मोड देकर दनादन विभिन्न एंगल्स से कई सेल्फी लेता है। उनमें सबसे झन्नाटेदार फोटू लगाकर पोस्ट करता है-फीलिंग एक्साइटेड विद माधुरी दीक्षित एंड 78 अदर्स। सहसा उसे लगता है कोच में बैठे सब लोग जोर-जोर से हंस रहे हैं। वह फोन की रिंग टोन चेक करने लगता है।

समीक्षा

रुंधे कंठ से अभ्यर्थना

पुस्तक : रुंधे कंठ की अभ्यर्थना
लेखक : स्मिता सिन्हा
प्रकाशक : सेतु प्रकाशन, नोएडा
वर्ष : 2025
समीक्षक : राजगोपाल सिंह वर्मा

"रुंधे कंठ की अभ्यर्थना", यानी स्मिता सिन्हा की कविताओं में बोलता यथार्थ कविता जब अनुभव और अनुभूति से निकले तभी वह जीवंत होती है। चर्चित कवि और आलोचक अष्टभुजा शुक्ल ने भूमिका में उचित ही लिखा है कि "स्मिता सिन्हा की कविताएं यथार्थ का सामना करती हैं। वे किसी प्रकार की नॉस्टैल्जिया में नहीं डूबतीं।" यह कथ्य पूरे संग्रह पर सटीक है। स्मिता किसी कल्पना में नहीं, अपने समय की सच्चाई में जीती हैं। वे अपनी कविताओं में उस स्त्री का चित्र रचती हैं, जो दुख, स्मृति और असहजताओं के बावजूद स्वयं को अभिव्यक्त करना सीख गई है। उनकी कविता "नकाबपोश" समाज के दोहरेपन को उजागर करती है, जब वह व्यक्त करती है– "सब खेल रहे हैं, एक खेल ईमानदारी का,
मैं भी हूं, तुम भी हो, वो भी है,
हम सब हैं इस खेल में, नकाबपोश हैं हम"
मेरी दृष्टि में यह कविता व्यंग्य कम, आत्मचिंतन अधिक है। यह उस दिखावे पर भी प्रश्न है जिसमें सच्चाई भी एक अभिनय बन जाती है।
"एक नया वसंत" आशा का रूपक है। इसमें स्मिता लिखती हैं- "उड़हुल के पौधे पर अब, बमुश्किल चार पत्ते ही बचे हैं और एक परिंदा सांझ ढले रोज़ खेलता उन्हीं पत्तियों से आकर"
यह कविता आश्वस्त करती है कि थकान के बाद भी जीवन खिल सकता है। जब वे लिखती हैं "एक नया वसंत उस परिंदे की आंखों में उतरते हुए" तो पाठक को लगता है जैसे उदासी में भी उजाला जन्म लेता है। यह मौन में छिपे असहजपन और थकान की सटीक अभिव्यक्ति है। 'रुंधे कंठ की अभ्यर्थना' ऐसी कविताओं का दस्तावेज है, जिसमें आत्मस्वर, संवेदना और संघर्ष का संसार है, जिसमें प्रेम की कोमलता भी है और आत्मस्वीकृति का तेज भी। यह संग्रह हमें याद दिलाता है कि कविता अब भी हमें प्रभावित करती है। स्मिता सिन्हा की किताब हिन्दी कविता में एक ताजा स्वर की तरह आई है, जो संवेदना को सरल और सशक्त भाषा में व्यक्त करती है। स्मिता सिन्हा का जीवन उनके लेखन की तरह विविध और सृजनशील है। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के साथ ही भारतीय जनसंचार संस्थान से शिक्षा प्राप्त की है। वे अध्यापन, शोध और रचनात्मक लेखन से जुड़ी रही हैं।

व्यंग्य

गाली खाने की क्षमता का सोशल मीडिया पर उपयोग

दुनिया में यदि किसी के कुछ भी कहने सुनने का आपको बुरा नहीं लगता है। आपके ऊपर कोई फर्क नहीं पड़ता है। किसी के द्वारा आपको खूब भला-बुरा कहा जाना भी आपको परेशान नहीं करता है, तो यकीन मानिए आपके अंदर बहुत ही अद्भुत क्षमता है। यह मानकर चलिए की यह गुण सब में नहीं होता है। बहुत कुछ खास लोग होते हैं, जिन्हें इस नेमत से भगवान नवाजते हैं। अब आप इस गुण का कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं यह आपको सोचना चाहिए, क्योंकि इस दुनिया में बेकार कुछ भी नहीं होता है। हर चीज का अगर ढंग से इस्तेमाल की जाए, तो वह काम की चीज होती है। आप इसे दुर्गुण तो बिल्कुल मत मानिए। किसी के सुनाने के बावजूद शहंशाहों के जैसे मुस्कुराते रहना। यह जलालत, निर्लजता का काम नहीं है। यह तो आपकी बादशाहत का काम है, तो दुनिया आपको कुछ भी माने आप अपने आपको बादशाह मानिए।

रेखा शाह
बलिया

दुनिया में बड़े-बड़े बादशाह हुए, उनको भी जनता से आलोचना और गाली खानी पड़ी। या बात अलग है कि कोई उनके मुंह पर कहने की हिम्मत नहीं करता है। आप अपने आपको उससे दो कदम आगे मानिए कि आप अपने मुंह पर ही अपनी आलोचना सुनकर बर्दाश्त कर लेते हैं। इस हुनर का फायदेमंद रूप में इस्तेमाल सोशल मीडिया पर किया जा सकता है। जी हां सोशल मीडिया ही वह जगह है, जहां गाली खाने की क्षमता का भी भरपूर इस्तेमाल किया जा सकता है। वो भी बहुत सही तरीके से किया जा सकता है। यदि आप बनना चाहें, तो हजार पति, लखपति नहीं, बल्कि करोड़पति बना सकता हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, गाली सुनने की क्षमता भी आपको अमीर बन सकती है।

यदि आपके अंदर अपनी आलोचना, अपनी बुराई, गाली, चुपचाप सुनने का गुण हैं, तो आपको पैसा छापने से कोई रोक ही नहीं सकता है। लक्ष्मी जी को आपके द्वार आने में कोई बाधा ही नहीं रहेगी, क्योंकि लक्ष्मी जी का सवारी उल्लू है। अब उल्लू है, तो उल्लू जैसा ही काम करता है। अच्छा बुरा, ऊंच-नीच नहीं देखता है। कहीं भी चला जाता है। आजकल तो उन लोगों के पास भी चला जाता है, जिनके पास उसे नहीं जाना चाहिए। उल्लू को इससे नहीं मतलब है कि आप कैसे हैं, वह आपके पास भी चला ही आएगा। बस आप उसके आने की राह प्रशस्त कीजिए।

आप तो यह सोचिए कि आपके घर यह उल्लू आएगा कैसे? तो सबसे पहले सोशल मीडिया पर ऐसे-ऐसे पोस्ट लगाइए कि लोग आपको गालियां देने पर मजबूर हो जाएं। आपको खूब बुरा-भला बोले एक दूसरे से आपकी बुराई करें। आपको बुरा-भला कहने के लिए आपका नाम की पोस्ट लगा लगाकर आपको बुरे रूप में फेमस कर दे। पूरी दुनिया में वायरल कर दें। आपके नाम पर थूकने को मजबूर हो जाएं।

आपको एक कम्युनिटी वाले या धर्म या जाति वाले नहीं सारे धर्म-जाति वाले मिलकर गाली दें। ऐसी पोस्ट लगाइए कि हर कोई तिलमिला जाए और आपको भर-भर कर सुनाए। हर उम्र के लोग बिलबिला जाएं। फिर उसके बाद आप अपने कान बंद करके अपनी गाली सुनने की क्षमता का प्रताप देखिए।

आपको तो कोई असर पड़ना नहीं है, चाहे जितना भी बुरा बोले आप बोलने दीजिए। जैसे-जैसे वह आपके बारे में बुरा-भला बोलेंगे वैसे-वैसे आपकी पोस्ट का व्यूज ऊपर जाएगा, क्योंकि लोग अच्छी बातों से ज्यादा बुरी बातों पर तेजी से आकर्षित होते हैं। उदाहरण के लिए कहीं पर सत्संग करवाकर देख लीजिए दस लोग भी मुश्किल से जुट पाएंगे। वहीं पर आर्केस्टा करवा दीजिए बैठने को जगह कम पड़ जाएगी।

आप चाहें बुरे रूप में ही सही दुनियाभर में फेमस हो जाएंगे। आजकल राजनीति में भी फेमस लोग चाहे वह किसी भी रूप में हो, गाली खाने वाले लोगों की बड़ी पूंछ है, तो नेता, अभिनेता, पैसा सब कुछ आपके पीछे दौड़ने लगेगा। वैसे-वैसे धन आपकी झोली में गिरता जाएगा। एक नहीं हजारों रास्ते लक्ष्मी जी के आने के बन जाएंगे। आप सोशल मीडिया पोस्ट, बड़े-बड़े लोगों से पहचान, राजनीतिक पार्टी कहीं से भी आपके भाग्य के दरवाजे खुल सकते हैं। देश के बड़े-बड़े बुद्धिजीवी इसी बुद्धि के द्वारा शुरुआत में सफलता प्राप्त किए और आज कहां से कहां हैं। बहुत सारे लोग ऐसा करके करोड़पति बन गए। आप भी करोड़पति बनने के लाइन में लग जाइए बाकी आपके अंदर ईश्वर ने हुनर तो दिया ही है। चाहे कोई कुछ भी बोले बात को दिल से मत लगाइए। इस दुनिया में सभी लोग मेहनत की नहीं खाते हैं कुछ लोग गालियों की रोटी भी खाते हैं। आप गाली को ही अपना काम समझ लीजिए। आप गाली की ही रोटी खा रहे हैं। गाली की रोटी खाना आसान नहीं है, लेकिन यदि आप में हिम्मत है, तो आप इसकी भी रोटी खा सकते हैं।

शरीर की चमक बढ़ाने के लिए पारंपरिक उबटन

सर्दियों में शरीर की त्वचा गत्ते जैसी सूखी हो जाती है। ऐसे में विवाह-पूर्व उबटन सबसे प्रभावकारी उपाय है। पुराना नुस्खा जो आज भी कारगर है- पहले शरीर की तिल के तेल से मालिश करें। फिर चोकर, बेसन, दही, मलाई और हल्दी से बना उबटन लगाएं। आधा घंटा बाद रगड़कर हटाएं और नहाएं। यह मृत कोशिकाएं हटाता है और त्वचा को मुलायम, चिकनी और ग्लोइंग बनाता है। अन्य चमक बढ़ाने वाला मिश्रण- दाम पाउडर+दूध + चावल पाउडर + गुलाब की पंखुड़ियां। इसे लगाने से त्वचा रेशम जैसी मुलायम हो जाती है।

विंटर ब्राइड ब्यूटी गाइड
जानें ग्लोइंग स्किन का राज

सर्दियों का मौसम अपने भीतर अनोखी रूमानी मोहकता समेटे रहता है। यह वह समय है जब हवा में खुशबू, वातावरण में ताजगी और दिलों में गर्माहट एक साथ खिल उठती है। स्वाभाविक रूप से यह शादी-ब्याह का सबसे पसंदीदा मौसम माना जाता है, क्योंकि न ठंडी लगती है, न पसीना आता है और खुले आसमान के नीचे होने वाले समारोहों का सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है। धीमी धूप, रंग-बिरंगे परिधान, सुनहरी रोशनी और वातावरण की सुकूनभरी ठंड-यह सब मिलकर दुल्हन के रूप और श्रृंगार को एक जादुई स्पर्श देते हैं, लेकिन इस सुहावने मौसम की यही ठंड जब त्वचा से नमी खींच लेती है, तब दुल्हनों के लिए चुनौती बढ़ जाती है। त्वचा का रूखापन, होंठों का फटना, चेहरे का बेजान दिखना, तैलीय त्वचा में काले धब्बे, मेकअप का क्रैक होना-ये समस्याएं दुल्हन के ग्लो को फीका कर सकती हैं। यही कारण है कि सर्दियों की दुल्हन को मेकअप से कहीं ज्यादा एक सही स्किन-केयर और मॉइश्चराइजिंग रूटीन की आवश्यकता होती है। शादी के दिन दुल्हन का सुंदर दिखना केवल मेकअप का कमाल नहीं होता, बल्कि कई हफ्तों की नियमित देखभाल का परिणाम होता है। यदि शादी से पहले त्वचा को सही पोषण, आराम और सुरक्षा मिले, तो वह स्वाभाविक रूप से चमकदार और दमकती दिखाई देती है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

हाइड्रेशन ही चमक की असली चाबी

सभी प्रकार की त्वचा के लिए शहद और ऐलोवेरा जेल का मिश्रण बेहद प्रभावकारी है। इसे 20 मिनट लगाकर धोने से त्वचा को प्राकृतिक मॉइश्चर और ग्लो मिलता है। चेहरा साफ करने के बाद रोजाना ठंडे गुलाब जल से टोनिंग अवश्य करें। गुलाब जल त्वचा को शांत करने के साथ उसकी प्राकृतिक चमक को भी बढ़ाता है।

रात का पोषणः नाइट क्रीम

- सामान्य और शुष्क त्वचा को रात में पौष्टिक क्रीम से मसाज करना बेहद फायदेमंद होता है।
- चेहरा साफ करके हल्की मालिश करें और दो मिनट बाद गीले कॉटन से अतिरिक्त क्रीम पोंछ दें।

उपयुक्त फेस मास्क

- सामान्य व शुष्क त्वचा- 2 चम्मच चोकर, 1 चम्मच बादाम, दही, गुलाब जल। इसका मास्क हफ्ते में दो-तीन बार लगाएं।

आंखों और होठों की विशेष देखभाल

आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए उस पर क्रीम हल्के दबाव से लगाकर 15 मिनट बाद साफ कर दें। प्रतिदिन बादाम तेल से हल्की गोलाकार मालिश करने से डार्क सर्कल और फाइन लाइंस कम होते हैं।

होंठों की त्वचा में तेलीय ग्रंथियां लगभग नहीं होतीं। इसलिए वे जल्दी फट जाती हैं रात में बादाम तेल या बादाम क्रीम लगाकर छोड़ देने से होंठ गुलाबी और मुलायम बने रहते हैं।

रोजाना का स्किन-केयर रूटीन

सर्दियों में सामान्य त्वचा ही नहीं, तैलीय त्वचा भी शुष्क होने लगती है। इसलिए दिन में दो बार त्वचा की सफाई अनिवार्य है। रात को सोने से पहले चेहरा साफ करना सबसे ज्यादा जरूरी है, क्योंकि दिनभर की धूल, प्रदूषण और मेकअप त्वचा पर जमकर रोमछिद्र बंद कर देते हैं।

- **सामान्य और शुष्क त्वचा**- क्लींजिंग क्रीम या क्लींजिंग जैल उपयोग करें। एक घरेलू विकल्प भी अपनाया जा सकता है। आधा कप ठंडे पानी में तिल, सूरजमुखी या जैतून के तेल की पांच बूंदें मिलाकर बोतल में स्टोर करें। कॉटन से चेहरे को साफ करें और बचा हुआ मिश्रण फ्रिज में रख दें।
- **तैलीय त्वचा**- हल्का क्लींजिंग लोशन या फेशवॉश उपयुक्त है। रोमछिद्र गहरे होते हैं, इसलिए उन्हें साफ रखने के लिए चावल के पाउडर में दही मिलाकर स्क्रब सप्ताह में एक-दो बार अवश्य लगाएं। इससे ब्लैकहेड्स और पिग्मेंटेशन कम होते हैं।

तैलीय और रूखी त्वचा

- सर्दियों में तैलीय त्वचा भी रूखी होकर क्रीम लगाने पर मुंहासे निकाल सकती है। इसे रोकने के लिए-
- गुलाब जल-ग्लिसरीन लोशन, 1 चम्मच ग्लिसरीन, 100 मिलीलीटर गुलाब जल, बोतल में मिलाकर फ्रिज में रखें। यह लोशन रोज रात को लगाने से त्वचा मुलायम रहती है और मुंहासे भी नहीं निकलते।

सर्दियों में कौन-सा मेकअप है सबसे बेहतर

सर्दियों का मौसम शादी-ब्याह का सबसे पसंदीदा समय माना जाता है। ठंडी हवाओं, सुहावने वातावरण और गर्म चटख रंगों की खूबसूरती के बीच दुल्हन को सबसे आकर्षक दिखना होता है। ऐसे में सही मेकअप चुनना बेहद जरूरी है, ताकि पूरे दिन ताजगी और ग्लो बरकरार रहे। आइए जानते हैं सर्दियों की दुल्हनों के लिए कौन-सा मेकअप सबसे उपयुक्त रहता है।

एचडी मेकअप

हाई-डेफिनिशन यानी एचडी मेकअप एक ऐसी तकनीक है, जो चेहरे की सूक्ष्म रेखाओं और झुर्रियों को आसानी से छिपा देती है। यह मेकअप भारी नहीं लगता और चेहरे पर केकी प्रभाव नहीं बनाता। एचडी मेकअप दुल्हनों को नैचुरल, स्मूद और कैमरा-फ्रेंडली लुक देता है। यह लंबे समय तक टिकता है और पूरे दिन फोटोशूट में भी बेदाग दिखता है। हल्का और प्राकृतिक मेकअप चाहने वाली दुल्हनों के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है।

एयरब्रश मेकअप

सर्दियों में एयरब्रश मेकअप बेहद लोकप्रिय है। पारंपरिक ब्रश की जगह एयरब्रश मशीन से महीन स्प्रे की तरह मेकअप लगाया जाता है, जिससे एक समान, मुलायम और स्मूद लेयर बनती है। यह मेकअप दाग-धब्बों को आसानी से कवर कर देता है और त्वचा पर किसी तरह की लाइंस नहीं बनतीं। इसकी सबसे बड़ी खूबी है- 12 घंटे तक टिकाऊ और फ्रेश लुक। संवेदनशील त्वचा के लिए भी सुरक्षित माना जाता है।

मैट मेकअप लुक

मैट मेकअप हर मौसम, खासकर सर्दियों में बेहद अच्छा लुक देता है। यह त्वचा के अतिरिक्त तेल को सोखकर चेहरे को मखमली, साफ और शाइनी-फ्री लुक प्रदान करता है। इसमें बोल्ड और चटख रंगों का इस्तेमाल संभव होता है, जिससे दुल्हन का मेकअप ग्लैमरस भी दिखता है और क्लासी भी। प्राकृतिक से लेकर बोल्ड दोनों तरह के ब्राइडल लुक के लिए मैट मेकअप परफेक्ट है।

मिनरल मेकअप लुक

यदि दुल्हन की त्वचा संवेदनशील है, तो मिनरल मेकअप सबसे सुरक्षित विकल्प है। इसमें केमिकल-मुक्त, हल्के और त्वचा-अनुकूल उत्पादों का इस्तेमाल किया जाता है। यह त्वचा पर आसानी से ब्लेंड हो जाता है और मुहांसों या परिपक्व त्वचा पर भी बेहतरीन फिनिश देता है। मिनरल मेकअप चेहरे को ताजगी, सुरक्षा और नैचुरल ग्लो प्रदान करता है।

नैचुरल मिनिमल मेकअप

जिन्हें ओवरड्रामेटिक मेकअप पसंद नहीं, उनके लिए यह बेहतरीन विकल्प है। हल्के बेस, सॉफ्ट टोन और सूक्ष्म हाईलाइटिंग के साथ यह मेकअप चेहरे की नैचुरल सुंदरता को उभारता है। दुल्हन को एक ताजा, दमकती और बेहद क्लासी लुक देता है।

सनस्क्रीन की न करें अनदेखी

सर्दियों में भी सूरज की किरणें उतनी ही प्रभावशाली होती हैं। घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन अवश्य लगाएं। अगर आपकी त्वचा बहुत शुष्क है, तो क्रीम आधारित सनस्क्रीन उपयुक्त रहेगा।

स्क्रीन की चमक, बचपन का अंधेरा
साइबर बुलिंग और मोबाइल एडिक्शन

आज के समय में माता-पिता अपने बच्चों को खुशी देने के लिए बड़े से बड़ा समझौता करने को भी तैयार हैं। धनाढ्य वर्ग की बात तो छोड़िए। मध्य और निम्न वर्ग के लोग भी अपनी हैसियत के हिसाब से अपने बच्चों को सुख-सुविधा देने के पक्षधर हैं। बच्चों की पढ़ाई को लेकर आज माता-पिता अधिक जागरूक हुए हैं। बेटे-बेटी दोनों को समान रूप से पढ़ाने के पक्षधर रहे हैं। बच्चा स्कूल जाता है, तो माता-पिता को यह सोचकर प्रसन्नता होती है कि उनका बच्चा शारीरिक और मानसिक विकास कर रहा है। प्रतिदिन कुछ न कुछ नया सीख रहा है, लेकिन आज के समय में बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के बीच में विलेन की भूमिका निभाते हुआ मोबाइल फोन आ गया है।

अमृता पांडे
लेखिका, हल्द्वानी

मोबाइल का बच्चों की दुनिया में अनिवार्य रूप से आगमन तब हुआ, जब कोविड महामारी के दौरान स्कूल कॉलेज बंद हो गए थे और ऑनलाइन पढ़ाई होने लगी थी। इस दौरान, जिनके पास मोबाइल नहीं थे, उन माता-पिता ने भी कहीं न कहीं से इसका इंतजाम किया ताकि उनके बच्चे ऑनलाइन क्लास में शामिल हो सकें। इस छोटे से यंत्र में वह नशा है, जो बड़े-बड़ों को ले डूबता है। फिर बच्चों की क्या बिसात। वे इसके फायदे और नुकसानों का आकलन सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

एक बार जब मोबाइल हाथ में आया तो फिर इसका नशा सा छा गया और इसे अपने से दूर कर पाना बहुत मुश्किल लगने लगा। एक समय था, जब जन्मदिन के अवसर पर हम माता-पिता से छोटे-छोटे खिलौनों के उपहार की उम्मीद करते थे, पर आज किसी भी बच्चे से पूछिए तो उसे आधुनिक फीचर्स वाला बढ़िया मोबाइल चाहेगा।

व्यस्तता का बढ़ना और बच्चों का अकेलापन

माता-पिता भी बच्चे का यह शौक पूरा कर रहे हैं। आज छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल चलाने में एक्सपर्ट हैं और माता-पिता बहुत ही गर्वानुभूति के साथ दूसरों को यह बात बताते हैं। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल फोन में वीडियो देखते हुए खाना खाते हैं और लोरी सुनकर सोते हैं। माता-पिता और दादी-नानी की भूमिका खत्म सी हो गई है। वर्तमान समय में माता-पिता की व्यस्तता और बच्चों की आजादी भी बढ़ी है।

आज पुराने समय की तरह न तो बच्चे हर समय निगरानी में रहते हैं और न ही माता-पिता फुर्सत में। महिलाएं घर-बाहर दोनों की जिम्मेदारियां निभा रही हैं, जो नौकरी नहीं करतीं, वह भी किसी न किसी सामाजिक गतिविधि में शामिल होने के बहाने घर से बाहर निकलना चाहती हैं। परिणाम स्वरूप बच्चों को अकेले रहने का मौका अधिक मिलता है। ऐसे में उनके व्यवहार में परिवर्तन आ रहा है, जिससे उनकी परफॉर्मेंस में भी असर पड़ रहा है और यह बात माता-पिता को तब समझ में आती है, जब पानी सिर के ऊपर से गुजर चुका होता है। कई बार बच्चा दबंग वाली छवि अपना लेता है और दूसरे बच्चों से मारपीट करता है, तो कई बार वह डरा सहमा रहता है। हम बच्चे के शारीरिक स्वास्थ्य पर तो थोड़ा बहुत ध्यान फिर भी देते हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पर हमारे यहां ध्यान बहुत कम दिया जाता है और यहां तक कि मानसिक बीमारी को बीमारी ही नहीं माना जाता। कई बच्चे तनाव और अवसाद के शिकार हो जाते हैं।

साइबर बुलिंग एक खतरनाक टर्म

इस संदर्भ में साइबर बुलिंग एक खतरनाक टर्म है। डब्ल्यू.एच.ओ. ने भारत सहित लगभग 45 देशों के स्कूली बच्चों के व्यवहार पर एक शोध किया है, जिसके अनुसार आज अधिकांश बच्चे सोशल मीडिया में 6-7 घंटे बिताते हैं, जो इनके जीवन के लिए खतरा उत्पन्न करता है। ऐसे बच्चे खुद को परिवार और समाज से दूर रखने की कोशिश करते हैं। अकेले में समय बिताना अधिक पसंद करते हैं। आज ऑनलाइन गेम का नशा सिर चढ़कर बोल रहा है। अश्लील रील्स और शॉर्ट्स की भरमार है। ब्लू व्हेल चैलेंज, फायर चैलेंज, पास आउट चेलैंज जैसे कई गेम खेलने के दौरान बच्चों ने खुद को नुकसान पहुंचाया है और अपनी अंतरंग तस्वीरें भी शेयर की हैं। जब तक माता-पिता तो खबर पहुंचती है, बच्चा इस दलदल में फंस चुका होता है।

साइबर अपराध और कानूनी कार्रवाई

साइबर क्राइम को लेकर शिकायत करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी है और साथ-साथ स्थानीय थाने के क्राइम ब्रांच ऑफिस में भी शिकायत की जा सकती है। साइबर अपराधों पर धारा 66 ए, बी लागू होती है, जिसके तहत 3 साल की जेल की सजा और जुर्माना भी वसूला जाता है। समय-समय पर पुलिस की क्राइम ब्रांच द्वारा साइबर खतरों को लेकर सचेत किया जाता है, पर बच्चों को सदमे से बाहर निकल पाना बहुत मुश्किल हो जाता है।

माता-पिता की भूमिका

- स्क्रीन टाइम कम करें
- बच्चों के साथ अधिक समय बिताएं
- मोबाइल उपयोग के नियम तय करें
- खुद भी डिजिटल अनुशासन अपनाएं
- छुट्टियों में इंडोर एक्टिविटीज उपलब्ध कराएं
- बच्चों को छोटे घरेलू कार्यों में शामिल करें
- लंबे समय तक हेडफोन उपयोग से श्रवण क्षमता कमजोर होती है, आंखों पर भारी चश्मे लग रहे हैं, टिनिटस और मायोपिया बढ़ रहे हैं। ये सब समय रहते रोकना जरूरी है।

किशमिश की चटनी

खाना खजाना

मनीष कुमार सोलंकी
फूड ब्लॉगर

भारतीय रसोई की पहचान उसकी अनगिनत चटनियों से होती है। कभी हरी धनिया की ताजगी, कभी इमली की खटास, तो कभी लहसुन की तीखी सुगंध, लेकिन क्या आपने चटनियों की इस लंबी फेहरिस्त में कभी किशमिश की चटनी का नाम सुना है? अगर नहीं, तो यकीन मानिए, यह वह स्वाद है, जिसे चखने के बाद आप अपनी पारंपरिक चटनियों को कुछ समय के लिए भूल ही जाएंगे।

किशमिश की चटनी अपने आप में एक अनोखा मेल है। मीठास के साथ हल्की खटास, और मसालों की ऐसी खुशबू, जो भोजन को एकदम नया रूप दे देती है। इसका स्वाद इतना दिलकश होता है कि खाने की मेज पर यह सिर्फ एक 'साइड आइटम' नहीं रहती, बल्कि पूरे भोजन को खास बना देती है। दो रोटियों की जगह चार रोटियां खाने का मन कर जाए, यह कोई अतिशियोक्ति नहीं है, बल्कि इस चटनी की असली पहचान है। चाहे आप इसे पराठों के साथ परोसें, दाल-चावल में ट्विस्ट दें या त्योहारों के खास पकवानों के साथ परोसें-किशमिश की चटनी हर व्यंजन को यादगार बना देती है। आइए आपको बताते हैं किशमिश की चटपटी और लाजवाब चटनी कैसे बनाएं।

सामग्री

- किशमिश-आधा कप, दो घंटे पानी में भीगी हुई
- ब्रेड स्लाइस - 2
- हरा धनिया-आधा कप
- पुदीना -आधा कप
- अदरक -एक इंच का टुकड़ा
- हरी मिर्च - 4 से 5
- सौंफ -एक टी स्पून
- कच्ची केरी -एक चौथाई कप
- लहसुन -5 कलियां
- नमक -स्वादानुसार

बनाने की विधि

सबसे पहले आप किशमिश की तीखी चटनी बनाने के लिए भीगी हुई किशमिश का सारा पानी निकालकर मिक्सर जार में डाल दें। साथ ही अदरक-लहसुन, हरा धनिया, पुदीना, सौंफ, कच्ची केरी, स्वादानुसार नमक और ब्रेड के चारो किनारों को काटकर निकाल दें और सफेद वाले भाग को जार में डाल दें। थोड़ा सा पानी डालकर इसकी बारीक चटनी पीस लें। हमारी चटपटी व मजेदार चटनी पीसकर तैयार है। आप इसे किसी भी स्टार्टर, स्नैक्स, रोटी, पूरी या पराठे के साथ मजे लेकर खा सकते है।

ये सभी चीजों के साथ बहुत अच्छी लगती है। एक बार आप इस चटनी को घर पर जरूर बनाएं ये आपको बहुत पसंद आएगी।

जू. हाईस्कूलों में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कल से ऑनलाइन आवेदन 253 प्रधानाध्यापक और 1262 सहायक अध्यापकों की होगी भर्ती

अमृत विचार : अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों में 253 प्रधानाध्यापक और 1262 सहायक अध्यापकों की लंबित भर्ती प्रक्रिया अब शुरू होने जा रही है। वर्ष 2021 में आयोजित परीक्षा और 6 सितंबर 2022 को जारी संशोधित परिणाम के बाद चयनित अभ्यर्थी लंबे समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे थे। अब बेसिक शिक्षा विभाग ने आवेदन प्रक्रिया का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है।

बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल के अनुसार, 24 नवंबर से 14 दिसंबर तक पात्र अभ्यर्थी वेबसाइट jhsaidedposting .upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के बाद 23 दिसंबर को एनआईसी चयन सूची जारी करेगा। चयन सूची में शामिल अभ्यर्थियों से 24 से 30 दिसंबर तक विद्यालय विकल्प लिए जाएंगे। चयन और विद्यालय आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 10 जनवरी 2026 को सूची जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भेजी जाएगी। इसके बाद 11 से 15 जनवरी तक बीएसए कार्यालयों में अभ्यर्थियों के अभिलेखों का परीक्षण किया जाएगा। परीक्षण पूरा होने पर 20 जनवरी 2026 तक संस्थागत प्रबंधन को नियुक्ति पत्र जारी करने के निर्देश भेजे जाएंगे। नियुक्ति प्राधिकारी 30 जनवरी 2026 को नियुक्ति पत्र जारी करेंगे। चयनित अभ्यर्थियों को 15 फरवरी 2026 तक अपने आवंटित विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण करना होगा। कार्यभार ग्रहण करने के बाद एक माह के भीतर सभी अभिलेखों का सत्यापन पूर्ण किया जाएगा।

बेसिक शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदन केवल उन्हीं अभ्यर्थियों के लिए मान्य होंगे, जिन्होंने 2021 की संशोधित परीक्षा में सफलता हासिल की है। विभाग ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर विस्तृत सूचना प्रकाशित करने के निर्देश भी दिए हैं।

संयुक्त निदेशक सहित चार अधिकारी किए गए निलंबित

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अफसरों पर हुई कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विदेश में रहते हुए आजमगढ़ में मदरसा शिक्षक को वेतन-पेंशन देने के मामले में होगी वसूली

अमृत विचार : आजमगढ़ में मदरसा शिक्षक को विदेश में रहते हुए भी अनियमित वेतन, पेंशन और अन्य देयक दिए जाने का मामला सामने आने के बाद योगी सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक सहित चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। सभी पर शासकीय धन की हानि पहुंचाने, दस्तावेजों में अनियमितता और पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोप हैं।

मामला दारूल उलूम अहिले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उजूम, आजमगढ़ का है, जहां के पूर्व शिक्षक शमशुल हुदा खान ने दिसंबर 2013 में भारतीय नागरिकता छोड़कर ब्रिटेन की नागरिकता ले ली थी। इसके बावजूद वह विभागीय अधिकारियों और मदरसा प्रबंधन की मिलीभगत से 31 जुलाई 2017 तक वेतन और अन्य देयक लेता रहा। जांच में यह भी सामने आया कि उसे चिकित्सा अवकाश भी अनियमित रूप से स्वीकृत किए गए। एडीएम प्रशासन आजमगढ़ ने वर्ष 2022 में शमशुल खान के खिलाफ 16.59 लाख रुपये रिकवरी का आदेश जारी किया था। खान ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने रिकवरी आदेश निरस्त करते हुए अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को तीन सदस्यीय जांच समिति गठित करने का निर्देश दिया। समिति में अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक और मंडलीय उप निदेशक (अल्पसंख्यक कल्याण) शामिल थे। समिति की रिपोर्ट में सामने आया कि शमशुल खान नौकरी के दौरान ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, श्रीलंका, खाड़ी देशों और कई बार पाकिस्तान भी गया था। यात्राओं की प्रकृति संदिग्ध पाए जाने पर समिति ने उच्च स्तरीय जांच एजेंसी से पड़ताल कराने की सिफारिश की। एटीएस वाराणसी इकाई भी उसकी विदेश यात्राओं की पड़ताल कर चुकी है।

समिति ने शमशुल को दिए गए अनियमित भुगतान की पूरी रिकवरी और इसमें संलिप्त अधिकारियों पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की है। शासन ने निलंबन आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि सरकारी धन के दुरुपयोग और अवैध लाभ की किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बरेली में तैनात लालमन भी निलंबित

मामले में शासन ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक शेष नाथ पांडेय, तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक अधिकारी आजमगढ़ (अब गाजियाबाद में तैनात) साहित्य निकष सिंह, तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आजमगढ़ (अब अमेठी में तैनात) प्रभात कुमार तथा तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आजमगढ़ (अब बरेली में तैनात) लालमन को निलंबित किया है।

न्यूज ब्रीफ

एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को एक करोड़ लखपति दीदी के लक्ष्य के लिए ठोस व प्रभावी रणनीति बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नये समूहों के गठन का कार्य युद्ध स्तर पर कराया जाए। जो समूह सक्रिय नहीं है, उन्हें सक्रिय किया जाए। जिन समूहों को रिवाल्विंग फंड नहीं दिया गया है, उन्हें तत्काल दिलाया जाए। 31 दिसंबर तक रिवाल्विंग फंड हर हाल में चला जाए। उपमुख्यमंत्री ने शनिवार को ग्राम्य विकास विभाग की बैठक में कहा कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिला मिशन प्रबंधकों व ब्लाक मिशन प्रबंधकों की एक कार्यशाला आयोजित की जाए। समूहों के गठन के लिए लक्ष्य निर्धारित किया जाए। लक्ष्य हासिल न करने वालों का मानदेय रोका जाए।

किसानों को अनुदानित दरों पर मिल रहा बीज

अमृत विचार, लखनऊ : बीज विक्रय केंद्रों पर बुवाई के लिए बीज न मिलने की शिकायतों को खारिज करते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज अनुदानित दरों पर उपलब्ध करा रही है, ताकि गेहूं, चना, मसूर, मटर और सरसों जैसी प्रमुख फसलों की पैदावार बढ़ाई जा सके। अन्नदाताओं से अपील करते हुए सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसान 30 नवंबर से पहले अपने नजदीकी बीज बिक्री केंद्रों से अनुदानित दरों पर प्रमाणित बीज प्राप्त कर बुवाई का कार्य पूरा करें। कृषि मंत्री शाही ने शनिवार को बीज उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा बैठक की।

दिव्यांगों को मिलें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्व आईएएस एवं मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि दिव्यांगजनों की स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक आधारित, सुदृढ़ और अधिक सुलभ बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम समाज में अधिकार आधारित न्याय सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण साधन है, इसलिए इसकी प्रक्रियाएं पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल हों। मुख्यमंत्री सलाहकार, शनिवार को राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय में आयोजित संवेदीकरण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 की धारा 25 के अंतर्गत स्वास्थ्य देख-रेख एवं सर्टिफिकेशन विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को दिव्यांगता मूल्यांकन, प्रमाणन और स्वास्थ्य सेवाओं के अद्यतन मानकों से अवगत कराना था। राज्य आयुक्त प्रो. हिमांशु शेखर झा ने दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड निर्गमन प्रक्रियाओं को सरल, समयबद्ध और पूर्णत: ई-गवर्नेन्स आधारित बनाने के निर्देश दिए।

दिव्य और भव्य होगा संगम का माघ मेला

मुख्यमंत्री योगी ने प्रयागराज में की समीक्षा, आ सकते 15 करोड़ श्रद्धालु, 800 हेक्टेयर में विस्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- महाकुंभ जैसी व्यवस्था हर श्रद्धालु की होगी सुरक्षित व सुगम यात्रा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में संगम क्षेत्र का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने मां गंगा एवं बड़े हनुमान जी का पूजन करने के बाद कहा कि माघ मेला दिव्य-भव्य संगम का नया अध्याय बनेगा। मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना के मद्देनजर पहली बार सात सेक्टर में 800 हेक्टेयर विस्तार करके महाकुंभ की तर्ज पर सभी सुविधाएं और सुरक्षा रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में मिले अनुभव और महाकुंभ के सफल आयोजन के आधार पर इस बार व्यवस्थाओं को और अधिक सुचारु, सुरक्षित और हाईटेक बनाया जा रहा है। पौष पूर्णिमा (3 जनवरी) से शुरू हो रहे मेले में मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि जैसे प्रमुख स्नानों पर भारी भीड़ के आने की संभावना है। सरकार ने अनुमान लगाया है कि इस डेढ़ महीने में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर सकते हैं। केवल कल्पवासी ही लगभग 20-25 लाख प्रतिदिन के हिसाब से पूरे महीने रहेंगे। पावर कॉरपोरेशन द्वारा 47 किमी एसटी और 360 किमी एलटी लाइन बिछाने के साथ 25 अस्थायी सबस्टेशन तैयार किए जा रहे हैं, ताकि किसी भी तरह के अतिरिक्त लोड को व्यवस्थित किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग 20-20 बेड के दो अस्पताल, 12 पीएचसी, 5 आयुर्वेदिक, 5 होम्योपैथिक केंद्र और 50 एम्बुलेंस सेवा में लगाएगा।

योगी ने बताया कि नगर विकास विभाग 25,000 शौचालय, 8,000 डस्टबिन, 10 लाख लाइनर बैग और 3,000 सफाईकर्मियों की तैनाती कर रहा है। 42 स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था होगी।

प्रयागराज में संगम क्षेत्र का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में मंत्री नंदगोपाल नंदी।

संगम पर पक्षियों को दाना खिलाते योगी आदित्यनाथ।

आवागमन को 160 किमी चेकर्ड प्लेट, 7 पॉन्टून पुल

योगी ने बताया कि पीडब्ल्यूडी 160 किमी क्षेत्र में चेकर्ड प्लेट बिछा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी मौसम में आसानी से आवाजाही मिल सके। साथ ही 7 पॉन्टून पुल बनाए जाएंगे। मेला आने-जाने के लिए इस बार 3,800 बसें चलाई जाएंगी, जिनमें 3,000 परिवहन निगम की होंगी। शहर और मेला क्षेत्र के बीच आवागमन के लिए 75 इलेक्ट्रिक शटल बसें और 200 रिजर्व बसें तैयार रहेंगी।

सुरक्षा को 400 एआई कैमरे 17 थाने व 42 चौकियां

मुख्यमंत्री ने बताया कि मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारी की गई है। 17 अस्थायी थाने, 42 पुलिस चौकियां, 20 फायर टेंडर और 7 अग्निशमन चौकियां, जल पुलिस के 6 यूनिट, 8 किमी डीप वॉटर बैरिकेडिंग और भीड़ प्रबंधन के लिए 400 हाईटेक कैमरों से एआई आधारित डेंसिटी एनालिसिस और इन्सिडेंट मॉनिटरिंग की जाएगी।

त्रिवेणी आरती और बड़े हनुमान मंदिर में किया पूजन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज में सबसे पहले रामबाग स्थित विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी के आवास पहुंचे और वहां श्रीविजय प्रद हनुमान जी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की। इसके बाद वे संगम नोज पहुंचे, जहां मां गंगा का पूजन, त्रिवेणी आरती और पक्षियों को दाना खिलाया। मुख्यमंत्री ने बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन-पूजन कर आरती उतारी। उनके साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गंगा-यमुना में नहीं गिरेगा सीवर का पानी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई विभाग मेले के दौरान प्रतिदिन 10,000 क्यूसेक शुद्ध जल उपलब्ध कराएगा, जबकि अभी संगम में 19-20 हजार क्यूसेक जल उपलब्ध है। नमामि गंगे को जल की शुद्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। उत्तर प्रदेश जल निगम 242 किमी पेयजल पाइपलाइन और 85 किमी सीवर लाइन बिछा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार का जल प्रदूषण न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहली बार है, जब मेले के लिए इतनी बड़ी स्वच्छता और सीवर प्रबंधन प्रणाली बनाई जा रही है।

एसआईआर की नियमित मॉनिटरिंग हो : रिणवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा

- सभी मंडलायुक्तों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और नगर आयुक्तों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश
- 4 दिसंबर तक हर मतदाता से गणना प्रपत्र भरने की अपील

अमृत विचार : राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सभी मंडलायुक्तों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और नगर आयुक्तों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बीएलओ को पूर्ण प्रशिक्षण और प्रोत्साहन के साथ काम में लगाया जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एसआईआर अभियान की समीक्षा कर रहे थे, उन्होंने सभी मंडल और जिला स्तर के अधिकारियों को एसआईआर की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। कहा कि जिला संपर्क केंद्रों (डीसीसी) में तैनात कर्मचारी पूरी तरह प्रशिक्षित हों तथा इन केंद्रों में पर्याप्त टेलीफोन लाइनें उपलब्ध रहें, जिससे मतदाताओं की कॉल और जिज्ञासाओं का त्वरित समाधान किया जा सके। शहरी क्षेत्रों के नगरीय निकाय कार्यालयों में हेल्प डेस्क स्थापित करने और मतदाताओं की सुविधा के लिए शिविर लगाने के भी निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि सभी मतदाताओं को 4 दिसंबर तक गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को सौंपना अनिवार्य है, ताकि 9 दिसंबर को मतदाता सूची के आलेख्य प्रकाशन में किसी भी मतदाता का नाम न छूटे। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से प्रपत्र भरने के प्रति भी लोगों को जागरूक करने और सोशल मीडिया, प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में व्यापक प्रसार के निर्देश दिए।

टू व्हीलर की बिक्री में प्रदेश ने बनाया कीर्तिमान

अमृत विचार, लखनऊ : सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 46 लाख नए टू-व्हीलर पंजीकृत हुए, जो देश के कुल टू-व्हीलर बाजार का लगभग 14-15 प्रतिशत हिस्सा है। इससे यूपी देश का सबसे बड़ा टू-व्हीलर बाजार बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में टू-व्हीलर खरीद की वार्षिक वृद्धि दर 17% दर्ज की गई है। प्रदेश में पहली बार वाहन खरीदने वालों में से लगभग 60% युवा हैं। 2024-25 में 1.5 लाख ई-टू-व्हीलर बिके, जो देश में सर्वाधिक है।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के जन्मदिवस पर पार्टी मुख्यालय में श्रद्धांजलि देते पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, साथ में अन्य।

पीडीए मतदाताओं के वोट काटने की साजिश : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की ओर से कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं, आरोप लगाया कि बीएलओ किसी मतदाता के घर नहीं जा रहे हैं, प्रधान या अन्य प्रभावशाली व्यक्ति के यहां बैठ जाते हैं। मनमाफिक मतदाताओं को शामिल कर रहे हैं, पीडीए समाज के मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से हटाने की तैयारी कर रहे हैं। सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी की जिन विधानसभा सीटों पर सपा और इंडिया गठबंधन जीता है, वहां भाजपा बड़े पैमाने पर वोट कटवाने की साजिश कर रही है।

एनसीआर में डीजल ऑटो रिक्शा पर पाबंदी

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में वायु प्रदूषण पर सख्त एक्शन प्लान तैयार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रमुख सचिव बने नोडल अधिकारी बनाई गई निगरानी इकाई

अमृत विचार : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के यूपी वाले हिस्से में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए योगी सरकार ने व्यापक, सख्त और बहुस्तरीय एक्शन प्लान तैयार किया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में बनी उच्च स्तरीय समिति ने सड़क की धूल को प्रदूषण का मुख्य कारण मानते हुए सड़क पुनर्विकास, धूल नियंत्रण और सफाई को शीर्ष प्राथमिकता में रखा है।

प्रदेश सरकार ने कार्रवाई को प्रभावी बनाने के लिए पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख सचिव को नोडल अधिकारी नामित किया है। इसके साथ ही राज्य स्तर पर परियोजना निगरानी इकाई (पीएमयू) बनाई गई है, जिसकी अध्यक्षता विभाग के सचिव करेंगे। इस इकाई में शहरी विकास, लोक निर्माण, आवास व शहरी नियोजन, और औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, ताकि विभिन्न एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय हो सके और कार्रवाई में तेजी आए।

प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर कड़ा रुख अपनाते हुए सरकार ने डीजल ऑटो रिक्शा पर चरणबद्ध रोक लगाने का निर्णय लिया है। गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में डीजल ऑटो का संचालन पूरी तरह बंद किया जाएगा। बागपत में 31 दिसंबर 2025 तक डीजल ऑटो पूरी तरह बंद कर दिए जाएंगे। मेरठ क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण ने प्रतिबंधित वाहनों के नए परमिट और परमिट नवीनीकरण पर रोक लगा दी है। 31 दिसंबर 2026 तक मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर और शामली में ऑटो रिक्शा संचालन को चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाएगा। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने स्पष्ट कहा है कि सभी विभागों को समन्वित कार्रवाई, साप्ताहिक समीक्षा, और फील्ड रिपोर्टिंग के साथ कार्य करना होगा।

धूल कम करने के लिए एंटी स्मॉग गन और स्प्रिंकलर

नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को सड़क की धूल कम करने के लिए एंटी-स्मॉग गन, स्प्रिंकलर, यांत्रिक सफाई मशीनें और धूल नियंत्रण से जुड़ी अन्य तकनीकें बड़े पैमाने पर लगाने का निर्देश दिया गया है। यह पहल उन नगरों में बेहद अहम मानी जा रही है जहां निर्माण गतिविधियों और वाहनों के दबाव के कारण वायु गुणवत्ता तेजी से बिगड़ती है। सरकार के इस कदम से लाखों लोगों को प्रदूषण से राहत मिलने की उम्मीद है।

योजना इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई प्रस्ताव पेश, दुधवा और कतर्नियाघाट में मिलेगा अनोखा अनुभव

बोट सफारी की क्षमता होगी दोगुनी, मेन्यू में थारू-थाली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : इको टूरिज्म विकास बोर्ड की बैठक में प्रदेश को इको-टूरिज्म का बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किए गए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, कतर्नियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य और तराई क्षेत्र को संस्कृति, प्रकृति और साहसिक पर्यटन का प्रमुख गंतव्य बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। थारू जनजाति की सांस्कृतिक पहचान, स्थानीय खानपान, हस्तशिल्प और वन्यजीव अनुभवों को राज्य के नए पर्यटन मॉडल की धुरी बनाया जा रहा है।

कतर्नियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य में गेरुआ नदी पर चलने वाली बोट सफारी को पर्यटक काफी पसंद कर रहे हैं। वर्तमान में यहां दो बोट संचालित होती हैं, लेकिन पर्यटकों की बढ़ती मांग को देखते हुए बोर्ड ने दो अतिरिक्त बोट शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। इससे सफारी की क्षमता दोगुनी हो जाएगी। बोर्ड ने सुझाव दिया कि नई बोटों में पर्यावरण-अनुकूल तकनीक का इस्तेमाल हो, ताकि नदी तट की पारिस्थितिकी पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

दुधवा और कतर्नियाघाट के तराई क्षेत्रों में रहने वाली थारू जनजाति की संस्कृति को पर्यटन से सीधे जोड़ने के लिए बोर्ड ने 'अनुभव-थारू संस्कृति' योजना का प्रस्ताव किया है। इस योजना का उद्देश्य पर्यटकों को थारू समुदाय की जीवनशैली, परंपराओं, लोकनृत्य, हस्तशिल्प और खानपान का प्राकृतिक और अनूठा अनुभव देना है। इसी क्रम में 'थारू थाली' को भी विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस पारंपरिक भोजन में स्थानीय अनाज, जड़ी-बूटी और प्राकृतिक मसालों से तैयार व्यंजन शामिल होंगे। होटलों और रिसॉर्ट संचालकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने मेन्यू में थारू थाली को शामिल करें। साथ ही महिलाओं और युवाओं के लिए खानपान व आतिथ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की योजना है, जिससे थारू समुदाय के लिए रोजगार और आय के नए अवसर पैदा होंगे।

चंदन चौकी शिल्पग्राम का पुनर्विकास

बैठक में प्रस्तुत एक अन्य प्रस्ताव में दुधवा क्षेत्र स्थित चंदन चौकी शिल्पग्राम के पुनर्विकास पर जोर दिया गया है। जनजातीय विकास विभाग द्वारा निर्मित यह शिल्पग्राम वर्तमान में बंद पड़ा है। बोर्ड ने सुझाव दिया कि इसे हस्तशिल्प प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यशालाओं के एक सक्रिय केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। पर्यटन विभाग, इको-टूरिज्म बोर्ड या पर्यटन निगम इसे निजी साझेदारी के तहत संचालित कर सकता है। इससे पर्यटन सुविधाओं में वृद्धि होगी और क्षेत्र में सतत पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा।

कौशल विकास से सजा खादी महोत्सव

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आयोजित खादी महोत्सव 2025 प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्वावलंबन और स्वदेशी आंदोलन को नई गति देने वाला बड़ा मंच बनकर उभरा है। राजधानी में हो रहा यह दस दिवसीय आयोजन पारंपरिक कला, स्थानीय उद्यमिता और नवाचार के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। कौशल विकास और डिजिटल मार्केटिंग का हुनर सिखाया जा रहा है। साथ ही, आधुनिक उपकरणों का वितरण और कार्यशालाओं ने युवाओं का आकर्षण बढ़ाया है। महोत्सव का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को आधुनिक बाजार से जोड़ना और छोटे उद्यमियों को सीधा मंच उपलब्ध कराना है।

निवेश, साझेदारी और भविष्य का बना आर्थिक रोडमैप

राजय ब्यूरो, लखनऊ

- अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में यूपी की बनी वैश्विक पहचान

अमृत विचार : भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला प्रदेश की नई आर्थिक सोच, नवाचार आधारित विकास और वैश्विक व्यापारिक पहचान को प्रदर्शित करने का सशक्त मंच बन गया है। यहां विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के साथ बीटूबी बैठकें और महाराष्ट्र व राजस्थान के साथ निवेश, साझेदारी और भविष्य का आर्थिक रोडमैप बना है।

देश की राजधानी में 'लोकल टू ग्लोबल' थीम पर आधारित इस मेले में प्रदेश ने पारंपरिक हस्तशिल्प, आधुनिक डिजिटलीकरण, स्टार्टअप इकोसिस्टम और निवेश सहयोग मॉडल के समन्वय से प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई मजबूती मिली है। योगी सरकार की महत्वाकांक्षी 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना मेले में केंद्र में रही। ओडीओपी के तहत 343 विशेष स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के विशिष्ट उत्पादों की विविधता को आकर्षक व आधुनिक स्वरूप में प्रदर्शित किया गया है। उत्तर प्रदेश से 2,750 से अधिक प्रदर्शक मेले में भागीदारी कर रहे हैं।

अमृत विचार

रविवार, 23 नवंबर 2025

खुसरो दरिया प्रेम का, उल्टी वा की धार
जो उतरा सो डूब गया, जो डूबा सो पार

अमीर खुसरो जी कहते हैं, प्रेम की नदी अजीब दिशाओं में बहती है। जो इसमें उतरता है, वो डूब जाता है और जो डूब जाता है, उसका जीवन सफल हो जाता है।

गौरवशाली हैं प्राचीन भारत की उपलब्धियां

भारतीय स्वाधीनता को मिले 78 वर्ष हो गए। देश ने विकास के नए अंतरिक्ष स्पर्श किए हैं, लेकिन अंग्रेजी राज के और उसके बाद भी साम्राज्यवादी परंपराएं विद्यमान हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले 20 वर्षों में गुलामी के प्रतीक समाप्त करेंगे। भारत का मन बदल रहा है। आत्मनिर्भरता बढ़ी है। संप्रभु राष्ट्र राज्य किसी दूसरे देश की सभ्यता का अनुकरण नहीं करते। साम्राज्यवादी मानसिकता से छुटकारा पाना पंच प्रण में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। प्रधानमंत्री ने उचित ही इस मामले को फिर से दोहराया है।

> यूरोप के पास विश्व मानवता को देने के लिए कुछ नहीं था। दर्शन यूनान की उधारी है। चिकित्सा विज्ञान भारत से अरब गया था और अरब से यूरोप। गणित के अंक भारत में खोजे गए। ऐसे अनेक उल्लेख संभव हैं। नाट्य शास्त्र का उद्भव भारत में हुआ। दुनिया का पहला अर्थशास्त्र कौटिल्य ने भारत में लिखा। प्राचीन भारत की बड़ी उपलब्धियां हैं। उन पर गर्व करना चाहिए, लेकिन साथ में यह भी देखना है कि जिस प्राचीन भारत की उपलब्धियां गौरवशाली हैं, यहां पिछले 500 वर्षों में वैज्ञानिक आविष्कार कम क्यों हुए हैं?

स्वाधीनता संग्राम के समय गांधी जी का जोर भी इस बात पर था। ब्रिटिश संसद में लॉर्ड मैकाले ने भी भारतीय संस्कृति को नष्ट करने वाले विचार व्यक्त किए थे। कहा था, "उच्चतर जीवन मूल्य और उत्कृष्ट क्षमताओं को देखते हुए भारतवासियों पर तब तक विजय नहीं प्राप्त हो सकती जब तक भारत की सांस्कृतिक परंपरा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती।" मैकाले जानता था कि सांस्कृतिक परंपरा में ही राष्ट्र का वैभव अंतर्निहित है। गांधी जी अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध आंदोलन कर रहे थे। यह आंदोलन राष्ट्रव्यापी था। राष्ट्रीय आंदोलनकारी अंग्रेजी सरकार के साथ ही अंग्रेजी सभ्यता से भी टकरा रहे थे। गांधी जी ने मैकाले के ज्ञान को अधम बताकर सत्याग्रही आक्रामकता का मार्ग चुना था। उन्होंने 'हिंद स्वराज' में लिखा था, "मैकाले हिन्दुस्तानियों को कमजोर मानता है। वह उसकी अज्ञान दशा है।" गाँधी जी ने कहा, "हिंदुस्तानी कभी कमजोर नहीं रहे। खेतों में हमारे किसान आज भी निर्भय होकर सोते हैं, जबकि अंग्रेज और आप वहां सोने के लिए आनाकानी करेंगे।"

भारतीय इतिहास का विरूपण किया गया। यूरोपीय विद्वानों ने इतिहास के साथ छल किया। आर्य भारत के मूल निवासी हैं। उन्हें योजनाबद्ध तरीके से विदेशी हमलावर बताया गया। कहा गया कि आर्य बाहर से आए और उन्होंने यहां की सभ्यता नष्ट कर दी। साम्राज्यवादी शक्तियों का तर्क था कि भारत में शक और हूण आए थे। सातवीं शताब्दी में इस्लाम आया। हमलावरों ने देश के भिन्न-भिन्न हिस्सों में लूटपाट की। उन्होंने देश पर कब्जा कर लिया, फिर यहां मुगलों का शासन हो गया। उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार जीवन यापन को कष्टप्रद बनाया। उसके बाद ईस्ट इंडिया कंपनी आई। कंपनी यहां व्यापार करने आई थी और सत्ताधीश हो गई। लगभग 200 साल तक ब्रिटिश सत्ता ने भारत की धन संपदा को लूटने का काम किया। उन्होंने स्कूली पाठ्यक्रम को भी विदेशी रंग में रंग दिया। साम्राज्यवादी शक्तियों का तर्क था कि वह भारत के लोगों को शिक्षित कर रहे हैं। अंग्रेजीराज का विरोध करने वाले लोगों का तर्क था कि भारत विदेशी सत्ता के अधीन ही रहता है। कभी इस्लामी शासकों के रूप में और कभी अंग्रेजों के रूप में। उनकी मानें तो भारत एक होटल जैसा है। यहां विदेशी आते हैं। लूटपाट करते हैं। आर्यों को हमलावर बताना भी इसी रणनीति का हिस्सा था।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

अंग्रेजों द्वारा प्रचारित आर्य आक्रमण का कोई साक्ष्य इतिहास में नहीं मिलता। डॉक्टर अंबेडकर ने भी 'हू वेयर शूद्राज' में आर्यों के आक्रमण की बात को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि आर्यों का सबसे बड़ा ग्रंथ ऋग्वेद है। ऋग्वेद में कहीं भी आर्य आक्रमण नहीं मिलता। डॉ. अंबेडकर ने भारत में बहने वाली नदियों का उल्लेख किया है। ऋग्वेद के ऋषि यहां की नदियों के गीत गाते हैं। अगर आर्य दूसरे देश से आए थे, तो उनके साहित्य में वहां की नदियों के उल्लेख क्यों नहीं हैं? ऋग्वेद की सबसे प्रिय दो नदियां हैं। सरस्वती और सिंधु। सिंधु प्रत्यक्ष है और सरस्वती किसी प्राकृतिक घटना के कारण विलुप्त हो गई थी। सरस्वती पर शोध जारी है। वैदिक संस्कृति को इतिहास से बाहर करना, साम्राज्यवादी साजिश का ही हिस्सा है। इस मनोग्रंथि से शीघ्रातिशीघ्र छुटकारा पाने की आवश्यकता है।

लगभग 200 वर्ष के लंबे शासन में भारत पर अंग्रेजी सभ्यता के प्रभाव पड़ रहे थे। कुछ लोग अंग्रेजों को प्रशंसा की दृष्टि से देखते थे। कुछ लोग अंग्रेजों को भारतीय राष्ट्र निर्माण का श्रेय दे रहे थे। गांधी जी ने इस बात को गलत बताया और कहा कि भारत एक प्राचीन राष्ट्र है। पूरी अंग्रेजी सभ्यता मानवता विरोधी है। उन्होंने ब्रिटिश सभ्यता को भारत के लिए खतरनाक बताया। दरअसल अंग्रेजों का ज्ञान उधार का है। प्राचीन रोम और यूनान यूरोप के प्रेरणास्रोत रहे हैं। भारत का दर्शन जब धरती-आकाश नाप रहा था, तब तक अंग्रेजों की अपनी कोई दार्शनिक परंपरा विकसित नहीं हो पाई थी।

आखिरकार भारत के लोग कालवाह्य सभ्यताओं के चक्कर में क्यों फंसे हुए हैं? उन्होंने लिखा, "जो रोम और ग्रीस गिर चुके हैं, उनकी किताबों से यूरोप के लोग सीखते हैं।" उन्होंने लिखा, "सभ्यता वह आचरण है, जिससे व्यक्ति अपना फर्ज अदा करता है।" भारत आदिकाल से ही सामूहिक जीवन में है, इसीलिए मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा जाता है। पूर्वजों ने परस्पर मेल मिलाप का आचार शास्त्र विकसित किया था। सामाजिक संगठन की मजबूती के लिए अनेक स्तर पर प्रयास करने होते हैं। भारतीय ऋषियों ने, "सबके साथ-साथ चलने, परस्पर संवाद करने और सभा समितियों के माध्यम से कर्तव्य निर्धारित करने की व्यवस्था की है।"

ऋग्वेद के आखिरी सूक्त में ऋषि कहते हैं, "हम साथ-साथ चलें- संगच्छध्वं-संवदध्वं-हम साथ-साथ वार्तालाप करें। हमारी समितियां समान हों। मन समान हों।" पूर्वज भी ऐसी ही उपासना करते रहे हैं, लेकिन ब्रिटिश सत्ता अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहती थी। गांधी जी ने लिखा, "अंग्रेज हिंदुस्तानी बनकर रहे तो हम उनको यहां समावेश कर लेंगे।" भारत की सभ्यता की क्षति राष्ट्रवादियों के बर्दाश्त के बाहर थी। गांधी जी ने लिखा, "अंग्रेज अगर अपनी सभ्यता के साथ रहना चाहें, तो उनके लिए हिंदुस्तान में जगह नहीं है।" यह गांधी जी ने बहुत बड़ी बात कह दी है।" उन्हें अपना भारतीयकरण करना चाहिए। ईसाईकरण भारतीय सभ्यता पर खतरा है। ईसाई मिशनरियां राष्ट्रीय चरित्र बिगाड़ रही हैं। अन्य भी कई वर्ग भारत में ऐसा ही कर रहे हैं।

स्वाधीनता आंदोलन भारतीय संस्कृति, दर्शन और सभ्यता का ही प्रतिनिधि था। ब्रिटिश सत्ता व सभ्यता से सीधा संघर्ष करने के लिए गांधी जी ने अनेक विदेशी विद्वानों का उल्लेख किया। उन्होंने 'इंडियन एंपायर' पुस्तक से तमाम उद्धरण दिए। उन्होंने मैक्समूलर के लेखन से भारतीय दर्शन की श्रेष्ठता सिद्ध करने वाले अनेक उदाहरण दिए। उन्होंने एचएस मेन की पुस्तकों से पाणिनि के व्याकरण और भारतीय भाषा विज्ञान की प्राचीनता वाले हिस्से उद्धरत किए। यूरोप के पास विश्व मानवता को देने के लिए कुछ नहीं था। दर्शन यूनान की उधारी है। चिकित्सा विज्ञान भारत से अरब गया था और अरब से यूरोप।

एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार गणित के अंक भारत में खोजे गए। ऐसे अनेक उल्लेख संभव हैं। नाट्य शास्त्र का उद्भव भारत में हुआ। दुनिया का पहला अर्थशास्त्र कौटिल्य ने भारत में लिखा। प्राचीन भारत की बड़ी उपलब्धियां हैं। उन पर गर्व करना चाहिए, लेकिन साथ में यह भी देखना है कि जिस प्राचीन भारत की उपलब्धियां गौरवशाली हैं, यहां पिछले 500 वर्षों में वैज्ञानिक आविष्कार कम क्यों हुए हैं?

एकाकी महिलाएं: विवादों से बचाएगी वसीयत

देश के सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में क़ानूनी मामलों को कम करने के उद्देश्य से हाल ही में देश की उन समस्त एकल महिलाओं से, जिनके पति या बच्चे नहीं हैं, उन्हें अपनी संपत्ति और अधिकारों को लेकर जल्द से जल्द वसीयतनामा तैयार करने की अपील की है। सुप्रीम कोर्ट की यह अपील कई मामलों में महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश में इस समय एकल महिलाओं के निधन के बाद उनकी संपत्ति को लेकर मायके और ससुराल वालों के बीच अदालती मामले काफी बढ़ने लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्यीय बेंच के न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश की पीठ ने माना है कि देश की अदालतों में एकल महिलाओं की मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति को लेकर मायके और सुसराल पक्ष के बीच चलने वाले लम्बे क़ानूनी विवादों से एक और न्यायपालिका पर तो बोझ बढ़ता ही है, साथ ही मृतका के परिजनों का भी आर्थिक नुकसान होता है। इसका देश भर में रहने वाली एकल महिलाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा और वसीयतनामा बनाने के मामले में तेजी भी आएगी।

अरविंद रावल
लेखक

लाखों महिलाएं अलग-अलग कारणों से एकाकी जीवन यापन कर रही हैं, जिनमें अधिकतर महिलाएं या तो शासकीय सर्विस में हैं या फिर प्राइवेट सर्विस में। कुछ महिलाएं बिजनेस के क्षेत्र में भी कार्य कर अपना जीवन यापन करती हैं। पिछले कुछ वर्षों से एकल महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी भी है। एकल महिलाओं कि मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति को लेकर उनके माता-पिता के साथ ही ससुराल पक्ष के लोग भी हक जताते हैं! देश भर की अदालतों में इस समय मृतक एकल महिलाओं की संपत्ति और अधिकारों को लेकर लाखों की तादाद में क़ानूनी मामले लंबित हैं, यह मुकदमे लंबे और खर्चीले होते जाते हैं, जिससे अदालतों का वक्त भी जाया होता है और मृतक एकल महिलाओं से संबंधित उसके वास्तविक हकदारों का समय और पैसा भी बर्बाद होता है।

> सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में क़ानूनी मामलों को कम करने के उद्देश्य से हाल ही में एकल महिलाओं से, जिनके पति या बच्चे नहीं हैं, उन्हें अपनी संपत्ति और अधिकारों को लेकर जल्द से जल्द वसीयतनामा तैयार करने की अपील की है! यह अपील कई मामलों में महत्वपूर्ण है।

कई बार देखा गया है कि वसीयत न होने की बिना पर मामले काफी ज्यादा उलझ जाते हैं। कई दूसरे दावेदार भी आ जाते हैं, जो संपत्ति पर अपना हक जताते हैं। कई पक्षकार होने की वजह से अदालतों में यह मामले लंबे घसिटते रहते हैं। इन लंबित मुकदमों की वजह से सही दावेदारों का नुकसान होता है। अहम बात यह भी है कि वसीयत को रजिसटर्ड जरूर कराया जाना चाहिए। रजिस्टर्ड वसीयत न होने के बिना पर उसे फर्जी या गलत कहने का मामला भी बनता है और कई बार अदालत तक मामला पहुंच जाता है।

एकल महिलाओं की तरह ही देश का हर आदमी भी अपने जीते जी संपत्ति या अधिकारों की वसीयत क़ानूनी रूप से तैयार कर लेता है, तो निश्चित ही फिर कोई क़ानूनी विवाद की गुंजाईश नहीं के बराबर रहेगी और अदालतों पर भी अनावश्यक दबाव नहीं बढ़ेगा। उनका भी वक्त बचेगा तथा अन्य क़ानूनी मुकदमों के भी जल्द निराकरण होने की संभावनाएं बनेंगीं।

शोर खत्म कर रहा है संवेदनशीलता

आधुनिक जीवन की गति इतनी तीव्र हो चुकी है कि व्यक्ति अपने ही भीतर सिमटने लगा है। हेडफोन आज हर उम्र के हाथ में दिखते हैं। सड़क पर चलते हुए, बस में बैठे या रात की नीरवता में मोबाइल स्क्रीन के सामने। संगीत, पॉडकास्ट, गेम या रील यह सब अब हमारे कानों की दुनिया में स्थायी रूप से बस चुके हैं। पर क्या हम यह समझ रहे हैं कि यह सुविधा धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य, व्यवहार और संवेदनशीलता को निगल रही है।

तकनीक ने मनुष्य के जीवन को अत्यंत सुविधाजनक बना दिया है। मोबाइल, लैपटॉप और इंटरनेट ने हमें आपस में जोड़ा है। दुनिया को हमारी हथेली पर ला खड़ा किया है, परंतु इस सुविधा के साथ एक अदृश्य खतरा भी धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य को घेरे में ले रहा है और वह है हेडफोन का बढ़ता उपयोग। आज हेडफोन आधुनिक जीवन का प्रतीक बन चुके हैं। चाहे यात्रा हो या व्यायाम, ऑनलाइन क्लास हो या दफ्तर की मीटिंग, हर उम्र का व्यक्ति इनसे जुड़ा है। यह आवश्यकता धीरे-धीरे एक आदत में और फिर लत में बदलती जा रही है। भारत सहित पूरी दुनिया में हेडफोन का बाजार लगातार बढ़ रहा है।

कभी गांवों में पत्तों की सरसराहट, पक्षियों की चहचहाहट और बहते पानी की ध्वनि मन को शांति देती थी। आज इन प्राकृतिक स्वरों की जगह इलेक्ट्रॉनिक बीट्स ने ले ली है। हमारी पीढ़ी वह संगीत सुन रही है, जो सुकून नहीं देता, बल्कि उत्तेजना पैदा करता है। यह एक ऐसी स्थिति है, जहां शोर अब मनोरंजन नहीं, बल्कि निर्भरता बन चुका है। आज जब हर जगह तेज़ आवाज़ों का साया फैला है, तब यह समझना जरूरी है कि यह 'मौन खतरा' हमारी पीढ़ी को भीतर से कमजोर कर रहा है।

संध्या राजपुरोहित
लेखिका

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की एक अन्यर रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में लगभग एक अरब से अधिक युवा प्रतिदिन अत्यधिक आवाज़ में संगीत सुनने के कारण भविष्य में सुनने की क्षमता खोने के खतरे में हैं। भारत में भी यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। 2024 की एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, शहरी युवाओं में से लगभग 78 प्रतिशत प्रतिदिन चार घंटे से अधिक समय तक हेडफोन का उपयोग करते हैं। कई विद्यार्थी और किशोर तो दस-दस घंटे तक इनसे जुड़े रहते हैं। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि शहरी युवाओं में लगभग 15 फीसदी लोग आंशिक सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसका मुख्य कारण हेडफोन का अत्यधिक उपयोग है।

दिनभर कानों में गूंजती आवाज़ें, न केवल श्रवण तंत्र को क्षतिग्रस्त करती हैं, बल्कि मस्तिष्क पर निरंतर दबाव भी डालती हैं। यही कारण है कि आजकल 'साइलेंस' का अर्थ ही बदल गया है। हम शोर के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि बिना आवाज़ हमें बेचैनी घेर लेती है। डॉक्टरों का मानना है कि लंबे समय तक हेडफोन में तेज़ संगीत सुनने से श्रवण नाड़ी को स्थायी नुकसान पहुंचता है। परिणामस्वरूप व्यक्ति को 'टिनिटस' जैसी समस्या हो सकती है।

भावनात्मक एआई की उम्मीदें और खतरे

इन दिनों आए दिन एआई को लेकर कुछ न कुछ सामने आ रहा है। कभी वीडियो को लेकर तो कभी अनुवाद और लेखन के संदर्भ में पढ़ने और देखने को मिल जाता है। कहा जा रहा है कि एआई सब कुछ करने में समर्थ है। एक नया शब्द सामने आया है भावनात्मक एआई और उसका भविष्य। रिसर्च कहती है कि भावनात्मक एआई का भविष्य उज्ज्वल है। उनका मानना है कि जैसे-जैसे यह तकनीक बेहतर होती जाएगी, हम देखेंगे कि एआई हमारे साथ और अधिक सहज तरीकों से बातचीत करेगा। एआई न केवल बुनियादी भावनाओं को, बल्कि उन गहरी और जटिल भावनाओं को भी ग्रहण करेगा, जो हमारे अनुभवों को आकार देती हैं। यह प्रगति मशीनों के साथ हमारी बातचीत के तरीके को पूरी तरह से बदल सकती है।

एक्सपर्ट का मानना है कि एआई के विकास में जटिल भावनाओं को समझने की क्षमता भी विकसित हुई है। मशीन लर्निंग और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में हुई प्रगति की बदौलत एआई अब साधारण भावनाओं की पहचान से आगे बढ़ गया है। यह निराशा, व्यंग्य और सहानुभूति जैसे सूक्ष्म संकेतों को पहचान सकता है। आज एआई मानवीय भावनाओं के सूक्ष्म विवरणों को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम होता जा रहा है। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि क्या कहा जा रहा है, बल्कि यह भी कि कैसे कहा जा रहा है। एआई अब आवाज, चेहरे के भावों और यहां तक कि वाणी की लय में भावनात्मक बदलावों को भी पहचान सकता है। इससे उसे किसी व्यक्ति की भावनाओं को और गहराई से समझने में मदद मिलती है। बुनियादी भावना पहचान से लेकर संदर्भ और जागरूक व्याख्या तक की इस छलांग ने एआई के साथ हमारी बातचीत को किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने जैसा बना दिया है।

> फिलहाल एआई इंसानी भावनाओं को नहीं पढ़ सकता और न ही वह इन्हें शब्द दे सकता है। तकनीक का प्रयोग अच्छी बात है, लेकिन उस पर निर्भर होना ठीक नहीं है। तकनीक कितनी भी समुन्नत क्यों न हो जाए, आदमी के दिमाग को वह पीछे नहीं छोड़ सकती।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

भावनात्मक एआई तकनीक के साथ हमारी बातचीत के तरीके में क्रांति ला रहा है। जहां तक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र की बात है, तो इसमें भावनात्मक एआई मानसिक स्वास्थ्य सहायता के क्षेत्र में बदलाव ला रहा है। आभासी साथी रोगियों को अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और टेलीमेडिसिन सत्रों के दौरान स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। वहीं मनोरंजन और गेमिंग उद्योग भी इसका लाभ उठा रहे हैं। खेलों और फिल्मों में एआई चालित पात्र खिलाड़ियों या दर्शकों की भावनाओं के अनुकूल ढल सकते हैं, जिससे अधिक आकर्षक और यथार्थवादी अनुभव बनते हैं। इसके अलावा कार्यस्थल पर भावनात्मक एआई कर्मचारियों की भलाई पर नजर रखता है। बर्नआउट के लक्षणों का पता लगाता है और उत्पादकता बढ़ाने वाले सहायक वातावरण को बढ़ावा देता है।

जैसे-जैसे भावनात्मक एआई हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है, यह महत्वपूर्ण चुनौतियां और नैतिक प्रश्न भी उठा रहा है। एक बड़ी चिंता एआई द्वारा भावनाओं की गलत व्याख्या करने का जोखिम है। मानवीय भावनाएं जटिल होती हैं। जब एआई गलत व्याख्या करता है, तो इससे निराशाजनक या हानिकारक अनुभव भी हो सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को गलत समझे जाने का एहसास होता है। इसमें निजता भी चिंता का विषय है। भावनाओं और व्यक्तिगत डाटा पर नजर रखने की संवेदनशील प्रकृति का मतलब है कि मजबूत सुरक्षा के बिना इस जानकारी का दुरुपयोग हो सकता है। एक और चुनौती एआई प्रणालियों में पूर्वाग्रह की है। ये अक्सर विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं और व्यक्तिगत अनुभवों में भावनाओं की सटीक व्याख्या नहीं कर पाते, जिसके परिणामस्वरूप गलत व्याख्या हो जाती है।

हमें इस बात को भी स्वीकार करना होगा कि एआई में भावनात्मक हेर-फेर का भी खतरा है। उदाहरण के लिए मार्केटिंग के क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल मुनाफे के लिए भावनाओं का शोषण करने के लिए किया जा सकता है। वहीं फैसलों को ऐसे तरीके से प्रभावित किया जा सकता है, जो उपयोगकर्ता के सर्वोत्तम हितों के अनुरूप न हों। इससे गंभीर नैतिक चिंताएं पैदा होती हैं। खासकर जब एआई का इस्तेमाल पारदर्शिता या निष्पक्षता के बिना व्यवहार को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। जैसे-जैसे हम भावनात्मक एआई को अपनाते हैं, इन चुनौतियों का सावधानीपूर्वक सामना करना महत्वपूर्ण हो जाता है। साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक हो जाता है कि यह नैतिक सीमाओं को पार किए बिना हमारे जीवन को बेहतर बनाए।

ज्ञानेंद्रियां और कर्मेंद्रियां होती हैं 10 और एक होता है मन

श्रीमद्भगवत गीता की व्याख्याओं का अंत नहीं है। इस ग्रंथ के 18 अध्यायों में वैचारिक-स्तर के विविध-योग पर सूक्ष्म दृष्टि डालने पर लगता है कि अर्जुन की जिज्ञासाओं के समाधान का यह ग्रंथ है। महाभारत के भीष्म पर्व के बीच श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद का प्रथम अध्याय अर्जुन विषाद योग है, तो अंतिम 18वां अध्याय मोक्ष संन्यास योग है। पहले अध्याय में नेत्र विहीन धृतराष्ट्र के युद्ध परिणाम जानने की जिज्ञासा का समाधान 18वें अध्याय में संजय द्वारा किया जाता है। धृतराष्ट्र की नेत्रविहीनता का आशय अंधकार और वह भी मन के भटकाव का सूचक है, तो अंतिम 18वें अध्याय के अंतिम श्लोक में संजय 'जहां कृष्ण और अर्जुन हैं, वहीं श्री, विजय, विभूति है' का उत्तर देते हुए समाधान प्रस्तुत करते हैं।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

कृष्ण योगेश्वर हैं, तो संजय का यह उत्तर सार्थक लगता है कि योग के जरिए यदि मूलाधार से लेकर सहस्रार तक के चक्रों को जागृत कर लिया जाए, तो यह शरीर रूपी पृथ्वी जो 'सुर-दुर्लभ सब ग्रंथन गावा' कहा गया है, वह शतप्रतिशत लागू हो जाएगा, क्योंकि अंतिम श्लोक में अर्जुन के लिए पार्थ शब्द का प्रयोग हुआ है। यानी पृथ्वीपुत्र अर्जुन पहले अध्याय में विषाद नहीं, बल्कि अपने जिज्ञासु स्वरूप को संपूर्ण पुरुष कृष्ण के समक्ष प्रकट करते हैं।

इसके अलावा इस ग्रंथ में अनेकानेक बार श्रीकृष्ण इंद्रिय, मन, शरीर की चर्चा अर्जुन से करते हैं कि इन्हें ही साध लेने वाला सच्चा साधक होता है। यदि श्रीकृष्ण के इन संकेतों पर ध्यान दिया जाए तो ज्ञानेंद्रियां और कर्मेंद्रियां दस होती हैं। एक मन होता है तथा योगशास्त्र के अनुसार सात चक्र होते हैं।

महाभारत ग्रंथ में भी कुल 18 पर्व आते हैं। युद्ध के मैदान में कौरवों के पास 11 तथा पांडवों के पास सात कुल 18 अक्षौहिणी सेना का संकेत भी उक्त अवधारणा को पुष्ट करता है। पांडवों के इन सात अक्षौहिणी सेना को साधने का मतलब मूलाधार से सहस्रार तक सातों चक्रों को जागृत करने से है। इस स्थिति में कोई भी पांडव जैसा श्रीकृष्ण का सखा हो सकता है तथा इस शरीर रूपी रथ की लगाम विवेक रूपी श्रीकृष्ण के हाथों में आ जाती है, वरना भौतिकता में अंधा डूबा मन धृतराष्ट्र बन जाता है और उससे निकलने वाले पुत्र रूपी भाव और कार्य दुर्योधन की सेना जैसे हो जाते हैं।

बीजेपी की सियासत गलत तो मजलिस की सही कैसे!

मुसलमानों की अपनी पार्टी, हिंदुओं की अपनी पार्टी, सिखों की अपनी पार्टी, जंगे आज़ादी के दौरान यह सोच उभरी थी, लेकिन महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, यहां तक कि शुरूआती दिनों में जिन्ना तक इस विचार के घोर विरोधी थे, लेकिन अंग्रेजों की साज़िश ने ऐसा दांव खेला की जिन्ना न सिर्फ इस विचार के समर्थक बने, बल्कि देश के बंटवारे तक पर अड़ गए I यहां यह बात बताना ज़रूरी है कि जिन्ना और उनके चेले-चपाटों को छोड़ कर उस समय के सभी मुसलिम नेता और उलमा इस विचार के घोर विरोधी थेI मौलाना आज़ाद के अलावा मौलाना हुसैन अहमद मदनी, मौलाना अबुल अला मौदूदी, मौलन अनजर शाह कश्मीरी, खान अब्दुल गफ्फार खान आदि सभी उलमा और मुसलिम नेता धर्म की बुनियाद पर सियासी पार्टियों के गठन के विरोधी थे।

इन दूर दृष्ट वाले नेताओं ने बंटवारे का पूरी ताक़त से विरोध किया। सड़कों पर लीगी लंपटों की गालियां सुनीं, मौलाना आज़ाद को जूते का हार तक पहनाया गया, मगर उन्होंने उस खतरे का आखिरी दम तक विरोध किया जो मुस्लिम लीग के उन्मादियों ने बंटवारे की शक्ल में देश के सामने खड़ा कर दिया था। मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने साझा सरकारें तक बनाई थीं। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल में मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा की साझा सरकार में उप मुख्यमंत्री थे, जिसके मुख्यमंत्री चौधरी फजल इलाही थे, जिन्होंने मुस्लिम लीग के ढाका इजलास में पाकिस्तान का प्रस्ताव पेश किया था। मुस्लिम लीग के जहरीले और 'पाकिस्तान का मतलब क्या ला इलाहा इल लल्ला' जैसे अधार्मिक गैर इस्लामी और घोर विभाजनकारी नारों ने देश के वातावरण को प्रदूषित कर रखा था।

लगभग एक सदी के बाद यह विभाजनकारी विचार फिर सर उठाने लगा है, 'नज़रियेए पाकिस्तान' की तरह अब देश के मुसलमानों को 'अपनी कयादत' का जहर पिलाया जा रहा है और जिस तरह मुस्लिम लीग और जिन्ना को आरएसएस और हिंदू महासभा का मूक समर्थन हासिल था, ठीक उसी तरह आज बीजेपी का मूक समर्थन आल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लमीन और बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी को हासिल हैI बीजेपी की चाल है कि जिस तरह जिन्ना खुद को एक क्षत्र मुस्लिम नेता के तौर पर पेश करते थे, उसी तरह ओवैसी भी मुस्लिम नेता के तौर पर उभरें, ताकि कांग्रेस समेत अन्य सेक्युलर पार्टियों को जो 15% वोट बैंक है, उसमें और बिखराव हो और उसका रास्ता बिलकुल साफ हो जाएI यह हिंदू नेता मुस्लिम नेता और हिंदू पार्टी मुस्लिम पार्टी का जो खेल है, वह देश की 'भावनात्मक एकता और अखंडता' के लिए जहर हलाहल है।

अगर हम बीजेपी-आरएसएस की धर्म की बुनियाद वाली राजनीति के विरोधी हैं, तो हमें इसी पैमाने से मजलिस की राजनीति का भी विरोध करना होगाI धार्मिक उन्माद पर देश का बंटवारा हो जाने पर भारतीय मुसलमान पीढ़ी दर पीढ़ी इसका खामियाजा भुगतते रहेंगे। वह एक ऐसे जुर्म की सजा पाते रहेंगे, जो उन्होंने क्या उनके पुरखों ने भी नहीं किया था। दो राष्ट्रवाद के ज़हरीले विचार को लात मार कर उसी सरज़मीन पर ही बसे रहने का फैसला किया था, जहां वह सदियों से अपने हिंदू, सिख और अन्य धर्म के भाइयों के साथ मिलजुल कर रह रहे थेI उन्होंने मौलाना आजाद के फैसले को माना और गांधी नेहरू के आश्वासन और आंबेडकर के संविधान के साथ ही साथ अपने गैर मुस्लिम पड़ोसियों पर भी विश्वास किया था।

समाज का एक बड़ा वर्ग बंटवारे के इस जख्म को भरने में लगा हुआ है, लेकिन जितना मजलिस की राजनीति और उसकी स्वीकारता मुसलमानों में बढ़ती जाएगी, उतना ही यह वर्ग कमज़ोर होता जाएगा और जो बंटवारा अभी 60 फीसदी सेक्युलर वोटर्स का है, वह घटते-घटते 15-20 प्रतिशत ही रह जाएगा I मजलिस जैसी पार्टियां और उनके तंग दिल, तंग नज़र समर्थक रंग भर रहे हैंI भेड़ों की गड़रिये से नाराजगी पर भेड़िए से दोस्ती वाली कहावत यह लोग चरितार्थ कर रहे हैं।

-उबैद उल्लाह नासिर

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

नौटंकी शैली में रामायण लिखने वाले
राधेश्याम कथावाचक

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

नौटंकी की शैली में लिखी गई रामायण ऐसी अनोखी कृति थी जिसने राधेश्याम कथावाचक को प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचा दिया, इस कृति का नाम भी उनके नाम पर राधेश्याम रामायण पड़ा। अपने जीवनकाल में राधेश्याम कथावाचक ने न सिर्फ तमाम नाटक लिखे, बल्कि कई फिल्मों की पटकथा लिखने के साथ गीतों की रचना की। हालांकि सबसे ज्यादा ख्याति उन्हें राधेश्याम रामायण से ही मिली। रामलीला के मंचों पर आज भी उनकी गायन शैली का प्रयोग किया जाता है। इस रामायण की विशेषता यह है कि राधेश्याम कथावाचक ने इसमें संवाद और अभिनय पक्ष को भी जोड़ा। इस कारण इसके संवाद मंचों पर की जाने वाली रामलीला में अपनाए गए। इस रामायण के मंचनीय होने के साथ संवाद और गायन गुण भी है। आज घर-घर में राधेश्याम रामायण है।

नाटकों को राष्ट्रीय भावनाओं से जोड़ा

राधेश्याम का पेशा कथावाचन का था, नाटक उनका शौक था। लोगों के बीच उनके नाटक बेहद लोकप्रिय थे। उनके वीर अभिमन्यु नाटक को सबसे ज्यादा प्रसिद्ध मिली, जिसका देशभर के स्कूल- कॉलेजों, थिएटर, मंचों पर डेढ़ हजार से अधिक बार मंचन किया जा चुका है। आज भी इस नाटक का मंचन होता है। राधेश्याम ने अपने नाटकों को राष्ट्रीय भावनाओं से भी जोड़ा, जिसमें अछूत उद्धार और समाज सुधार की प्रमुखता थी। उन्होंने करीब 14 नाटक लिखे। जिसमें श्रवणकुमार, परिवर्तन, मशरिकी हूर, नारद मोह, महर्षि वाल्मीकि आदि सम्मिलित हैं। जिस समय राधेश्याम ने इस क्षेत्र में कदम रखा, उस समय पारसी रंगमंच का प्रभाव था। उन्होंने भारतीय पौराणिक आख्यानों को लेकर नाटकों की रचना की। नाटकों को नई दिशा दी।

राधेश्याम कथावाचक का जन्म 25 नवंबर 1890 में शहर के मोहल्ला बिहारीपुर में हुआ था। राधेश्याम कथावाचक पर शोध कर कई किताबें लिखने वाले कृष्णायन कॉलोनी डेलापीर निवासी हरिशंकर शर्मा बताते हैं कि नौटंकी शैली राधेश्याम रामायण की सबसे बड़ी विशेषता है। उदाहरण के तौर पर पंचवटी के प्रसंग में उन्होंने लिखा है- 'मेरी नाक गई सो गई, अब अपनी नाक संभालो तुम, यदि जग में ऊंची नाक नहीं तो नकटा नाम धरा लो तुम', उन्होंने इसी लोक छंद के आधार पर अपनी रामायण की रचना की है, जो आगे चलकर तर्ज राधेश्याम या राधेश्यामी छंद के नाम से प्रसिद्ध हुई। इन छंदों को उनके नाम से जाना गया, जो उनकी बड़ी उपलब्धि थी। हरिशंकर शर्मा कहते हैं, पंडित जी लोक व्यक्ति थे, उस वक्त नौटंकी (स्वांग), रामलीला, रास, आला गायकी, लोक गीत का चलन था। सबसे ज्यादा उत्तर भारत में आल्हा गाई जाती थी, राधेश्याम रामायण इतनी प्रसिद्ध हुई कि वह सावन के दिनों में गांवों की चौपाल और शहरी इलाकों में गाकर सुनाई जाती थी। हरिशंकर बताते हैं कि पांच साल पहले उनकी मुलाकात जैसलमेर के एक बुजुर्ग सज्जन से हुई थी, वह उन्हें जयपुर में मीरा महोत्सव में मिले थे। उन्होंने पंडित जी से जुड़ा एक वाकया सुनाया। बताया कि पंडित जी यहां कथा सुनाते थे, उनका खेतों में बड़ा सा मंच के रूप में मचान बनता था। पंडितजी ने पूर्व दिशा से रामायण की शुरुआत की थी, उनके चारों ओर श्रोता बैठे थे, उन्होंने रामायण के विभिन्न प्रसंग पूर्व, पश्चिमी और दक्षिण दिशा की ओर अपना आसन करके सुनाए, वहां पर 50 से हजार से ज्यादा श्रोता थे। वहां कोई माइक नहीं था, उन्होंने अपने कंठ से रामायण सुनाई, उनकी आवाज आखिर में बैठे व्यक्ति तक पहुंचती थी। वर्ष 1930 में बरेली के साहूकारा स्थित दाऊ जी मंदिर में वहां के एक संगीतज्ञ नारायाण गोस्वामी थे, जिन्होंने राधेश्याम कथावाचक की रामायण को संगीतमय गायन ग्रामोफोन रिकार्ड के लिया किया था। जिसके रिकार्ड एचएमबी व अन्य कंपनियों ने रिकार्ड जारी किए थे।

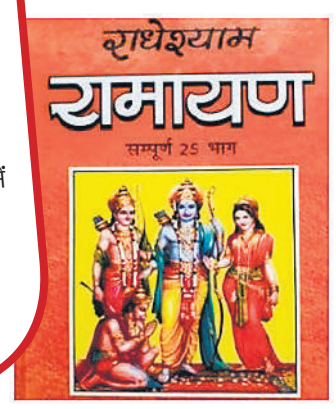

25 कथा खंड और आठ भाग में है राधेश्याम रामायण

राधेश्याम रामायण 25 कथा कांड और आठ भाग में है। मोहल्ला बिहारीपुर में वर्ष 1920 में राधेश्याम प्रेस की स्थापना हुई थी। इससे पहले उनकी रामायण आगरा, मुरादाबाद, लखनऊ और मथुरा से प्रकाशित होती थी। छोटे कथा खंड यहीं से प्रकाशित होते थे। उनका गायन, ढोलक और हारमोनियम पर होता था। वह खुद हारमोनियम बजाते थे। राधेश्याम रामायण संस्कृत और उर्दू मिश्रित खड़ी बोली में है। जिसमें मुहावरे, लोकयुक्तियों का प्रयोग किया गया, जो बहुत सरल है, जिसे लोग आसानी से समझ जाते हैं, जिन्हें उन्हें छंद का अर्थ बताने की जरूरत नहीं पड़ती है। यही वजह है कि यह बहुत जल्दी घर-घर तक पहुंच गई। राधेश्याम के पिता बांकेलाल शर्मा कथावाचक थे, वह भी चाहते थे कि बेटा उन्हीं की तरह कथावाचक बने। राधेश्याम ने 17-18 वर्ष की अवस्था में ही रामायण के कथा खंडों को लिख डाला था।

राधेश्याम कथावाचक का फिल्मी सफर

राधेश्याम कथावाचक ने 1931 में फिल्म शकुंतला के संवाद और कहानी लिखी थी। श्री सत्यनारायण फिल्म की कहानी के साथ गीतों को भी लिखा। फिल्म झांसी की रानी लक्ष्मीबाई में लिखे उनके गीत को मोहम्मद रफी ने गाया था। उनकी फिल्में काफी सफल रहीं। 26 अगस्त 1963 में उनका देहांत हो गया।

राधेश्याम पर लिखी किताबें

'सनातन के प्रहरी पं. राधेश्याम कथावाचक' किताब के लेखक हरिशंकर शर्मा कहते हैं कि पंडितजी ने राधेश्याम रामायण को सरल रूप में प्रस्तुत किया। उनके द्वारा संपादित पुस्तक राधेश्याम कथावाचक की डायरी 'अपने समय का सच' महाराष्ट्र विवि से संबद्ध महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल है। गुरुकुल कांगड़ी विवि के आर्काइव में उनकी दो किताबें 'रंगायन' और 'राधेश्याम कथा वाचक : सफर एक सदी' है।

कथावाचक राधेश्याम का हारमोनियम

विंडरमेयर : रंगमंच की सिखा रहा बारीकियां

शहर के सिविल लाइंस में स्थापित विंडरमेयर रंगमंच की दिशा में लगातार कुछ न कुछ नया कर रहा है। न सिर्फ लोगों को रंगमंच के करीब ला रहा है बल्कि बरेली की छिपी प्रतिभाओं को निकालने और उन्हें मंच देने का भी काम कर रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के रंगमंच के मझे हुए कलाकारों के जरिये नई पौध को अभिनय की बारीकियों से सींचने काम कर रहा है।

विंडरमेयर नाम के ब्लैक बॉक्स थिएटर की स्थापना शहर के जाने माने चिकित्सक डॉ. बृजेश्वर सिंह ने वर्ष 2013 में की थी। रंग विनायक रंगमंडल समूह का गठन वर्ष 2007 में हुआ था। करीब 12 सालों से बरेली के लोगों को यह थिएटर रंगमंचीय दुनिया से रूबरू करा रहा है। यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तमाम नाटकों का मंचन हो चुका है और यह क्रम लगातार जारी है। रंगमंच के दिग्गज कलाकार, लेखक, नाटककार मानव कौल, रोहिणी हट्टंगड़ी, कुमुद मिश्रा, अश्वथ भट्ट, मकरंद देशपांडे, कुलभूषण खरबंदा, सुमित व्यास यहां मंचन कर चुके हैं। इस वक्त यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की वर्कशॉप चल रही है, जिसमें जर्मन रंगमंच के कलाकार माटेन युवा कलाकारों को रंगमंचीय कौशल सीखाने के साथ उसकी बारीकियां बता रहे हैं। साथ ही मॉर्डन, पोस्ट मॉर्डन और एक्सिस थिएटर के बारे में भी अहम जानकारी दे रहे हैं। एक्सिस थिएटर में कई चीजों के माध्यम से दर्शकों से संवाद किया जाता है।

रंग विनायक रंग मंडल टीम के सदस्य एवं रंगमंच के कलाकार पुराना शहर के सैलानी निवासी दानिश खान बताते हैं कि रंग विनायक रंग मंडल की टीम रामलीला का मंचन करती है। अभी हाल में इस टीम ने अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में मंचन किया था। रामलीला में श्रीराम का किरदार निभाने वाले दानिश बताते हैं कि मुख्यमंत्री ने उनकी टीम के रामलीला मंचन के कुछ अंश पोर्टल पर भी जारी किए थे। वह बताते हैं कि जो कलाकार नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में नहीं जा पाते हैं। विंडरमेयर की कोशिश रहती है, वहां के शिक्षकों के जरिये यहां के युवा कलाकारों को प्रशिक्षित किया जाए। यहां से जुड़े कई लोग टीवी, फिल्म और डायरेक्शन में अपना हुनर दिखा रहे हैं, इनमें कौशल मिश्रा, शिवा, सृष्टि माहेश्वरी, सविता, वर्षा जैसे तमाम नाम हैं। टीम में करीब 18 कलाकार हैं। बताया कि नवरात्र के समय विंडरमेयर में रामलीला का मंचन होता है।

विंडरमेयर को स्थापित करने वाले और दया दृष्टि चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. बृजेश्वर सिंह को रंगमंच से गहरा लगाव है। यही वजह कि वह डॉक्टरी पेशा के साथ इस विधा सी भी जुड़े हैं। लोगों को भी इससे जोड़कर रखना चाहते हैं। उन्हें रंगमंच-कला-संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं। वर्ष 2020 के रंगमंच प्रोत्साहन के लिए उन्हें प्रतिष्ठित यूपीएसएनए (उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ऐसे कई प्रदेशों से उन्हें सम्मान मिल चुके हैं।

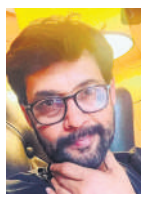

संगीत और रंगमंच के क्षेत्र में बरेली की एक गहरी और बहुआयामी विरासत है। बरेली की यह कलात्मक पहचान पारंपरिक कला विधाओं और आधुनिक अभिव्यक्तियों के एक अनूठे संगम का प्रमाण है, जो शहर के सांस्कृतिक ताने-बाने को निरंतर समृद्ध कर रही है। इतिहास की गूंज वर्तमान की आवाज़ के साथ मिलकर यहां का संगीत और रंगमंच एक अनूठी और जीवंत सांस्कृतिक पहचान बना रहा है। यह शहर इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे पारंपरिक कला विधाएं आधुनिक अभिव्यक्तियों के साथ मिलकर किसी क्षेत्र की कलात्मक पहचान को न केवल जीवित रखती हैं, बल्कि उसे निरंतर समृद्ध भी करती हैं।

मील के पत्थर

बरेली नाट्य महोत्सव में जुटे थे रंगमंच के दिग्गज

बरेली शहर में रंगमंच को आगे बढ़ाने के लिए अस्तिता फाउंडेशन की ड्रामा ड्रॉप आउट्स विंग भी काम कर रही है। इसके चेयरमैन एवं रंगमंच कलाकार कैंट स्टेशन रोड निवासी राजू सिंह चौहान बताते हैं कि दो जनवरी वर्ष 2025 में इस संगठन का गठन किया गया। जो किसी कारण कलाकार रंगमंच से छूट गए हैं, उन्हें जोड़ने का भी काम ड्रामा ड्रॉप आउट्स विंग कर रहा है। हम सभी कलाकारों का काम थियेटर को आगे बढ़ाना है। वर्तमान में इस संगठन से 35 कलाकार जुड़े हैं। संस्था की ओर से अर्बन हॉट स्थित प्रभावे में एक से सात सितंबर तक बरेली नाट्सय महोत्सव का आयोजन हुआ था। जिसमें रंगमंच के दिग्गज कलाकार जुटे थे। इसमें मेटा-पंचलाट समेत कई नाटकों का मंचन हुआ था। बड़ी संख्या में दर्शकों ने पहुंचकर कलाकारों के अभिनय को सराहा था। गोरखपुर, दिल्ली के श्रीराम सेंटर आदि स्थानों से रंगमंच के कलाकारों की टीमें आई थीं। इससे पहले मोहन राकेश के नाटक आषढ़ का एक दिन का मंचन हुआ था। अभिनेता सौरभ शुक्ला ने नाटक बर्फ का मंचन किया था। राजू बताते हैं कि दिसंबर में भी पांच नाटकों का मंचन किया जाएगा। बरेली नाट्य महोत्सव भी हर साल होगा।

चेयरमैन एवं रंगमंच कलाकार राजू सिंह चौहान

कला-संस्कृति की विरासत को संजो रहा रिद्धिमा

एसआरएमएस ट्रस्ट ने 8 फरवरी 2021 को अपने प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय राम मूर्ति के 111वें जन्मदिन पर रिद्धिमा ए सेंटर आफ परफार्मिंग एंड फाइन आर्ट्स को म्यूजिक संस्थान के रूप में स्थापित किया था। कथक गुरु जितेंद्र महाराज, शायर वसीम बरेलवी और शब्बू मियां की मौजूदगी में इसका लोकार्पण हुआ था। हाजियापुर स्थित रिद्धिमा में गायन, वादन, फाइन आर्ट्स, कथक, भरतनाट्यम और अभिनय की शिक्षा दी जा रही है। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति ने सांस्कृतिक धरोहर और कला को संरक्षण देने का जो संकल्प लिया। इसी का नतीजा रहा कि स्थापना से ही रिद्धिमा ने संगीत और थिएटर प्रेमियों पर अपना जादू बिखेरना शुरू कर दिया था। रिद्धिमा ने कला को सहेजने का काम तो किया ही कलाकारों को अपना हुनर दिखाने के लिए मंच भी समर्पित किया। यही वजह रही कि यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन अनवरत रूप से जारी है। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। यहां पर थिएटर प्रेमियों के लिए वर्ष 2021 में मार्च में जिंदगी डॉट काम से नाटक के मंचन का आगाज हुआ। इसके बाद नाटकों के मंचन का सिलसिला प्रति सप्ताह पहुंच गया। यहां पर पं.राधेश्याम कथावाचक के चर्चित नाटक वीर अभिमन्यु, अंधायुग, पोस्टर, प्रमोशन, अकबर द ग्रेट ने गुदगुदाया, दयाशंकर की डायरी, गालिब इन न्यू दिल्ली, अर्जुन प्रतिज्ञा, अंधायुग, पैगाम ए खुसरो, त्रिशंकु, टुकड़े टुकड़े धूप, वरदान, मैं पापिन क्यों, चाचा छक्कन इन एक्शन जैसे 150 से ज्यादा नाटकों का मंचन किया जा चुका है। स्थापना वर्ष से ही रिद्धिमा में थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सप्ताह में सात प्रसिद्ध नाटकों का मंचन होता है। इसके साथ ही फाग महोत्सव, सूफियाना कव्वाली, बज्म ए सुखन और साहित्य सरिता कार्यक्रम से रिद्धिमा के श्रोताओं को बरेली और आसपास के नवोदित शायरों और कवियों से रूबरू होने का मौका दिया जा रहा है। चित्रकला के प्रति विद्यार्थियों का रुझान बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए रिद्धिमा में वार्षिक राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित होती हैं। इसके साथ ही नृत्य कला, फोटोग्राफी और थिएटर टेक्निक्स के लिए भी वर्कशाप का आयोजन अनवरत किया जाता है।

दुर्लभ वाद्य यंत्रों की विरासत

श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम स्थापित किया गया है, जिसमें दुर्लभ वाद्ययंत्रों को संरक्षित करने की पहल की गई है। इसमें दो सौ से ज्यादा दुर्लभ वाद्य यंत्रों को देश के कोने कोने से लाकर यहां रखा गया। यह देश का ऐसा अनोखा इकलौता इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम है, जहां पर इतनी बड़ी संख्या में वाद्ययंत्रों एक साथ संरक्षित किया गया है। संगीत प्रेमियों और युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली संगीत इतिहास के इन दुर्लभ वाद्य यंत्रों से परिचित कराने और सहेजने के लिए ही यहां संग्रहालय बनाया गया। वर्ष 2021 में तीन सितंबर को एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति ने वाद्य यंत्र संग्रहालय का शुभारंभ किया था। आदित्य मूर्ति के अनुसार हमारे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विश्व भर में धूम है। सभी देशों में हमारे वाद्य यंत्रों को सराहा जाता है। ट्रस्ट के चेयरमैन एवं पिता देव मूर्ति ने इन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया और रिद्धिमा में इंस्ट्रूमेंट म्यूजियम स्थापित किया। यहां जोगी सारंगी, रावण हत्था, गुलगुबा, अलगोजा, एकतारा जैसे फोक वाद्ययंत्र के साथ ही विचित्र वीणा, रुद्र वीणा, सरस्वती वीणा, मयूरी वीणा, सुरबहार, दिलरुबा, पखावज, मृदंग, गोपीचंद, कश्मीरी सारंगी, संतूर, सारिंदा जैसे शास्त्रीय वाद्ययंत्र भी रखे गए हैं।

प्रस्तुति : रामराज मिश्रा

एयर इंडिया व एयर कनाडा में फिर बहाल हुआ कोडशेयर

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने कनाडा की एयरलाइंस एयर कनाडा के साथ कोडशेयर समझौता फिर बहाल किया है, जिससे यात्रियों को ज्यादा विकल्प मिल सकेंगे। एयर इंडिया ने शनिवार को बताया कि यह समझौता 2 दिसंबर से प्रभावी होगा। इससे उसके यात्री वैंकूवर और लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के जरिये कनाडा के छह शहरों तक एयर इंडिया की वेबसाइट से एआई कोड के साथ टिकट बुक करा सकेंगे।

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 23 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

श्रम संहिता से मजबूत होगा देश का निर्यात तंत्र

अस्थिर वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा और अनुपालन मानकों को पूरा करने के लिए सुधार की थी जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि श्रम संहिताओं के लागू होने से देश का निर्यात तंत्र मजबूत होगा। यह सुधार अस्थिर वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा और अंतर्राष्ट्रीय अनुपालन के मानकों को पूरा करने के लिए बहुत जरूरी थे।

अधिकारी ने कहा कि श्रमिकों के लिए ये प्रावधान निष्पक्ष मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, समानता, कौशल उन्नयन के अवसर और श्रम की गरिमा सुनिश्चित करते हैं। एक ऐतिहासिक कदम में सरकार ने शुक्रवार को 2020 से लंबित चारों श्रम संहिताओं को लागू कर दिया। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि संहिताओं के हर प्रावधान अलग-अलग तरीके से भारत के निर्यात तंत्र को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि निर्यात करने वाले उद्योगों के लिए ये संहिताएं लचीलापन, सरलीकरण और पूर्वानुमान उपलब्ध कराती हैं, जो वैश्विक बाजारों की अस्थिरता में प्रतिस्पर्धा करने और विदेशी अनुपालन मानकों को पूरा करने के लिए जरूरी है। नियुक्ति और मजदूरी में लिंग के आधार पर भेदभाव पर रोक से समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित होगा। निर्यात उद्योगों के लिए इससे घरेलू प्रथाएं अंतर्राष्ट्रीय श्रम और मानवाधिकार मानकों के अनुरूप होंगी। महिलाओं को उनकी सहमति और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ रात की पाली में काम करने की अनुमति देने का प्रावधान उन निर्यात उद्योगों के लिए बहुत फायदेमंद है, जो 24 घंटे लगातार उत्पादन करते हैं, ताकि अंतर्राष्ट्रीय ऑर्डर समय से जा सकें। अब परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सेवाओं जैसे क्षेत्र की कंपनियां उचित परिवहन, सुरक्षा और कल्याण व्यवस्था के साथ कानूनी रूप से महिलाओं को देर रात काम पर रख सकती हैं।

सरकार, नियोक्ता और कर्मचारियों के बीच संवाद जरूरी : आईएलओ

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ हौंग्बो ने कहा कि भारत में श्रम संहिताएं लागू होने के बीच सरकार, नियोक्ता और कर्मचारियों के बीच सामाजिक संवाद बहुत जरूरी है, तभी ये संहिताएं कर्मचारियों और कारोबार, दोनों के लिए फायदेमंद होंगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, भारत में श्रम संहिताओं को लागू किए जाने को मैं बड़ी दिलचस्पी से देख रहा हूं। खासकर सामाजिक सुरक्षा और न्यूनतम मजदूरी से जुड़े हिस्सों को। इस बीच श्रम संहिताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए पॉलिसीबाजार फॉर बिजनेस के निदेशक सज्जा प्रवीण चौधरी ने कहा कि 40 साल से ऊपर के कर्मचारियों के लिए सालाना स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करना यह दिखाता है कि अब संगठन अपने कर्मचारियों की सेहत को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय में यह नीति और सक्रिय स्वास्थ्य प्रबंधन का मेल नियोक्ता और कर्मचारी दोनों को फायदा देगा। फाउंडेशन फॉर इकॉनॉमिक डेवलपमेंट के संस्थापक और निदेशक राहुल अहलूवालिया ने कहा कि नई श्रम संहिताएं विनिर्माताओं के लिए अनुपालन बोझ कम करती हैं और छंटनी की सीमा, तिमाही कार्य घंटे जैसे कई मामलों में राज्यों को अच्छा लचीलापन देती हैं।

गिग श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देगी श्रम संहिता

जोमैटो और ब्लिंकिट की मूल कंपनी इटरनल लिमिटेड ने शनिवार को चारों श्रम संहिताओं के लागू होने का स्वागत किया। इससे गिग श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच मजबूत होगी, जिसमें उसके जोमैटो और ब्लिंकिट कारोबार से जुड़े डिलीवरी साझेदार भी शामिल हैं। इटरनल ने शेयर बाजार को बताया कि लंबी अवधि में इन नए नियमों का उसके कारोबार की सेहत और स्थिरता पर कोई नकारात्मक वित्तीय असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने शुक्रवार को चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया, जिनके जरिए मौजूदा 29 श्रम कानूनों को एकीकृत किया गया है। ये संहिताएं – वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता 2020 हैं।

चावल-गेहूं नरम, दालों व खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, एजेंसी

● चावल 40 और गेहूं 15 रुपये प्रति क्विंटल हुआ सस्ता

दिल्ली थोक जिंस बाजार में आवक बढ़ने से शनिवार को चावल के भाव उतर गए। गेहूं में भी नरमी रही जबकि चीनी के दाम लगभग गत दिवस के स्तर पर ही स्थिर रहे। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 40 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। गेहूं भी 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। आटे की कीमत में पांच रुपये कमी आई। उड़द दाल की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी जबकि अन्य दालें सस्ती हुईं। मसूर दाल 43 रुपये और तुअर दाल 38 रुपये प्रति क्विंटल गयी। मूंग दाल की कीमत 11 रुपये और चना दाल की 13 रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 38 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।

सोया तेल के भाव 36 रुपये और पाम ऑयल के 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़े। सूरजमुखी तेल की कीमत कमोबेश गत दिवस के स्तर पर ही रही। मूंगफली तेल 157 रुपये और वनस्पति आठ रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आवक अधिक रहने से आज गुड़ 17 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। चीनी के भाव लगभग पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रहे।

8,000 करोड़ रुपये जुटाएगी सागरमाला

नई दिल्ली। सागरमाला फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसएमएफसीएल) देश की समुद्री ताकत को और मजबूत करने के लिए चालू वित्त वर्ष में बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बॉण्ड के जरिए 8,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। एसएमएफसीएल को पहले सागरमाला डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था।

इंडिगो की मूल कंपनी सेंसेक्स में होगी शामिल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाले इंटरग्लोब एविएशन 22 दिसंबर से बीएसई के 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स में शामिल हो जाएगी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने यह जानकारी दी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को इस सूचकांक से बाहर कर दिया जाएगा।

इस्पात उद्योग को मिली राहत

नई दिल्ली। इस्पात उद्योग को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने 55 आईएस (इंडियन स्टैंडर्ड) मानकों का प्रवर्तन एक से तीन साल के लिए टाल दिया है। इस्पात मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि संभावित डाउनस्ट्रीम मूल्य निर्धारण प्रभावों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा उपभोक्ता उद्योगों के लिए इस्पात की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की जरुरत और कुछ विशेष ग्रेड के लिए आयात पर निरंतर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए गैर-वित्तीय नियामक सुधारों पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर यह फैसला किया है। समिति ने अनुचित व्यापार प्रथाओं की रोक, छोटे इस्पात उत्पादकों को समर्थन और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन देने के विचारों का आकलन किया।

रेलवे ने एक अरब टन माल ढुलाई का आंकड़ा किया पार

नई दिल्ली, एजेंसी

रेलवे का माल ढुलाई प्रदर्शन भारत की आर्थिक रीढ़ को लगातार मजबूत कर रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 19 नवंबर तक कुल माल ढुलाई ने एक अरब टन का आंकड़ा पार कर लिया है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इस दौरान कुल माल ढुलाई 102 करोड़ टन से अधिक रही।

मंत्रालय के अनुसार, यह उपलब्धि प्रमुख क्षेत्रों से व्यापक समर्थन को दर्शाती है। कोयला सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जिसकी मात्रा 50.5 करोड़ टन है। लौह अयस्क 11.5 करोड़ टन, सीमेंट 9.2 करोड़ टन, कंटेनर व्यापार 5.9 करोड़ टन, कच्चा लोहा और तैयार इस्पात 4.7 करोड़ टन, उर्वरक 4.2 करोड़ टन, खनिज तेल 3.2 करोड़ टन, खाद्यान्न तीन करोड़ टन, इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल लगभग दो करोड़ टन और अन्य माल 7.4 करोड़ टन रहा। दैनिक माल ढुलाई लगभग 44 लाख टन पर मजबूत बनी हुई है, जो पिछले वर्ष के 42 लाख टन से अधिक है, और यह बेहतर संचालन दक्षता और लगातार मांग को दर्शाता है।

रवींद्रन को एक अरब डॉलर चुकाने का आदेश

नई दिल्ली। अमेरिका की अदालत ने बायजू अल्फा और अमेरिका स्थित ऋणदाता जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की याचिका पर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट निर्णय सुनाया है। आदेश के तहत रवींद्रन को एक अरब डॉलर से अधिक की राशि चुकानी होगी। यह फैसला 20 नवंबर को आया। सुनवाई के दौरान डेलावेयर दिवाला अदालत ने पाया कि रवींद्रन ने उसके दस्तावेजी जानकारी आदेश का पालन नहीं किया और कई मौकों पर टालमटोल करते रहे। अदालत ने प्रतिवादी रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट निर्णय सुना दिया है। इसमें 533,000,000 डॉलर भुगतान के लिए तय की गई है, और खंड 2, 5 और 6 से संबंधित मामले में 540,647,109 .29 डॉलर की राशि चुकाने का आदेश दिया गया है।

सूचना

मैंने अपना नाम MOHD HASSAN से बदल कर MOHAMMED HASSAN AZKIYA KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: AZKIYA KHAN R/O:VILL NAYA JAGANPUR TAH SOHAWAL FAIZABAD UTTAR PRADESH 224188

सूचना

मैंने अपना नाम VANDANA MIRCHANDANI से बदल कर VANDANA D MIRCHANDANI रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O:DEEPAK MIRCHANDANI R/O:B 21 MALL AVENUE SCHEME AWAS VIKAS COLONY LUCKNOW UTTAR PRADESH- 226001

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो के लिये ई–निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है:–

क्रम सं.-1, निविदा सं.: वमंविइं-टीआरडी-लजं-ओटी-176, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में बिंदौरा स्टेशन पर विस्तारित लूप लाइन संख्या 5 का विद्युतीकरण। ई-निविदा बन्द होने की तिथि व समय: 23-12-2025 व 15:00 बजे, ई-निविदा खुलने की तिथि व समय: 23-12-2025 व 15:30 बजे, अनुमानित लागत: ₹ 1,12,41,163.51, बयाना राशि: ₹ 2,06,200/-, निविदा मूल्य: ₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधि: 09 माह।

नोट: (1) इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। **(2)** विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत–195 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/ईएनएचएम, फ्रेट एवं डीएम/ल0जं0, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल बिडसिस्टम आधारित खुली ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम: 08-2025-Mech-FRT-DM "कम्प्रिहेनसिव एनुअन मेन्टेन्स कान्ट्रैक्ट (सी0ए0 एम0 सी0) आफ सी एन सी सरफेस व्हील लेथ (एस डब्लू एल–143) ऐट आर ओ एच डिपो गोण्डा फार थ्री इयरस" **अनुमानित लागत (रु. में) :** 1,11,70,588.00/– **अग्रिम धन (रु.में):** 2,05,900.00/– निविदा की अवधि: 36 माह। ●ई–निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 17.12.2025, 15:00 बजे तक एवं यह ई–निविदा दिनांक 17.12.2025 को 15:00 बजे के बाद खोली जायेगी। ●इस ई–निविदा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्ते, पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in.** पर उपलब्ध है। ●निविदाकार ई–निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल यांत्रिक इंजी./सीएनडब्लू लखनऊ
मुजाधि/यांत्रिक–92

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

राष्ट्रीय

शीतकालीन सत्र के लिए 10 विधेयक सूचीबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

● निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला विधेयक भी सूची में सरकार ने किया शामिल

सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश करने के लिए कुल 10 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला एक विधेयक भी शामिल है। 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025' भारत में परमाणु ऊर्जा के उपयोग और विनियमन को नियंत्रित करने के उद्देश्य लाया जा रहा है। इस सत्र के लिए उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी सरकार के एजेंडे में है।

लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, प्रस्तावित कानून विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र और स्वशासी संस्थान बनने और मान्यता व स्वायत्तता की एक मजबूत और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ाने के लिए भारत के उच्च शिक्षा आयोग की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है। राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक भी परिचय के लिए सूचीबद्ध है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए तेज़ और पारदर्शी भूमि अधिग्रहण करना है।

कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक भी एजेंडे में है, जिसका उद्देश्य व्यवसाय करने में आसानी की सुविधा के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और एलएलपी (सीमित देयता भागीदारी) अधिनियम, 2008 में संशोधन करना है। सरकार के एजेंडे में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक (एसएमसी), 2025 है, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992, डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को एक तर्कसंगत एकल प्रतिभूति बाजार संहिता में समेकित करने का प्रस्ताव करता है। सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में संशोधन की भी योजना बना रही है।

यूजीसी का स्थान लेगा शिक्षा विनियामक

उच्च शिक्षा के एकीकृत विनियामक के लिए संसद सत्र में विधेयक पेश होगा जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का स्थान लेगा। प्रस्तावित विधेयक का नाम भारतीय उच्च शिक्षा आयोग विधेयक रखा गया है। नई नीति के तहत प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई), यूजीसी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) का स्थान लेगा। यूजीसी गैर तकनीकी उच्च शिक्षा का विनियामक है जबकि एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा का विनियमन करता है और एनसीटीई शिक्षक शिक्षा का नियामक निकाय है।

बाजार कानून से कारोबार होगा आसान

लोकसभा सचिवालय ने बताया कि शीतकालीन सत्र के लिए प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक को सूचीबद्ध किया गया है। यह एकीकृत बाजार संहिता कारोबार को आसान बनाएगा। विधेयक का मकसद सेबी कानून 1992, डिपॉजिटरीज कानून 1996 और प्रतिभूति लेनदेन (नियमन) कानून 1956 के प्रावधानों को संहिता में मिलाना है।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, चित्रकूट।

संख्याः 1330 / जि0आ0 अ0/ चित्रकूट / अपील व आ0 सू0/2025–26/ दिनांक. नवम्बर 21. 2025

हिन्दी दैनिक अमृत विचार की 6वीं वर्षगांठ पर सभी जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अपील/आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि युवाओं के बीच नशा का बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय है इस नशे की आदत से युवा वर्ग समाज के रचनात्मक विकास में अपना योगदान नहीं कर पा रहा है। ऐसी स्थिति में आप सभी से अपील है कि युवाओ को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव के सम्बन्ध में जागरूक करे, ताकि युवा वर्ग नशा मुक्त जीवन यापन करते हुए समाज के रचनात्मक विकास में महत्वपूर्ण सदस्य की भूमिका अदा कर सकें।

(अखिलेन्द्र बहादुर सिंह) जिला आबकारी अधिकारी चित्रकूट।
पुलकित गर्ग जिलाधिकारी चित्रकूट

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल पैकेट पद्धति से ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 15.12.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुवल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नहीं करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

	निविदा सूचना संख्या	01192025 दिनांक 21.11.2025
1	कार्य का नाम	1. वरि. मण्डल इंजीनियर–तृतीय/उ.रे./ लख. के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियन्ता/ वाराणसी के अधीन वाराणसी स्टेशन पर रनिंग रूम में महिला कर्मचारियों के लिए संलग्न शौचालयों का प्रावधान तथा वाराणसी में नयी सी.डी.ओ. भवन में 01 लिफ्ट के प्रावधान के संबंध में सिविल कार्य। 2. वरि. मण्डल इंजीनियर–तृतीय/उ.रे./लख. के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियन्ता/ वाराणसी के अधीन पुरानी वाशिंग लाइन सं. 2 तथा 4 में क्षतिग्रस्त बेड ब्लाक्स के सुधार/उन्नयन का कार्य तथा वाराणसी यार्ड में समपार सं. 5 पर नयी वाशिंग लाइन में पाइप लाइन का प्रावधान।
2	अनुमानित लागत	1. रु. 45,09,534.78 2. रु. 1,59,05,609.44
3	धरोहर राशि	1. रु. 90,200.00 2. रु. 2,29,500.00
4	कार्य की समापन अवधि	क्रम सं. 01 से 02 तक के लिए : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छह (06) माह।
5	निविदा डालने का प्रारंभ	क्रम सं. 01 से 02 के लिए : 01.12.2025
6	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	क्रम सं. 01 से 02 के लिए : 15.12.2025 15:00 बजे
7	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट : तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे सम्बन्धित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नहीं किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रों को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय उ.रे. नयी दिल्ली का पत्र सं. 74-W/O/Pt.XXV/WA/Loose दिनाँक 07.04.2015)

3639/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, सुलतानपुर।

पत्रांक :– 1548/जि0का0अधि0/बा0वि0परि0/विज्ञप्ति/2025–26 दिनांक :– 22.11.2025

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रमुख सचिव, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उत्तर प्रदेश लखनऊ के शासनादेश संख्या–2025/3313/58–1–2025 (1917687) दिनांक 17 सितम्बर, 2025 में वर्णित व्यवस्थानुसार जनपद सुलतानपुर में संचालित बाल विकास परियोजना अखण्डनगर, बल्दीराय, दोस्तपुर, कूरेभार, तथा पी0पी0 कमैचा के अन्तर्गत पूर्व विज्ञापित 158 आंगनवाडी कार्यकत्री के पदों में रिक्त रह गये 07 आंगनबाडी कार्यकत्रियों रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सीधी भर्ती प्रकिया के तहत विभागीय वेबसाइट http://upanganwadibharti.in पर ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आँगनबाड़ी कार्यकत्री के रिक्त पदों का परियोजनावार विवरण निम्नवत् है–

क्रम सं0	जनपद का नाम	परियोजना का नाम	पूर्व चयन प्रकिया से आच्छादित रिक्त आंगनवाडी कार्यकत्री के पदों का विवरण				
			अनारक्षित	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	योग
01	02	03	04	05	06	07	08
1	सुलतानपुर	अखण्डनगर	0	0	1	0	1
2	सुलतानपुर	बल्दीराय	0	0	1	0	1
3	सुलतानपुर	दोस्तपुर	0	0	1	0	1
4	सुलतानपुर	कूरेभार	2	0	1	0	3
5	सुलतानपुर	पी0पी0 कमैचा	1	0	0	0	1
			3	0	4	0	7

उपरोक्त रिक्त पदों की ग्रामसभा/वार्डवार विवरण एवं आरक्षण सहित अर्हता का पूर्ण विवरण जनपद के कलेक्ट्रेट, विकास भवन, सम्बंधित तहसील एवं विकास खण्ड तथा बाल विकास परियोजना कार्यालय इत्यादि कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है साथ ही विभागीय बेबसाईट http://upanganwadibharti.in पर अपलोड है।

विज्ञापित पदों की अर्हता एवं आवेदन पत्र भरने हेतु विशेष निर्देश–

1–संविदा आधारित उक्त विज्ञापित पदों हेतु केवल महिला अभ्यर्थी ही पात्र होगें।
2–आँगनबाड़ी कार्यकत्री के पद हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट या उसके समकक्ष होगी तथा अधिकतम शैक्षिक योग्यता परास्नातक के आधार पर मेरिट तैयार होगी।
3–आँगनबाड़ी कार्यकत्री पद हेतु आवेदिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष व अधिकतम आयु 35 वर्ष होगी। दिनांक 01.07.2025 को आयु 18 वर्ष से कम एवं 35 वर्ष से अधिक न हो। आयु के सम्बन्ध में हाई स्कूल अंक पत्र/प्रमाण पत्र में अंकित जन्म तिथि मान्य होगी।
4– चयन में उसी ग्राम समा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की विधवा महिला / विधिक तलाकशुदा/परित्यक्ता महिला को वरीयता दी जायेगी।
5–विधवा हेतु ग्राम पंचायत अधिकारी/सम्बन्धित नगर निकाय द्वारा निर्गत मृत्यु प्रमाण–पत्र एवं परिवार पंजिका की प्रमाणित नकल मान्य होगी। तलाकशुदा / परित्यकता के सम्बन्ध में सक्षम न्यायालय द्वारा निर्गत विधिक आदेश मान्य होंगे।
6–विधवा/तलाकशुदा/परित्यक्ता महिला के गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार का अभ्यर्थी न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की महिलाओं को वरीयता प्रदान की जायेगी।
7–गरीबी रेखा से नीचे की विधवा/तलाकशुदा/परित्यक्ता महिलाएं/गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार का अभ्यर्थी न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से ऊपर की विधवा महिला/परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलाएं।
8–उपरोक्तानुसार अभ्यर्थी न मिलने पर उसी ग्राम समा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा के ऊपर जीवन यापन करने वाले परिवार की महिलाएं।
9–निवास एवं जाति प्रमाण–पत्र के सम्बन्ध में तहसील से आनलाईन डिजिटल हस्ताक्षर से निर्गत निवास व जाति प्रमाण–पत्र ही मान्य होंगे जिनका ऑनलाईन सत्यापन सम्भव हो।
10–आय प्रमाण–पत्र के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश शासन के राजस्व अनुभाग–9 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 3959/1–9–11–राज–9 दिनांक 30.09.2011 (यथा संशोधित) के कम में सक्षम स्तर से निर्गत आय प्रमाण–पत्र ही मान्य होगें जिनका आनलाईन सत्यापन सम्भव हो।
11–आवेदन पत्र विभागीय बेवसाइट http://upanganwadibharti.in पर उपलब्ध फार्मेट पर ऑनलाईन व सही–सही सावधानीपूर्वक भरे जायेगें। आवेदिका द्वारा अभिलेखों की स्व–हस्ताक्षरित प्रति, जो स्वच्छ व पठनीय हो, अपलोड की जायेगी, जिनका उल्लेख उनके द्वारा ऑनलाइन फार्म किया गया होगा। कोई भी आवेदन या अभिलेख/प्रपत्र ऑफलाइन या डाक द्वारा मान्य नहीं होगें। यदि आवेदन करने में कोई त्रुटि होती है या कोई तथ्य/आंकडे/शैक्षिक अभिलेखों के प्राप्तांक/पूर्णांक गलत या कूटरचित पाए जायेगे, तो अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा। त्रुटिरहित आवेदन पत्र पोर्टल पर भरने के लिए सम्बंधित अभ्यर्थी स्वयं उत्तरदायी होगे।
12–ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 13.12.2025 होगी।

भवदीय,
(शरद कुमार त्रिपाठी)
जिला कार्यक्रम अधिकारी सुलतानपुर।

कथा का शुभारंभ करतीं विशिष्ट अतिथि। अमृत विचार

श्रीमद्भागवत कथा : जहां नारी का सम्मान होता है वहां निवास करते हैं देवता

लखनऊ, अमृत विचार : राजाजीपुरम स्थित बाबा की बगिया में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में शनिवार को आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी वैष्णवी भारती ने रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि इस प्रसंग से सीख मिलती है कि प्रभु उस आत्मा का वरण करते हैं जिसमें उन्हें प्राप्त करने की सच्ची जिज्ञासा हो। कथा को आगे बढ़ाते हुए साध्वी ने कहा कि भौमासुर राक्षस की कैद में सोलह हज़ार राजकुमारियां थीं। उन्होंने मन ही मन भगवान श्रीकृष्ण जी को अपनी रक्षा के लिए पुकार लगाई। इधर इन्द्रदेव ने द्वारिका जाकर प्रभु को भौमासुर राक्षस के कुकृत्यों के विषय में बताया। प्रभु यह सब सुन कर एक ही निर्णय लेते हैं कि मैं प्रत्येक वस्तु चुराने के लिए उस राक्षस को क्षमा कर सकता हूं परन्तु नारी का अपमान सहन नहीं कर सकता। यही कारण था कि प्रभु और भौमासुर में घमासान युद्ध हुआ। राक्षस मारा गया और सोलह हजार नारियों को उस आततायी की कैद से प्रभु श्रीकृष्ण ने मुक्त करवाया। समाज में उनकी पुन: प्रतिष्ठा हेतु प्रभु ने नवयुवकों का आह्वान किया। किसी को भी आगे बढ़ता न देख कर उन्होंने स्वयं उनको अपना नाम दिया, क्योंकि भगवान जानते थे समाज में एक नारी की कैसी स्थिति होनी चाहिए। समाज में नारी का क्या स्थान है वो इससे परिचित थे। उन्होंने कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां देवता भी निवास करते हैं। नारी नेतृत्व करने वाली, महिला जो पूजा के योग्य है, स्त्री जो प्रेम सद्भावना का विस्तार करती है ऐसा माना गया है। साध्वी ने कहा कि अर्जुन, अभिमन्यु, प्रताप, शिवाजी का चरित्र पढ़िए, उनमें असाधारण वीरता थी । वे वीर रत्न माता के उदर से ही महान संस्कार प्राप्त करके उत्पन्न हुए थे। इस मौके पर राष्ट्रकवि एवं साहित्यकार वेद व्रत, एरा मेडिकल कॉलेज के डॉ. एमएन फरीदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांक:– 3600/2ए दिनांक : 18.11.2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है ।

क्र0 सं0	जनपद/ खण्ड/ विधानसभ का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	उमरीबेगमगंज अस्पताल से डिक्सिर होते हुए सिधौटी सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	22.10	2.21	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
2	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	ऐली सेमरी से धन्नीपुरवा होते हुए डिक्सिर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	13.71	1.38	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
3	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	गोण्डा बेलसर उमरीबेगमगंज मार्ग के किमी0 14 से जुगराजपुरवा दर्जीपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	19.68	1.97	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
4	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	गोण्डा बेलसर मार्ग के किमी0 12 से भालू पाण्डेयपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	14.17	1.42	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
5	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	गोण्डा बेलसर मार्ग से लौव्वा टेपरा पूरे निश्चल सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	10.50	1.05	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
6	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	गोपीपुर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	15.17	1.52	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
7	गोण्डा/ निर्माण खण्ड–2	श्रीरामपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	11.32	1.14	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट– http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25.11.2025 से 15.12.2025 तक सांय 03.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 03.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 03.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 15.12.2025 के अपरान्ह 03.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा ।

UP – 241144 दिनांक: 21/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनोद कुमार त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0 गोण्डा

अमेरिका की अड़चन के बाद भी जोहान्सबर्ग में जी-20 घोषणा पत्र जारी

द. अफ्रीका के मंत्री ने एसएबीसी संग वार्ता में घोषणा पत्र को बहुपक्षवाद की पुष्टि बताया

- सम्मेलन की शुरुआत में घोषणा पत्र का अपनाया जाना असामान्य

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल वैश्विक नेता।

दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले शासनाध्यक्षों ने शनिवार को अमेरिका की अड़चन के बावजूद एक घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग मामलों के मंत्री रोनाल्ड लामोला ने सरकारी प्रसारक 'एसएबीसी' के साथ बातचीत में इस घोषणा पत्र को 'बहुपक्षवाद की पुष्टि' करार दिया।

उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक महान पल है, क्योंकि उनका मानना है कि इससे महाद्वीप में क्रांति आएगी। आमतौर पर घोषणा पत्र को जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के अंत में अपनाया जाता है। हालांकि, इस बार इसे सम्मेलन की शुरुआत में ही स्वीकार कर लिया गया। लमोला ने शिखर सम्मेलन के शुरुआती चरण में ही घोषणा पत्र को अपनाए जाने के असामान्य घटनाक्रम पर कहा कि उन शेरपाओं ने घोषणा पत्र पर विचार-विमर्श किया और सहमति जता दी, जिन्हें इसे स्वीकार करना था। घोषणा पत्र में क्या है, यहां मौजूद विभिन्न नेताओं के शेरपाओं ने उन्हें इसकी जानकारी दे दी है, इसलिए ऐसी कोई वजह नहीं थी, जो हमें इस घोषणा पत्र को शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में मौजूद नेताओं के समक्ष पेश करने से रोके। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि वे इसे अपनाने के लिए सहमत हो गए।

अमेरिका के बिना जारी रहेगा जी-20

शिखर सम्मेलन में हिस्सा न लेने और अपनी गैर-मौजूदगी में घोषणा पत्र को अपनाने के प्रयासों में बाधा डालने के अमेरिका के कदम के बारे में लमोला ने दोहराया कि जी-20 अमेरिका के साथ या उसके बिना भी बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा कि जी-20 को केवल आमंत्रित व्यक्ति की अनुपस्थिति के आधार पर ठप नहीं किया जा सकता। बहुपक्षीय मंच को सक्रिय रहना चाहिए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से इसने अच्छा काम किया है, इसलिए दक्षिण अफ्रीका सभी बैठकों में यही संदेश दे रहा था कि हमें घोषणा पत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। लमोला ने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि घोषणा पत्र सफल हो और पूरी दुनिया इसमें शामिल हो। वे इस बात पर सहमत हुए हैं कि यही सही रास्ता है। अब यह सहयोग का ऐसा मंच है, जहां दुनिया के सभी नेता कह रहे हैं कि दुनिया को इसी राह पर जाना चाहिए। सहयोग ही एक मात्र रास्ता है। यह बहुपक्षवाद की पुष्टि है।

वैश्विक स्तर पर असमानताएं अन्यायपूर्ण : दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने शनिवार को देशों के अंदर और देशों के बीच धन एवं विकास में असमानताओं को अन्यायपूर्ण और असतत बताते हुए इन्हें वैश्विक प्रगति के सबसे बड़े अवरोधों में से एक करार दिया। यहां जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने के दौरान रामाफोसा ने यह बात कही। जोहानिसबर्ग में एकत्र लगभग 40 राष्ट्राध्यक्षों को संबोधित करते हुए रामाफोसा ने टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने को आर्थिक स्थिति, लैंगिक, नस्लीय और भौगोलिक आधार पर विभाजनों को समाप्त करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्ति की योजना से जेलेंस्की बाहर

वाशिंगटन, एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने के लिए 28 सूत्री नई योजना पेश की और साथ ही साफ कर दिया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के पास लड़ाई को लंबे समय तक जारी रखने का विकल्प नहीं है और उन्हें इस योजना को स्वीकार करना होगा जो रूस की ओर झुकी प्रतीत होती है। ट्रंप पहले भी जेलेंस्की की सहमति के बिना ही यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने की अपनी योजना पर आगे बढ़ चुके हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति उनकी सरकार की युद्ध समाप्त करने की नई योजना पर अगले गुरुवार तक प्रतिक्रिया देंगे। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा, हम मानते हैं कि हमारे पास शांति स्थापित करने का एक तरीका है। जेलेंस्की को इसे मंजूर करना होगा। यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार पर भ्रष्टाचार के साथ युद्ध के मैदान से मिल रही चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है रूस लगातार उसके ऊर्जा अवसंरचना पर बमबारी कर रहा है जिससे यूक्रेनवासियों के लिए सर्दी का मौसम कठिनाई भरा होने की आशंका है। ट्रंप द्वारा योजना के सार्वजनिक किये जाने के बाद से जेलेंस्की ने उनसे बात नहीं की है। जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले दिनों में उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत होने की उम्मीद है। ट्रंप ने नई योजना में यूक्रेन पर दबाव डाल रहे हैं कि वह रूस को जमीन दे, सेना में कटौती पर सहमत हों साथ ही यूरोप भरोसा दे कि वह यूक्रेन को कभी नाटो सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं करेगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बहराइच-श्रावस्ती वृत्त, लोक निर्माण विभाग, बहराइच

पत्रांक : 3887/8 काम/ई-टेण्डरिंग/बहराइच-श्रावस्ती वृत्त/2025-26 दिनांक : 19-11-2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना प्रकाशन

1. अधीक्षण अभियन्ता, बहराइच-श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच द्वारा महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में "ए, बी एवं सी" श्रेणी मार्ग कार्य के पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से जनपद बहराइच के निम्न वर्णन के अनुसार मार्ग निर्माण कार्य किये जाने हेतु कार्य की निविदा प्रतिशत दरों के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा की लागत (बिना जी0एस0टी0) (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क + स्टेशनरी शुल्क + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
विधानसभा-मटेरा।						
1	बहराइच	जोकहा सलारपुर सं0मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य। (विभागीय हाटमिक्स प्लांट द्वारा)	116.00	7.80	2715.00	05 माह
2	बहराइच	गोविन्दपुर कोठार सं0मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	33.80	3.38	2715.00	02 माह

2. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड-सबमिट करने का माध्यम-

(क) बिड डाक्यूमेन्ट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25-11-2025 से 05-12-2025 तक उपलब्ध रहेगी, जो आनलाइन इसी साइट पर सबमिट की जायेगी।

(ख) निविदा डालने हेतु निविदादाता को उपरोक्त वेबसाइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। निविदायें आनलाइन डालने हेतु निविदादाता के पास किसी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथोरिटी द्वारा जारी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना अनिवार्य है।

(ग) ई-प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 05-12-2025 दोपहर 12.00 बजे तक एवं टेक्निकल बिड दिनांक 05-12-2025 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, बहराइच-श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच में खोली जायेगी। विस्तृत विवरण http://etender. up.nic.in पर देखा जा सकता है।

(घ) निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्त तथा विवरण वेबसाइट http://etender. up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के प्रहरी साफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि 05-12-2025 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धि पत्र यदि कोई हो, तो उसे ई-टेण्डर पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा।

UP - 241170 **दिनांक:** 21/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(इं0 प्रदीप कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बहराइच

(इं0 अजय भास्कर)
अधीक्षण अभियन्ता
बहराइच-श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच

ब्रिटेन ने हिंदू चित्रों की अनूठी शृंखला के निर्यात पर लगाई रोक

लंदन, एजेंसी : ब्रिटेन सरकार ने इस सप्ताह 200 वर्ष पुराने उन रंगीन और अनूठे चित्रों की एक शृंखला के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण आख्यानों में से एक को दर्शाते हैं। देवी मां की उत्पत्ति और विजय को दर्शाने वाले 56 चित्रों की एक शृंखला को रखने के लिए एक खरीदार की तलाश की जा रही है। इन चित्रों का मूल्य लगभग 2,80,000 पाउंड है। इस अनूठी श्रृंखला में, 56 चित्रों में सोने और चांदी के रंग का उपयोग किया गया है। ब्रिटेन की संस्कृति मंत्री बैरोनेस फियोना ट्विक्रॉस ने कहा कि यह शृंखला न केवल सुंदर है, बल्कि अद्वितीय है। क्योंकि हमारे देश में इस तरह की कोई अन्य लगभग पूर्ण कथा मौजूद नहीं है, इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम इस शृंखला को ब्रिटेन में ही रखने का अवसर लें और शोधकर्ताओं को इसके रहस्यों को उजागर करने के लिए महत्वपूर्ण समय दें। यह शृंखला लगभग पूरी तरह से अक्षुण्ण है, जिसमें मूल 59 चित्रों में से 56 पृष्ठ हैं, तथा आवरण पृष्ठ पर संस्कृत और हिन्दी में शिलालेख हैं, जिनमें अलग-अलग चित्रों के विषयों का वर्णन है। ये 1810 की हैं और पंजाब के कांगड़ा क्षेत्र में चित्रित की गई थीं।

मानव सेवा ही ईश्वर की सेवा : राष्ट्रपति

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश), एजेंसी : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि पूज्य आध्यात्मिक गुरु सत्य साई बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। श्री सत्यसाई जिले के पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सत्य साई बाबा ने इस विश्वास का प्रचार किया कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। मुर्मू ने कहा कि सत्य साई बाबा ने अध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा। साईं बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति के अनुसार, सत्य साई बाबा ने अपने अनुयायियों से आध्यात्मिकता को लोक कल्याण के साथ जोड़ने का आग्रह किया। यह देखकर खुशी होती है कि इतने सारे देशों में उनके भक्त वंचितों की सेवा कर रहे हैं। सत्य साई बाबा का नि:स्वार्थ सेवा के माध्यम से नि:स्वार्थ प्रेम का संदेश श्री सत्य साई संगठन को सेवा के वास्ते स्वयंसेवा करने के लिए प्रेरित कर रहा है। कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे ऋषि-मुनियों ने अपने कार्यों और वचनों से समाज का मार्गदर्शन किया है और जन कल्याण के लिए अनेक पहल की हैं।

नाइजीरिया में 300 बच्चों का अपहरण

अबुजा: नाइजीरिया के नाइजर में बंदूकधारियों ने कैथोलिक संस्थान पर हमला कर 303 स्कूली छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया' ने यह जानकारी दी। सीएएन ने पहले बताया था कि 215 छात्रों का अपहरण किया गया है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के अध्यक्ष मोस्ट रेवरेंड बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार सत्यापन प्रक्रिया और अंतिम गणना के बाद संख्या में बदलाव किया गया। योहाना ने शुक्रवार को स्कूल का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान 88 अन्य छात्रों को भागने की कोशिश करते समय पकड़ लिया गया।

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001 : 2008 प्रमाणित संस्था)
प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ0प्र0) टोल-फ्री: 1800 1800 5000, वेबसाइट: http://www.ldalucknow.in

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामान्तरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है:-

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड संख्या	योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से (मृतक) का सम्बन्ध
1.	सुनील कुमार यादव	भूखण्ड सं0 ई-4/947	सेक्टर-ओ, मानसरोवर कानपुर रोड योजना	27.12.2018	अर्चना देवी, अक्षय कुमार, तनीशा, राम सिया देवी	------	पत्नी, पुत्र पुत्री एवं माता
2.	श्री मान बहादुर सिंह व स्व0 सुनीता सिंह (सहआवंटी)	भूखण्ड सं0 3/625-B	विनीत खण्ड गोमती नगर योजना	17.08.2025	श्री मान बहादुर सिंह, श्री विशाल सिंह	श्रीमती अनामिका सिंह	पति एवं पुत्र
3.	स्व0 रमेश चन्द्र दास	भवन सं0 ES-1B/465	सेक्टर-ए सीतापुर रोड योजना	12.03.2019	(1) श्रीमती पुनीत दास (पत्नी) (2) श्रीमती प्रियंका (विवाहित पुत्री) (3) श्री शिवांक (पुत्र)	------	पत्नी/पुत्री/पुत्र
4.	स्व0 आर0एस0 मिश्रा	भूखण्ड सं0 बी-71	टी0जी0 नार्थ चाँदगंज योजना	23.08.1999	डॉ0 शाम्भवी मिश्रा (पुत्री स्व0 डॉ0 प्रदीप मिश्रा पौत्री स्व0 आर0एस0 मिश्रा)	श्रीमती डॉ0 अंजली शुक्ला	पौत्री
5.	श्रीमती विनोद शुक्ला एवं श्रीमती नमिता शुक्ला	भूखण्ड सं0 के-305-सी सी	सेक्टर-के, आशियाना कानपुर रोड योजना	श्रीमती विनोद शुक्ला की मृत्यु दिनांक 06.05.2021 एवं श्रीमती नमिता शुक्ला की मृत्यु दिनांक 03.05.2021	कुमारी आरना आनंद (नाबालिग) व कुमारी कियारा आनन्द (नाबालिग) संरक्षक पिता श्री गौरव आनन्द	मा0न्यायालय सिविल जज (सी0डि0), मलिहाबाद लखनऊ मूल वाद संख्या-1498/22 अरना आनन्द बनाम उ0प्र0 सरकार व अन्य में पारित निर्णय आदेश दिनांक 24.07.2025 के अनुसार	नातिन/पुत्री

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कालम-6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। **सचिव**

कार्यालय नगर पालिका परिषद जलालपुर-अम्बेडकर नगर।

पत्रांक: 810/न0पा0परि0ज0/अलाव हेतु लकड़ी/2025-26 दिनांक: 19.11.2025

अति-अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारो को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद जलालपुर को राज्य वित/पालिका फण्ड के अन्तर्गत अलाव जलाने हेतु सूखी जलौनी लकड़ी की आपूर्ति की आवयकता है, जिसके लिए ई-टेण्डर के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी महत्वपूर्ण तिथियां निम्नवत है:-

क्रमांक	विवरण	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
1.	निविदा देखने/डाउनलोड /खरीदने की तिथि	25.11.2025 12:00 PM	10.12.2025 01:00 PM
2.	प्री-बिड मीटिंग	02.12.2025 02:00 PM	----------
3.	बिड समाप्ति की तिथि	----------	10.12.2025 01:00 PM
	बिड खोलने की तिथि एवं समय		10.12.2025 02:00 PM
	वेबसाइट-	etender.up.nic.in	

निविदा से संबंधित विवरण / शर्ते व अन्य जानकारी वेबसाइट- etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। निविदा के संबंध में किसी परिवर्तन/ संशोधन के लिए वेबसाइट का अवलोकन करते रहे अलग से विज्ञप्ति जारी नहीं की जायेगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद जलालपुर
अम्बेडकरनगर।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद जलालपुर
अम्बेडकरनगर।

लखनऊ नगर निगम

लालबाग, टी.एन. रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.)
ई-मेल: nnlko@up.nice.in

निम्नलिखित भवनों के नाम परिवर्तन हेतु आवेदन-पत्र प्राप्त होने के उपरान्त नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा-213(बी-2) के अन्तर्गत नोटिस जारी की जा चुकी है। निम्नलिखित नाम परिवर्तन में यदि कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिन के अन्दर लिखित आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्बन्धित जोनल कार्यालय में प्रस्तुत करें। आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में नाम परिवर्तन की कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

जोन-5

क्र. सं.	भवन संख्या व मोहल्ला	दर्ज भवन स्वामी का नाम	जिसके नाम दर्ज होना है	नामान्तरण का आधार
बाबू कुंज बिहारी-ओम नगर				
1	551क/858/01 (551क/320) साकेतपुरी	श्री अरूण कुमार व अन्य	श्रीमती पूजा कनौजिया	रजिस्ट्री
2	551क/ओ-408 ओम नगर	श्रीमती चम्पा देवी	श्री जितेश कुमार प्रजापति व अन्य	दान विलेख
3	557/544 ओम नगर	श्रीमती श्यामा देवी	श्री मंगला प्रसाद	रजिस्ट्री
4	568/077 अहमदपुर	श्रीमती कुसुम तिवारी	श्री चन्द्रशेखर तिवारी	पारिवारिक
5	556/464 सुजानपुरा	श्री राम प्रताप	श्री सुरेश चन्द्र	वसीयत
6	556/464/01 सुजानपुरा	श्री राम प्रताप	श्री प्रकाश चन्द्र	वसीयत
7	551क/ओ-002/01 ओम नगर	श्रीमती अफरोज जहॉ	श्रीमती रईसा कुरैशी	रजिस्ट्री
8	568/520 अहमदपुर	श्री अनाथ बन्धु श्रीवास्तव व देशबन्धु श्रीवास्तव	श्री सौरभ श्रीवास्तव	दान विलेख
9	557/287/01 ओम नगर	श्रीमती कुसुम वर्मा	श्री संतोष	रजिस्ट्री
10	554/904 छोटा बरहा	श्री मनीष लखमानी	श्रीमती मंजू ढीगरा	रजिस्ट्री
11	554/597 ओम नगर	श्री दिलीप शर्मा	श्री अभ्युदय भट्ट व उद्गम भट्ट	पारिवारिक
12	551क/ओ-150-बी ओम नगर	श्री सतीश चन्द्र मलिक	श्री हेमन्त दयाल	रजिस्ट्री
13	551क/ओ-150-ए ओम नगर	श्री अनिल कुमार मलिक	श्री हेमन्त दयाल व अनुप्रिया दयाल	रजिस्ट्री
14	568/552 अहमदपुर	श्रीमती मनोरमा देवी	श्रीमती सीमा मिश्रा	दान विलेख
रामजीलाल सरदार पटेल नगर				
15	563/135 चित्रगुप्त नगर	श्री मनीष कुमार तिवारी	श्रीमती रचना द्विवेदी	पारिवारिक
16	563/066 चित्रगुप्त नगर	श्री हरिन्दर पाल सिंह	श्री हरमनजीत सिंह	रजिस्ट्री
17	एसवी/24 एन समर विहार	श्री मनीष अरोड़ा	श्री मोहित	रजिस्ट्री
18	559क/341 बहादुर खेड़ा	श्री मंजीत सिंह	श्रीमती पूनम गुप्ता	रजिस्ट्री
गुरूनानक नगर				
19	569च/841 प्रेम नगर	श्रीमती पूजा गुप्ता और आशु गुप्ता व अन्य	श्री दुर्गा शर्मा	विक्रय विलेख
20	552/046 ए चन्दर नगर	श्री ईश्वर सिंह रंजीत सिंह	श्रीमती अमरजीत कौर व अन्य	पारिवारिक
21	552/258 चन्दर नगर	श्रीमती राजरानी पंगासा व सुशील पंगासा	श्री निर्मल सिंह तनेजा	रजिस्ट्री
22	564/087 गुरूनानक नगर	श्री नील सरोज	श्रीमती माया विश्वकर्मा	पारिवारिक
23	565/225 पूरन नगर	श्रीमती बासमती	श्रीमती पूनम अस्थाना	वसीयत
24	556/459 जय प्रकाश नगर	श्री मार्गेट पाल	श्री आर0एल पाल व अन्य	पारिवारिक
25	566/543/1 जयप्रकाश नगर	श्री कैलाश प्रसाद शुक्ला	श्री कमल किशोर	पारिवारिक
सरोजनी नगर प्रथम				
26	केएन-6154 सहगल कालोनी	श्री रियाज अहमद	श्री फूलचन्द	रजिस्ट्री
सरोजनी नगर द्वितीय				
27	केएन-4927/2 इण्डस्ट्रीयल एरिया	श्री सौरभ अग्रवाल	श्री मुदित कुमार गुप्ता	रजिस्ट्री
28	टीएन/केएन-453-5मिन तपोवन नगर	श्री राम गोपाल व गीता	श्री विपिन कुमार गुप्ता	रजिस्ट्री
गीतापल्ली				
29	568ख/566 (एफएन-201-2फ्लोर) गीतापल्ली	श्री नवल किशोर चौरसिया	श्री दिनेश कुमार चतुर्वेदी	रजिस्ट्री
30	566/307 जय प्रकाश नगर	श्री प्यारेलाल चौरसिया	श्री विनोद कुमार व मुकेश कुमार	पारिवारिक
31	551ख/ओएम-424/1 मधुबन नगर	श्रीमती सरोजनी पाठक	श्री शैलेष पाठक	पारिवारिक
केसरी खेड़ा				
32	555क/के-266 कनौसी	श्रीमती कलावती व विनोद	श्रीमती लीलावती	दान विलेख
33	548घ/48ए/केएन-1650/2/1,1650 तेजी खेड़ा	श्री दयाराम	श्री प्रेम कुमार	पारिवारिक
34	555क/ओ-केएन-135मिन/पी एन-11/01 ओशो नगर	श्रीमती माया देवी	श्री शनि सिंह	रजिस्ट्री
35	555क/एफ-2/केएन-1522, 1553 मिन कनौसी	श्री अमरेन्द्र कुशवाहा	श्रीमती कमला सोनकर	रजिस्ट्री
गुरूगोविन्द सिंह				
36	553/214 (142/3ए) आदर्श नगर	श्री गुलशन कुमार कपूरिया	श्रीमती राधा कपूरिया व यश कपूरिया	पारिवारिक
37	553/165 आदर्श नगर	श्री मान कुंवर जैन	श्री ज्ञान कुमार शाह	पारिवारिक
38	567/072 आदर्श नगर	श्रीमती नन्नदिता दत्ता	श्री रतन दत्त	पारिवारिक
39	549/125 बड़ा बरहा	श्री चन्द्रपाल	श्रीमती अल्का सिंह	रजिस्ट्री
चित्रगुप्त नगर				
40	560-वी/205ए विजय नगर	श्री राजेश प्रधान	श्री विरेन्द्र प्रताप सिंह	रजिस्ट्री
41	433 न्यू इन्द्रलोक	श्री राम शंकर पाल	श्रीमती शिवकुमारी साहू	रजिस्ट्री
42	पीएन-113 (केएन-2081) न्यू इन्द्रलोक	श्री नरेन्द्र बहादुर सिंह	श्री अभिज्ञान तिवारी व पूजा	रजिस्ट्री
43	560/255/205 एफएफ कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्रीमती जोगिन्दर कौर	रजिस्ट्री
44	560/255/एफ-204 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्रीमती अनीता जुनेजा व विकसित जुनेजा	रजिस्ट्री
45	560/255/505 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्रीमती गुनवंती पंजवानी	रजिस्ट्री
46	560/255/302 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्री राजीव चावला	रजिस्ट्री
47	560/255 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्री प्रकाश चन्द्र	रजिस्ट्री
48	560/255 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्री राजीव चावला व संगीता चावला	रजिस्ट्री
49	560/255/403 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्रीमती हेमा चांदवानी	रजिस्ट्री
50	560/255/402 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्रीमती वीनिशा अवस्थी	रजिस्ट्री
51	560/255/404 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्रीमती उमा हिरवानी व वीनू हिरवानी	रजिस्ट्री
52	560/255/401 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्री विवेक बेटलानी	रजिस्ट्री
53	560/255/308 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्रीमती संगीता चावला व अन्य	रजिस्ट्री
54	560/255/503 कृष्णानगर	श्री तुषार सत्या	श्री प्रकाश चन्द्र	रजिस्ट्री
55	560/183 कृष्णानगर	श्री अपराजिता हाण्डा	श्री शिवम गुप्ता	रजिस्ट्री
56	560-वी/256 विजय नगर	श्री आई0एन0 अवस्थी	श्रीमती सुनीता पाण्डेय	रजिस्ट्री

जोनल अधिकारी, जोन-5

यह टेस्ट क्रिकेट का एक अच्छा दिन था, जिसमें बल्लेबाज को फोकस करके रन बनाने थे, जबकि गेंदबाज को विकेट के लिए उतनी ही मेहनत करनी पड़ी। इंडिया और साउथ अफ्रीका दोनों ने बहुत अच्छा अनुशासन दिखाया। भारत थोड़ा खुश हो सकता है, क्योंकि उसने वापसी की।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, रविवार 23 नवंबर 2025

हाईलाइट

भारतीय टीम को खुश होना चाहिए : कुंबले

गुवाहाटी। पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन अपने प्रदर्शन से खुश होना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका ने गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के पहले दिन 247/6 पर खत्म किया, जिसमें भारत ने शानदार बॉलिंग की। क्रिकेट लाइव' में बात करते हुए, एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने कहा मुझे खुशी है कि लंच के बाद भारतीय बॉलर्स ने लगातार दबाव बनाया, जिससे जल्दी विकेट गिरे, जिससे सेशन में छह विकेट लेना एक असली लक्ष्य बन गया।

इटली लगातार डेविस कप फाइनल में

बोलोग्ना। इटली लगातार तीसरे साल डेविस कप फाइनल में पहुंच गया है। फ्लेवियो कोबोली ने सात मैच पॉइंट बचाए और जिजो बर्न्स को हराकर सबसे शानदार 32-पॉइंट का फाइनल सेट टाई-ब्रेक जीता और अपने देश के लिए बेल्जियम पर 2-0 से जीत पक्की की। बोलोग्ना में बर्न्स पर कोबोली की 6-3, 6-7(5), 7-6(15) की रोमांचक जीत दर्ज की।

वियान मुल्डर का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते कुलदीप यादव। एजेंसी

कुलदीप ने कराई भारत की वापसी

दूसरा टेस्ट मैच : अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और भारत ने कुलदीप यादव की अगुवाई में आखिरी सत्र में चार विकेट लेकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को यहां अच्छी वापसी की। भारत ने पहले दो सत्र में एक-एक विकेट लिया लेकिन तीसरे सत्र में वापसी करके उसने पहले दिन दोनों टीम का पलड़ा बराबरी पर रखा।

खराब रोशनी के कारण जब 81.5 ओवर में दिन का खेल समाप्त किया गया तब दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 247 रन बनाए थे। पिच से अभी बहुत अधिक टर्न नहीं मिल रहा है, लेकिन भारत ने दिन में जो छह विकेट हासिल किए उनमें से चार विकेट स्पिनर ने लिए। कोलकाता में पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाले भारतीय बल्लेबाजों के लिए इसे अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता। इस पर भी गौर करना होगा कि दक्षिण अफ्रीका इस मैच में तीन विशेषज्ञ स्पिनरों के साथ उतरा है। भारत की तरफ से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को तीन गेंद के अंदर पवेलियन की राह दिखा दी थी। बुमराह ने सुबह के सत्र के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मार्करम (38) को बोल्ड किया। कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रियान रेकेलटन (35) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी थी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके अपने कप्तान के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया था।

इसके बाद तेम्बा बावुमा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (49) भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। बुमराह को मार्करम का विकेट पहले ही मिल जाता लेकिन केएल राहुल ने स्लिप में उनका आसान कैच छोड़ दिया था। मार्करम तब छह रन पर खेल रहे थे। बुमराह ने हालांकि उन्हें इसका ज्यादा फायदा नहीं उठाने दिया। उनकी फुल लेंथ गेंद पर मार्करम ने ड्राइव करने की कोशिश की लेकिन गेंद ने उनकी गिल्लियां बिखेर दी। रिकेलटन ने विकेटकीपर ऋषभ पंत को कैच दिया। बावुमा और स्टब्स ने धैर्य से काम लिया और दूसरे सत्र में अपनी टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। स्टब्स को लय हासिल करने में कुछ समय लगा लेकिन इसके बाद उन्होंने आत्मविश्वास से भरे शॉट खेले। भारतीय गेंदबाज हालांकि तीसरे सत्र के शुरू में ही इन दोनों की एकाग्रता भंग करने में सफल रहे।

बावुमा ने जडेजा की गेंद मिड ऑफ के ऊपर से खेलने का प्रयास किया लेकिन यशस्वी जायसवाल ने डाइव लगाकर उसे खूबसूरत कैच में बदल दिया। कुलदीप ने स्टब्स को अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया जिन्होंने फ्लाइट लेकर गेंद पर स्लिप में राहुल को कैच थमाया। वियान मुल्डर (13) ने कुलदीप की ऑफ स्टंप से बाहर जा रही गेंद पर जायसवाल को कैच देकर अपना विकेट इनाम में दिया।

दक्षिण अफ्रीका

247/6 (पहली पारी) (81.5 ओवर)

ऐडन मारक्रम बो बुमराह	38
रेयान रिकलटन का पंत बो कुलदीप	35
ट्रिस्टन स्टब्स का राहुल बो कुलदीप	49
बावुमा का जायसवाल बो जडेजा	41
टोनी डि जॉर्जी का पंत बो सिराज	28
मुल्डर का जायसवाल बो कुलदीप	13
सेनुरन मुथुसामी नाबाद	25
काइल वेरेने नाबाद	01

गेंदबाजी : बुमराह 17-6-38-1, सिराज 17.5-3-59-1, रेड्डी 4-0-21-0, सुंदर 14-3-36-0, कुलदीप 17-3-48-3, जडेजा 12-1-30-1

दिन की सबसे अच्छी गेंद पर आउट हुआ : स्टब्स

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को जरा भी अंदाजा नहीं था कि भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के नए स्पैल की पहली गेंद ही दिन की उनकी सबसे अच्छी गेंद होगी जिस पर वह अपना विकेट गंवा देंगे। दक्षिण अफ्रीका के इस खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि दिल्ली कैपिटल्स टीम के अपने साथी कुलदीप का नेट पर कई बार सामना करने के बावजूद वह उनकी गेंदों के खिलाफ असहज रहे।

शुभमन एकदिवसीय सीरीज से बाहर रहेंगे

गुवाहाटी, एजेंसी

- विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कप्तानी की दौड़ में

शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की आगामी वनडे श्रृंखला से भी बाहर रहेंगे। बीसीसीआई के सूत्रों ने शनिवार को जानकारी दी कि उनकी गर्दन की चोट के सही होने में लंबा समय लगने की उम्मीद है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल के नाम पर कप्तानी के लिये विचार किया जा सकता है जबकि सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा भी टीम में हैं।

गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भी खेलने की संभावना भी कम ही है। बीसीसीआई के विश्वस्त सूत्रों के अनुसार गिल की चोट सिर्फ गर्दन की ऐंठन नहीं है। उन्हें आराम की जरूरत होगी और भारतीय टीम प्रबंधन उनकी वापसी के लिये हड़बड़ी नहीं करेगा। गिल को कोलकाता में पहले टेस्ट में बल्लेबाजी के दौरान गर्दन में ऐंठन का सामना करना पड़ा था। वह चोट के कारण गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल सके हैं। वह इस समय मुंबई में हैं जहां उनके एमआरआई समेत बाकी टेस्ट हो रहे हैं। यह देखने के लिये टेस्ट किये जा रहे हैं कि मांसपेशी में चोट है या टिश्यू में चोट लगी है। अभी तक तो चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 खेल सकेंगे। पता चला है कि गिल ने मुंबई के रीढ़ की हड्डी के विशेषज्ञ डा. अभय नेने से परामर्श लिया है और चिकित्सा रिपोर्ट की जांच को मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को फॉरवर्ड किया है। बीसीसीआई सूत्र ने कहा गिल को दर्द के लक्षणों को कम करने के लिए एक इंजेक्शन दिया गया है।

पर्थ टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे ही दिन इंग्लैंड को दी शिकस्त

पर्थ, (एपी), एजेंसी

- एशेज सीरीज में ट्रेविस हेड ने खेली शतकीय पारी

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	172/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	132/10
इंग्लैंड (दूसरी पारी)	164/10
ऑस्ट्रेलिया (दूसरी पारी)	205/2

ट्रेविस हेड (123) के शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में दूसरे दिन इंग्लैंड को आठ विकेट से शिकस्त दी।

जीत के लिए 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हेड ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 83 गेंद में 16 चौके और चार छक्के की मदद से 123 रन बनाए। उनके अलावा मार्नस लाबुशेन ने 51 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। इंग्लैंड की दूसरी पारी सुबह 164 रन पर सिमट गई जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे जिन्होंने मैच में कुल 10 विकेट झटके। इंग्लैंड ने पहली पारी में 172 और ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 132 रन बनाए थे।

लक्ष्य सेन पहुंचे फाइनल में

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे के विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरने के लिए जबरदस्त मानसिक दृढ़ता दिखाई और 86 मिनट तक चले सेमीफाइनल में दूसरे वरीय खिलाड़ी को 17-21, 24-22, 21-16 से हराया। वर्तमान सत्र में अभी तक कोई भी खिताब नहीं जीत पाने वाले 24 वर्षीय सेन का फाइनल में मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा।

तनाका ने चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन यि को 21-18, 21-15 से हराया।